www.deshbandhu.co.in खबरें लगातार...

राष्ट्रीय संस्करण

पत्र नहीं मित्र

देशबन्धु

नई दिल्ली, शुक्रवार, 7 जून , 2024 | वर्ष-17 | अंक -62 | पृष्ठ - 10 | मूल्य - 3.00 रुपए

यूपी में कार्यकर्ता बूथ पर खड़े रहे, अखिलेश ... 02

■ दिल्ली में 'आप' व कांग्रेस का गठबंधन टूटा
■ 1993 में जितना तय हुआ था उतना ही पानी... 03

■ गाजा में स्कूल पर इजरायल का हवाई हमला, 30... 07

'लाल सलाम', 35 साल बाद लहराया 'लाल ... 10

सार संक्षेप

ईशनिंदा वाली पोस्ट से कश्मीर में बवाल

जम्मू। श्रीनगर में पुलिस ने मध्य कश्मीर के श्रीनगर जिले में संवेदनशील पोस्ट के खिलाफ संज्ञान लिया है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने जीएमसी श्रीनगर के छात्र द्वारा एक विशेष समुदाय की धार्मिक भावनाओं के खिलाफ संवेदनशील सामग्री पोस्ट करने की घटना का संज्ञान लिया है। श्रीनगर प्रशासन से संदेश प्राप्त होने पर 6 जून को करण नगर पुलिस स्टेशन में एक आपराधिक मामला आईपीसी के तहत दर्ज किया गया है।

तीन माह बाद हटी आचार संहिता

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव के ऐलान के साथ ही 16 मार्च को देश भर में आदर्श चुनाव आचार संहिता लागू हो गई थी। जिसे चुनाव प्रक्रिया खत्म होने के बाद गुरुवार को हटा ली गई। चुनाव आयोग ने गुरुवार को इसका ऐलान किया। इसी के साथ अब रुके हुए सरकारी कामकाज एक बार फिर से शुरू हो जाएंगे। केंद्रीय कैबिनेट सचिव व राज्यों के मुख्य सचिवों को लिखे खत में चुनाव आयोग ने कहा है कि लोस चुनाव व अरुणांचल प्रदेश, सिक्किम, ओडिशा व आंध्र प्रदेश विस के नतीजे घोषित होने के बाद आदर्श चुनाव आचार संहिता तत्काल प्रभाव से हटा ली गई है।

कंगना रनौत को थप्पड़ जड़ा, महिला सिपाही निलंबित

नई दिल्ली। मंडी सांसद और बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत को थप्पड़ मारने वाली सीआईएसएफ की महिला सिपाही को डीजी सीआईएसएफ ने निलंबित कर दिया है। बता दें कि कंगना रनौत को चंडीगढ़ एयरपोर्ट पर सीआईएसएफ के गार्ड कुलविंदर कौर ने थप्पड़ मारा है। अभिनेत्री ने आरोप लगाते हुए सख्त एक्शन लेने की मांग की हैं। खबर है कि सीआईएसएफ गार्ड कंगना रनौत के किसान आंदोलन के खिलाफ बात करने को लेकर नाराज थी। कंगना के साथ चल रहे मयंक मधुर ने कुलविंदर कौर को थप्पड़ मारने की कोशिश की। इसके बाद कंगना की ओर से पुलिस में शिकायत दी गई।

स्वर्ण मंदिर में लगे खालिस्तानी नारे

अमृतसर। आपरेशन ब्ल्यू स्टार की 40वीं बरसी पर अमृतसर में कट्टरपंथी सिखों ने खालिस्तान जिंदाबाद के नारे लगाए। अकाल तख्त साहिब के बाहर हवा में तलवारें भी लहराई गईं। लोगों ने जरनैल सिंह भिंडरावाले की तस्वीर लगे पोस्टर भी लहराए। ऑपरेशन ब्लू स्टार की बरसी पर श्री अकाल तख्त साहिब पर ऑपरेशन में मारे जाने वालों श्रद्धांजलि अर्पित की गई है। श्री अखंड पाठ के भोग के बाद आयोजित अरदास में 1984 में उसे समय की सरकार द्वारा करवाए गए ऑपरेशन के लिए कांग्रेस पार्टी की निंदा की गई है।

शेयर बाजार में हुआ बहुत बड़ा घोटाला : राहुल

मतगणना वाले दिन शेयर बाजार गिरने पर मोदी व अमित शाह को घेरा

नई दिल्ली, 6 जून (देशबन्धु)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मतगणना वाले दिन शेयर बाजार गिरने पर मोदी व अमित शाह को घेरा। कांग्रेस नेता ने दावा किया है कि शेयर बाजार पर सरकार की ओर से की गई टिप्पणी से लाखों खुदरा निवेशकों का नुकसान हुआ।

निवेशकों को तीस लाख करोड़ रुपए का हुआ नुकसान

उन्होंने कहा कि यह शेयर बाजार का अब तक का सबसे बड़ा घोटाला है। इससे निवेशकों को 30 लाख करोड़ रुपए का नुकसान हुआ। इसकी संसदीय समिति से जांच कराई जानी चाहिए। राहुल ने कहा कि हमने नोट किया कि चुनाव के समय प्रधानमंत्री, गृह मंत्री और वित्त मंत्री ने स्टॉक मार्केट पर टिप्पणी की। प्रधानमंत्री ने दो-तीन चार बार देश को कहा कि स्टॉक मार्केट तेजी से आगे बढ़ने जा रहा है। स्टॉक मार्केट में निवेश करने के लिए कहा। अमित शाह कहते हैं कि 4 जून से पहले शेयर खरीदें। मोदी कहते हैं कि चार जून को स्टॉक खरीदें। 1 जून को मीडिया झूठे एग्जिट पोल निकालती है। भाजपा को जो आंतरिक एग्जिट पोल था, उसमें उसे 220 सीटें मिल रही थीं। आंतरिक एजेंसियों ने सरकार को 220 से 230 सीटों के मिलने के बारे में बताया था। स्टॉक मार्केट तीन जून को सारे रिकॉर्ड तोड़ देता है और 4 जून को धड़ाम हो जाता है। राहुल ने कहा कि यह दिखाता है कि कोई न कोई घपला हो रहा है। हजारों करोड़ रुपए यहां निवेश हुए। स्टॉक मार्केट गिरने के बाद 20 लाख करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है। यह जो आप देख रहे हैं वह स्टॉक मार्केट के इतिहास का सबसे बड़ा नुकसान है।

संसदीय समिति से कराई जानी चाहिए मामले की जांच : राहुल गांधी

अब पहले वाली स्थिति नहीं है

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा कि हम इस मामले को लेकर सरकार पर दबाव डालेंगे जेपीसी जांच की मांग करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जिस तरह से पहले काम करते थे, अब नहीं कर पाएंगे क्योंकि अब पहले वाली स्थिति नहीं है। कांग्रेस सिर्फ सरकार की बात नहीं कर रही है। स्टॉक मार्केट में देश के करोड़ों लोगों का नुकसान हुआ है। राहुल गांधी ने सवाल किया कि प्रधानमंत्री ने देश की जनता को निवेश की सलाह क्यों दी। क्यों गृह मंत्री ने उन्हें स्टॉक खरीदने का आदेश दिया। दोनों जो इंटरव्यू किए गए। ये अदाणी के चैनल को दिए गए। उन पर पहले ही सेबी की जांच बैठी है तो उस पर जांच होनी चाहिए। मोदी के ये जो फेक इन्वेस्टर हैं और जो विदेशी निवेशक हैं। इनके बीच क्या रिश्ता है और अगर रिश्ता है तो इसकी जांच होनी चाहिए। इसे लेकर हमारे पास सवाल हैं।

शेयर मार्केट पर राहुल का बयान गुमराह करने वाला : पीयूष गोयल

राहुल के आरोप पर भाजपा नेता पीयूष गोयल ने कहा कि राहुल गांधी अभी हार की हताशा से उबर नहीं पाए हैं। जिसके चलते शेयर बाजार के खिलाफ भी अभियान चलाने में लग गए हैं। राहुल भाजपा के नेताओं पर गलत आरोप लगाकर शेयर बाजार के निवेशकों को गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं। वह फिर से मोदी सरकार के गठन को लेकर परेशान नजर आ रहे हैं। भाजपा नेता ने आगे कहा कि शेयर बाजार में भय का माहौल बने और बाजार में निवेश न हो, राहुल गांधी अब इसी दिशा में काम कर रहे हैं। इक्विटी बाजार में उतार-चढ़ाव आते रहते हैं। पीयूष गोयल ने कहा कि पिछले 10 साल में देश का मार्केट कैप 5 ट्रिलियन डॉलर से ज्यादा रहा। दुनिया की पांच बड़ी अर्थव्यवस्था वाले कैप में से भारत का मार्केट कैप है।

एग्जिट पोल पर भी किया बड़ा दावा

राहुल गांधी ने कहा कि देश में फर्जी एग्जिट पोल चलाए गए, जिसके बाद शेयर बाजार में तेजी आई और फिर चार जून को शेयर बाजार पूरी तरह गिर गया। खुदरा निवेशकों ने 30 लाख करोड़ रुपए गंवाए। राहुल ने कहा कि पीएम मोदी, गृह मंत्री शाह ने निवेश की सलाह क्यों दी। भाजपा नेताओं को जानकारी थी कि एग्जिट पोल गलत थे। हम सबसे बड़े शेयर बाजार घोटाले की जेपीसी जांच चाहते हैं। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि भाजपा में उच्च पद पर बैठे लोगों ने इस शेयर बाजार घोटाले को अंजाम दिया। प्रधानमंत्री मोदी, गृह मंत्री शाह सीधे तौर पर इसमें शामिल हैं।

आम चुनावों के नतीजों के बाद कांग्रेस में उत्साह

■ आठ जून को बुलाई कांग्रेस कार्य समिति की बैठक
■ मल्लिकार्जुन खड़गे करेंगे बैठक की अध्यक्षता

नई दिल्ली, 6 जून (देशबन्धु)। आम चुनाव के नतीजे आने के बाद कांग्रेस में उत्साह देख गया। इसी क्रम में पार्टी ने कार्यकारिणी समिति की बैठक बुलाई है। कांग्रेस के महासचिव केसी वेणुगोपाल ने बैठक को लेकर गुरुवार एक पत्र भी जारी किया है। इस पत्र के मुताबिक कांग्रेस कार्यकारिणी समिति की बैठक आठ जून शनिवार की सुबह 11 बजे कांग्रेस मुख्यालय में होगी। कांग्रेस मुख्यालय में इस बैठक की अध्यक्षता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे करेंगे। इससे पहले इंडिया ब्लॉक के नेताओं ने नई दिल्ली में बैठक की। तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव और सांसद अभिषेक बनर्जी और पार्टी नेता डेरेक ओ ब्रायन ने समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव से नई दिल्ली में उनके आवास पर मुलाकात की। आम आदमी पार्टी के नेता और राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने शिवसेना (यूबीटी) के नेता संजय राउत के साथ बैठक की। यह बैठक लोकसभा चुनाव के नतीजों के बाद इंडिया ब्लॉक द्वारा राष्ट्रीय राजधानी में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के आवास पर अपनी पहली गठबंधन बैठक आयोजित करने के एक दिन बाद हुई।

कांग्रेस चुनाव में दूसरी सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है और 2019 के लोकसभा चुनाव में उसकी संख्या 52 से बढ़कर 99 हो गई है। यह 10 साल के अंतराल के बाद होगा कि कांग्रेस को लोस में विपक्ष के नेता का पद मिलेगा, यह पद वह पाने में विफल रही क्योंकि 2014 और 2019 दोनों में सदन में उसकी कुल सीटों की संख्या आवश्यक दस प्रतिशत से कम थी।

सरकार बनाने की तैयारी में एनडीए

नई दिल्ली, 6 जून (देशबन्धु)। मोदी सरकार के शपथ ग्रहण की गुरुवार को नई तारीख आई। प्राप्त जानकारी के अनुसार मोदी 9 जून को शाम 6 बजे शपथ ले सकते हैं। पहले 8 जून को शपथ लेने की खबरें थीं। सूत्रों के मुताबिक, लोकसभा चुनाव में भाजपा के जीते सभी मंत्री इस बार भी रिपीट होंगे। विवाद से जुड़े चेहरों के नाम मंत्री पद की सूची से काटे जा सकते हैं। चुनाव हारीं स्मृति ईरानी और राजीव चंद्रशेखर को पार्टी एक और मौका दे सकती है। इन्हें फिर से मंत्री पद मिल सकता है। दिल्ली में भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा के घर अहम बैठक हुई। इसमें अमित शाह और राजनाथ सिंह भी मौजूद रहे। बैठक में नई सरकार बनाने, भाजपा और उसके सहयोगी दलों को मंत्रिमंडल में जगह देने और शपथ ग्रहण की तैयारियों समेत कई मुद्दों पर चर्चा की खबर है। सूत्रों के मुताबिक, भाजपा लोकसभा स्पीकर का पद भी अपने पास रखेगी। पहले जेडीयू और टीडीपी के मांगने की खबरें थीं। जेडीयू की नजर रेलवे-कृषि मंत्रालय के साथ बिहार के लिए विशेष पैकेज पर है। टीडीपी ने 5 मंत्रालयों और लोकसभा स्पीकर पद की मांग रखी है। इनमें ग्रामीण विकास, आवास और शहरी मामले, बंदरगाह और शिपिंग, सड़क परिवहन और राजमार्ग एवं जल शक्ति मंत्रालय शामिल हैं। समारोह के लिए भारत के पड़ोसी देशों के नेताओं को न्योता भेजा जाएगा।

■ नौ जून को शपथ ग्रहण कर सकते हैं मोदी
■ भाजपा संसदीय दल की हुई बैठक
■ स्मृति-राजीव चंद्रशेखर को मिल सकता है मौका

नीतीश बन सकते हैं एनडीए के संयोजक

आम चुनाव में भाजपा बहुमत के आंकडे से पिछड़ गई। इसके चलते अब उसे सरकार चलाने के लिए एनडीए यानी सहयोगी दलों पर निर्भर रहना होगा। नई सरकार में नीतीश कुमार की जदयू, चंद्रबाबू नायडू की टीडीपी सबसे अहम भूमिका में होगी। इसको देखते भाजपा व सहयोगी दल एक बार फिर से एनडीए संयोजक की जिम्मेदारी जदयू को सौंप सकते हैं व नीतीश जदयू के नए संयोजब बनाए जा सकते हैं। नई सरकार न्यूनतम साझा कार्यक्रम के तहत चलाई जा सकती है।

दिल्ली जल संकट पर सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला

हिमाचल प्रदेश यमुना में छोड़े 137 क्यूसेक अतिरिक्त पानी

■ दस जून को होगी मामले की अगली सुनवाई
■ गंभीर संकट को देखते हुए पानी की नहीं होनी चाहिए बर्बादी

नई दिल्ली, 6 जून (देशबन्धु)। दिल्ली में पानी के जल संकट को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने अहम फैसला सुनाया। कोर्ट ने हिमाचल प्रदेश को 137 क्यूसेक अतिरिक्त पानी छोड़ने का निर्देश दिया। हिमाचल प्रदेश की ओर से छोड़े गए अतिरिक्त जल के प्रवाह को हरियाणा सुगम बनाए। कोर्ट ने दिल्ली से कहा कि आप किसी भी तरह से पानी की बर्बादी नहीं होना चाहिए। न्यायमूर्ति पीके मिश्रा और जस्टिस केवी विश्वनाथन की अवकाशकालीन पीठ ने कहा कि हिमाचल प्रदेश सरकार को कोई आपत्ति नहीं है और वह उसके पास उपलब्ध अतिरिक्त जल छोड़ने को तैयार है। न्यायालय ने हिमाचल प्रदेश को सात जून को अतिरिक्त जल छोड़ने का निर्देश दिया, साथ ही उसे हरियाणा को पहले इसकी जानकारी देनी होगी।

पानी पर नहीं होनी चाहिए कोई राजनीति : सुप्रीम कोर्ट

दिल्ली ने की थी 150 क्यूसेक पानी की मांग

एएसजी ने अपर यमुना रिवर बोर्ड की रिपोर्ट को सुप्रीम कोर्ट के सामने रखा। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि बैठक में मौजूद स्टेकहोल्डर्स ने इस बात का खंडन नहीं किया कि दिल्ली में भीषण गर्मी की स्थिति है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अपर यमुना रिवर बोर्ड को हरियाणा में पानी की किसी भी कमी का डेटा नहीं दिया गया, जबकि दिल्ली ने हीट वेव की स्थिति से निपटने के लिए पेयजल की मांग को पूरा करने के लिए 150 क्यूसेक पानी मांगा है।

उत्तर प्रदेश, बिहार समेत चार राज्यों में लू का अलर्ट

नई दिल्ली, 6 जून (एजेंसियां)। देश में दक्षिण और पूर्वोत्तर की तरफ मानसूनी बारिश और उत्तर की तरफ हीटवेव का दौर जारी है। मौसम विभाग के मुताबिक उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, बिहार और झारखंड में हीटवेव का अलर्ट है। आईएमडी के मुताबिक अगले दो दिन बिहार, झारखंड और ओडिशा में तापमान में 2-3 डिग्री बढ़ सकता है। वहीं, उत्तर प्रदेश में दो दिन बाद तापमान में 2 डिग्री की बढ़त हो सकती है। मानसून केरल, तमिलनाडु होते हुए कर्नाटक पहुंच गया है।

■ दक्षिण-पूर्वोत्तर राज्यों में भारी बारिश की संभावना
■ दस दिन में मप्र में मानसून आने का अनुमान

13 राज्यों में हल्की बारिश का अलर्ट

मौसम विभाग के मुताबिक देश के 29 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों में हल्की से तेल बारिश का अलर्ट है। महाराष्ट्र, बिहार, झारखंड, छग, मध्य प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, राजस्थान में हल्की बारिश, जबकि अरुणाचल प्रदेश, मेघालय, असम, नगालैंड, मणिपुर, त्रिपुरा, पं. बंगाल, ओडिशा, सिक्किम, केरल, तमिलनाडु, आंध्र, तेलंगाना, कर्नाटक, गोवा में भारी बारिश होगी।

गर्मी से निपटने को केंद्र ने की राज्यों संग समीक्षा

केंद्र सरकार ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से भीषण गर्मी से निपटने की तैयारी करने और स्वास्थ्य सेवा संस्थानों पर अग्निरोधी एवं विद्युत सुरक्षा उपायों के कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने गुरुवार को यहां बताया कि राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से अगले कुछ दिनों में तापमान बढ़ने की आशंका के मद्देनजर समर्पित ऊष्माघात कक्ष, ओआरएस कॉर्नर सुनिश्चित करने तथा निगरानी तंत्र को मजबूत करने के लिए समीक्षा करने का आग्रह किया गया है।

एनसीपी में बगावत के संकेत

शरद पवार के सम्पर्क में अजीत गुट के करीब दस से पन्द्रह विधायक

पुणे, 6 जून (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) (अजीत गुट) के कम से कम दस से पन्द्रह विधायक राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) (शरद गुट) के प्रमुख शरद पवार के सम्पर्क में है और कभी भी उप मुख्यमंत्री अजीत पवार का साथ छोड़ सकते हैं। सूत्रों ने यह जानकारी यहां गुरुवार को दी। शिवसेना-शिंदे गुट की कैबिनेट विस्तार की मांग के बीच महाराष्ट्र की राजनीति में एक और संकट की खबर आ रही है। उन्होंने बताया कि इससे पहले मुंबई में राकांपा (अजीत गुट) के विधायकों की बैठक राष्ट्रीय अध्यक्ष अजीत पवार की अध्यक्षता में हुई।

अजित पवार के साथ हैं 40 विधायक

अजित पवार की अगुवाई वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के पास अभी 40 विधायक हैं। अगर विधायक फिर से शरद पवार के वापसी करते हैं तो निश्चित तौर पर राज्य में नया सियासी संकट खड़ा हो सकता है। महाराष्ट्र विधानसभा में भारतीय जनता पार्टी के पास 103 विधायक हैं।

प्रज्वल रेवन्ना की हिरासत बढ़ी

दस जून तक एसआईटी ने गिरफ्त में रहेंगी प्रज्वल

बेंगलुरु, 6 जून (एजेंसियां)। बेंगलुरु की 42वीं एसीएमएम कोर्ट ने महिलाओं पर यौन उत्पीड़न के मामले में हसन के पूर्व सांसद प्रज्वल रेवन्ना को चार दिन और पुलिस हिरासत में भेजने का आदेश दिया है। कोर्ट ने प्रज्वल को गिरफ्तारी के बाद छह दिन के लिए एसआईटी हिरासत में भेजा था, लेकिन अब उसे फिर से 10 जून तक पुलिस हिरासत में भेजने का आदेश दिया गया है। सुनवाई के दौरान एसआईटी के वकील ने कहा, आरोपी प्रज्वल ने मोबाइल फोन के बारे में जानकारी नहीं दी है। जांच के लिए पर्याप्त समय नहीं है। विदेश में रहने के दौरान पैसे के भुगतान के बारे में भी कोई जानकारी नहीं है। वह किसी भी सवाल का सही जवाब नहीं दे रहा है।

रिपोर्ट *आम चुनाव में विजेता उम्मीदवारों को लेकर एडीआर की रिपोर्ट में खुलासा*

543 नवनिर्वाचित सांसदों में 251 पर आपराधिक मामले

नई दिल्ली, 6 जून (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव 2024 का जनादेश सुनाया जा चुका है। 18वीं लोकसभा के लिए हुए चुनाव के नतीजे मंगलवार को घोषित कर दिए गए। इस चुनाव में केंद्र की सत्ताधारी भाजपा को 240 सीटें मिली हैं। वहीं दूसरे स्थान पर कांग्रेस है जिसके 99 सांसद लोकसभा पहुंचेगे। 293 सीटों के साथ एनडीए लगातार तीसरी बार सरकार बनाते दिख रहा है।

नई लोकसभा के गठन की तैयारियों के बीच, एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) ने 2024 में चुनाव जीतने वाले सभी 543 विजेता उम्मीदवारों के हलफनामों का विश्लेषण किया है। एडीआर ने जारी किए एक विश्लेषण में बताया है कि 543 विजेता उम्मीदवारों में 251 पर आपराधिक मामले दर्ज हैं। वहीं 504 विजेता उम्मीदवार करोड़पति हैं। सबसे युवा विजेता उम्मीदवार पुष्पेंद्र सरोज और प्रिया सरोज हैं। 25 साल के दोनों नवनिर्वाचित सांसद सपा के टिकट पर जीते हैं। वहीं सबसे उम्रदराज नवनिर्वाचित सांसद डीएमके के टीआर बालू हैं, जिनकी उम्र 82 साल है। इस चुनाव में सबसे ज्यादा संपत्ति घोषित करने वाले विजेता उम्मीदवार डॉ. चंद्रशेखर पेम्मासानी हैं। आंध्र के गुंटूर से टीडीपी प्रत्याशी पेम्मासानी ने कुल 5705 करोड़ की संपत्ति घोषित की है। इस मामले में दूसरे स्थान पर भाजपा के कोंडा विश्वेश्वर रेड्डी हैं।

■ चुनाव जीतने वालों में 504 उम्मीदवार करोड़पति

चुनाव जीतने वालों में 14 प्रतिशत महिलाएं

एडीआर द्वारा साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार 543 विजेता उम्मीदवारों में से केवल 74 (14 प्रतिशत) महिलाएं हैं। इसके पहले 2019 में 77 विजेता उम्मीदवार महिलाएं थीं। 2014 के चुनाव में कुल 62 और 2009 में 59 विजेता उम्मीदवार महिलाएं थीं। विजेता उम्मीदवारों की आयु के आंकड़ों में 58 (11 प्रतिशत) विजेता उम्मीदवार 25 से 40 वर्ष के बीच के हैं। 280 (52 प्रतिशत) प्रत्याशी 41 से 60 वर्ष के बीच हैं। 204 (38 प्रतिशत) विजेता उम्मीदवारों की आयु 61 से 80 वर्ष है।

देश

उवाच “

भारत आज विश्व की सबसे तेज गति से बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में आधारभूत संरचनाएं, कनेक्टिविटी, शिक्षा, स्वास्थ्य, सेवा, मैन्यूफैक्चरिंग, कृषि सहित समस्त क्षेत्रों में सतत विकास हो रहा है: **राजेंद्र शुक्ल, उप मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश**

तापमान	अधिकतम	न्यूनतम
दिल्ली	41.2	24.6
मुंबई	35.6	29.6
कोलकाता	37.5	29.2
चेन्नई	35.3	23.8

यूपी में कार्यकर्ता बूथ पर खड़े रहे, अखिलेश यादव को जीत की बधाई: प्रियंका गांधी

नई दिल्ली, 6 जून (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने उत्तर प्रदेश में इंडिया गठबंधन को मिली जीत के लिए समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव, डिंपल यादव और रामगोपाल यादव को बधाई दी है। उन्होंने समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं को भी बधाई दी। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी के मेहनती कार्यकर्ताओं को यूपी के नतीजों के लिए मेरी बहुत-बहुत बधाई। भीषण परिस्थितियों में हम सबने मिलकर एक ऐतिहासिक लड़ाई लड़ी। जमीन पर कांग्रेस और सपा के कार्यकर्ताओं ने हिम्मत से जनता के मुद्दों, सामाजिक न्याय और संविधान की आवाज उठाई। तमाम धमकियों और दमन के बावजूद सभी एकजुट होकर लोकतंत्र के प्रहरी बने और बूथ पर खड़े रहे। प्रियंका गांधी ने कार्यकर्ताओं के लिए कहा कि आप सबकी

कड़ी मेहनत के चलते हमारी एकजुटता और मुद्दों के प्रति हमारी प्रतिबद्धता में जनता ने भरोसा दिखाया है। आप सभी को दिल से धन्यवाद। जय जनता। जय संविधान। इससे पहले प्रियंका गांधी वाड्रा ने यूपी कांग्रेस के कार्यकर्ताओं की सराहना की थी। अपने कार्यकर्ताओं की प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा

समाजवादी पार्टी के मेहनती कार्यकर्ताओं को यूपी के नतीजों के लिए मेरी बहुत-बहुत बधाई। भीषण परिस्थितियों में हम सबने मिलकर एक ऐतिहासिक लड़ाई लड़ी। जमीन पर कांग्रेस और सपा के कार्यकर्ताओं ने हिम्मत से जनता के मुद्दों, सामाजिक न्याय और संविधान की आवाज उठाई: प्रियंका गांधी

कि मेरे सभी साथियों को मेरा सलाम। मैंने आपको धूप और धूल में कड़ी मेहनत करते हुए देखा, आप झुके नहीं, आप रुके नहीं, कठिन से कठिन दौर में आपने लड़ने की हिम्मत दिखाई। आपको प्रताड़ित किया गया, आप पर फर्जी मुकदमे लगाये गए, जेल में डाला गया, बार-बार नजरबंद किया गया। मगर, आप डरे नहीं। कई नेता डर के चले गए, आप टिके रहे। उन्होंने अपने कार्यकर्ताओं से कहा, 'मुझे गर्व है आप पर और यूपी की जागरूक जनता पर, जिसने इस देश की गहराई और सच्चाई को समझा और हमारे संविधान को बचाने का ठोस संदेश पूरे भारत को दिया। चुनाव जनता का है, जनता ही लड़ती है, जनता ही जीतती है।' बता दें कि उत्तर प्रदेश में इंडिया गठबंधन ने शानदार प्रदर्शन किया है। जहां वर्ष 2019 के चुनाव में कांग्रेस को यहां केवल एक सीट मिली थी, इस बार कांग्रेस ने 6 सीटें हासिल की है। कांग्रेस की सहयोगी समाजवादी पार्टी को 37 सीटें मिली हैं। राहुल गांधी ने मतगणना के उपरांत कहा था कि यूपी में हमें जबरदस्त जीत मिली है और इसके लिए मैं अपनी बहन प्रियंका को भी धन्यवाद देना चाहता हूं, जिन्होंने यहां खूब काम किया।

हरियाणा में कांग्रेस के वोट प्रतिशत में भारी इजाफा, प्रदेश में हमारी सरकार बनेगी : हुड्डा

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने हरियाणा की दस में से पांच सीटों पर जीत दर्ज की है। चुनावी नतीजों के बाद प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने प्रदेश की जनता का धन्यवाद किया है। उन्होंने कहा कि हमारे वोट परसेंटेज में 20 प्रतिशत का इजाफा हुआ है। भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि हरियाणा में हमारा वोट प्रतिशत 28 से बढ़कर 48 प्रतिशत हो गया है। वहीं,

हमारे वोट परसेंटेज में 20 प्रतिशत का इजाफा हुआ है, हरियाणा में हमारा वोट प्रतिशत 28 से बढ़कर 48 प्रतिशत हो गया है : भूपेंद्र सिंह हुड्डा

भाजपा के वोट प्रतिशत में गिरावट हुई है। भाजपा का वोट प्रतिशत पहले 58 था जो अब 46 हो गया है। भाजपा 10 से पांच सीट पर आ गई और कांग्रेस शून्य से पांच सीट पर पहुंच गई है। जनता ने मन बना लिया है कि हरियाणा में कांग्रेस की सरकार बनानी है। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव के नतीजों से इस बात के संकेत मिलते हैं कि हमने 46 विधानसभा में लीड ली है। भाजपा का एक से डेढ़ प्रतिशत ज्यादा वोट कांग्रेस को मिला है। आगामी विधानसभा चुनाव में कांग्रेस 70 से ज्यादा सीट पर जीत दर्ज करेगी।

पवन कल्याण, लोकेश समेत आंध्र प्रदेश विधानसभा में 81 नए चेहरे

अमरावती, 6 जून (एजेंसियां)। जन सेना पार्टी के प्रमुख पवन कल्याण और तेलुगू देशम पार्टी (टीडीपी) के महासचिव नारा लोकेश आंध्र प्रदेश विधानसभा में 81 नए चेहरों में शामिल हैं। आंध्र प्रदेश में नवनिर्वाचित विधायकों में से लगभग आधे पहली बार विधायक बने हैं। पूर्व केंद्रीय मंत्री कोटला सूर्य प्रकाश रेड्डी और सुजाना चौधरी भी 175 सदस्यीय विधानसभा में पहली बार विधायक बने लोगों में शामिल हैं। ज्यादातर नए चेहरे तेलुगू देशम पार्टी (टीडीपी) से हैं। इस चुनाव में पार्टी ने 135 सीटों पर जीत दर्ज की है। जनसेना के 21 नवनिर्वाचित विधायकों में से 15 नए चेहरे हैं। 2019 में दोनों विधानसभा सीटों से हार का सामना करने के बाद पवन कल्याण ने आखिरकार काकीनाडा जिले की पीठापुरम सीट जीतकर विधानसभा में जगह बनाई। टीडीपी अध्यक्ष एन चंद्रबाबू नायडू के बेटे लोकेश मंगलगिरी निर्वाचन क्षेत्र से चुने गए हैं। पिछले चुनाव में उन्हें भी इसी निर्वाचन क्षेत्र से हार का सामना करना पड़ा था। लोकेश 2014 से 2019 के बीच टीडीपी सरकार में मंत्री रह चुके हैं। उस दौरान वह विधान परिषद के सदस्य थे। आठ भाजपा विधायकों में से चार नए चेहरे हैं। इनमें पूर्व केंद्रीय मंत्री सुजाना चौधरी भी शामिल हैं। सुजाना विजयवाड़ा पश्चिम से निर्वाचित हुई हैं। एक अन्य पूर्व केंद्रीय मंत्री कोटला जया सूर्य प्रकाश रेड्डी टीडीपी के टिकट पर चुने गए। पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय कोटला विजयभास्कर रेड्डी के बेटे प्रकाश रेड्डी ने नांदयाल जिले की धोने सीट पर जीत दर्ज की। स्वतंत्रता सेनानी सरदार गौथु लचन्ना की पोती और पूर्व मंत्री गौथु शिवाजी की बेटी गौथु सिरीशा भी पहली बार विधानसभा में पहुंची हैं। सिरीशा श्रीकाकुलम जिले के पलासा निर्वाचन क्षेत्र से चुनी गईं। पूर्व केंद्रीय मंत्री और वरिष्ठ टीडीपी नेता अशोक पी. गजपति राजू की बेटी अदिति विजयलक्ष्मी गजपति राजू पिछले चुनाव में हार के बाद आखिरकार विजयनगरम से जीतकर विधानसभा में पहुंच गई हैं। वाईएसआरसीपी के पूर्व सांसद के. रघु राम कृष्ण राजू भी विधानसभा के लिए चुने गए हैं। वह टीडीपी के टिकट पर उंडी निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़े और जीत दर्ज की। पूर्व मुख्यमंत्री एन किरण कुमार रेड्डी के भाई एन किशन कुमार रेड्डी भी पहली बार विधानसभा के लिए चुने गए हैं।

- इस चुनाव में पार्टी ने 135 सीटों पर जीत दर्ज की
- जनसेना के 21 नवनिर्वाचित विधायकों में से 15 नए चेहर

सार संक्षेप

मुंबई के पवई में अवैध झुग्गियों को खाली कराने गई टीम पर पथराव, पांच पुलिसकर्मी घायल

मुंबई। मुंबई के पवई में हीरानंदानी से सटे जय भीम नगर झुग्गी बस्ती में अवैध कब्जे वाली झोपड़ियों को खाली कराने गए पुलिसकर्मियों पर पथराव हुई है। जानकारी के अनुसार जय भीम नगर झुग्गी बस्ती में नगर पालिका अवैध कब्जे को ध्वस्त करने पहुंची थी। नगर पालिका और पुलिस की टीम जैसे ही झुग्गियों को खाली कराने पहुंची बस्ती के लोगों ने उन पर पत्थर बरसाने शुरू कर दिए। पथराव की इस घटना में पांच पुलिसकर्मियों के घायल होने की खबर सामने आ रही है। बस्ती में पवई जय भीम नगर स्लम बचाओ आंदोलन तेज हो गया है। लोगों ने कार्रवाई के विरोध में जमकर नारेबाजी की है और इस कार्रवाई पर रोक लगाने की मांग भी की है।

नॉर्थ कोयल नहर के लिए आत्मदाह भी करना पड़े तो करेंगे : अभय कुशवाहा

गया। बिहार के औरंगाबाद सीट से राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नवनिर्वाचित सांसद अभय कुशवाहा ने आज कहा कि उन्हें नॉर्थ कोयल नहर के लिए संसद में आत्मदाह भी करना पड़े तो करेंगे। श्री कुशवाहा ने यहां पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि चुनाव प्रचार के दौरान जनता से वादा किया था कि नॉर्थ कोयल नहर के लिए संसद में आत्मदाह भी करना पड़े तो वह करेंगे। इस क्षेत्र की सबसे बड़ी समस्या सिंचाई की है। अपनी जीत को लेकर जनता को आभार प्रकट करते हुए कहा कि उनकी पहली प्राथमिकता सिंचाई की समस्या दूर करना है। औरंगाबाद के लोगों की पुरानी मांग है नॉर्थ कोयल नहर को चालू करवाना। वहीं, अभय कुशवाहा ने एक प्रश्न के उत्तर में कहा कि नैतिकता के आधार पर नरेंद्र मोदी जी को इस बार प्रधानमंत्री पद की शपथ नहीं लेनी चाहिए। जनता ने उन्हें नकार दिया। 400 का नारा फेल साबित हुआ है। ये लोग 300 का भी आंकड़ा नहीं पार कर पाए।

मंत्री नागेंद्र ने अपनी इच्छा से इस्तीफा देने की पेशकश की : शिवकुमार

बेंगलुरु। कर्नाटक सरकार में आदिवासी कल्याण मंत्री बी. नागेंद्र पर करोड़ों रुपये के भ्रष्टाचार का आरोप लगा है। आदिवासी कल्याण निगम के एक कर्मचारी की आत्महत्या के बाद भाजपा लगातार कांग्रेस पर निशाना साध रही है। इस बीच कर्नाटक के डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार ने गुरुवार को कहा, 'आदिवासी कल्याण मंत्री बी. नागेंद्र ने पार्टी और राज्य सरकार की गरिमा बनाए रखने के लिए अपनी इच्छा से पद से इस्तीफा देने की पेशकश की है।' कर्नाटक महर्षि वाल्मीकि अनुसूचित जनजाति विकास निगम (केएमवीएसटीडीसी) के अधीक्षक चंद्रशेखरन पी (50) ने कथित तौर पर 26 मई को आत्महत्या कर ली थी।

मनी लॉन्ड्रिंग मामले में कार्ति चिदंबरम को मिली जमानत

नई दिल्ली, 6 जून (एजेंसियां)। दिल्ली की एक अदालत ने गुरुवार को कांग्रेस नेता कार्ति चिदंबरम को कथित चीनी वीजा घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जमानत दे दी। कार्ति चिदंबरम राउज एवेन्यू कोर्ट की जज कावेरी बावेजा के समक्ष पेश हुए। अदालत ने इससे पहले मामले में चिदंबरम और उनके पूर्व चार्टर्ड अकाउंटेंट एस. भास्करमन के खिलाफ ईडी के आरोपपत्र पर संज्ञान लिया था। जज ने उन्हें एक लाख रुपए के निजी मुचलके और इतनी ही राशि पर जमानत दी। अप्रैल में अदालत ने इसी मामले में तीन आरोपियों को अंतरिम जमानत दी थी। इस मामले में चिदंबरम के अलावा एडवांटेज स्ट्रैटेजिक कंसल्टिंग प्राइवेट लिमिटेड, तलवंडी साबो पावर लिमिटेड और अन्य को भी आरोपी बनाया गया है। ईडी ने आईपीसी और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के प्रावधानों के तहत सीबीआई की एफआईआर के आधार पर जांच शुरू की थी।

अदालत ने इससे पहले मामले में चिदंबरम और उनके पूर्व चार्टर्ड अकाउंटेंट एस. भास्करमन के खिलाफ ईडी के आरोपपत्र पर संज्ञान लिया था

ईडी की जांच से पता चला कि चिदंबरम ने तलवंडी साबो पावर लिमिटेड द्वारा चीन के लिए वीजा दिलाने के बदले में अपने करीबी सहयोगी भास्करमन से कथित तौर पर 50 लाख रुपये की अवैध रिश्वत ली थी। ईडी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा था, 'यह कंपनी पंजाब के मानसा में एक पावर प्रोजेक्ट स्थापित करने में शामिल थी। कंपनी के अधिकारियों ने गृह मंत्रालय से वीजा की मंजूरी के लिए कार्ति चिदंबरम से संपर्क किया था। उस समय उनके पिता पी. चिदंबरम गृह मंत्री थे।'

अधिकारी ने कहा कि इस मामले में कंपनी ने एक डेटा एंट्री ऑपरेटर को 50 लाख रुपये का चेक दिया और फिर एंट्री ऑपरेटर ने भास्करमन को 50 लाख रुपए नकद दिए। अधिकारी ने कहा, 'इसके बाद, एस. भास्करमन ने 50 लाख रुपए की यह नकद राशि एडवांटेज स्ट्रैटेजिक कंसल्टिंग प्राइवेट लिमिटेड में निवेश कर दी, जो कार्ति चिदंबरम के नियंत्रण में है।

मध्य प्रदेश में युवक कांग्रेस की 230 विधानसभा स्तर की इकाइयां भंग

भोपाल, 6 जून (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश में लोकसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद सियासी दलों में फैसलों की शुरुआत हो गई है। पहला फैसला युवा कांग्रेस में आया है, जहां विधानसभा इकाइयों के सभी अध्यक्ष और कार्यकारिणी को भंग कर दिया गया है। युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष मितेंद्र दर्शन सिंह यादव ने संगठन में एक बड़ा निर्णय लेते हुए युवा कांग्रेस के सभी 230 विधानसभा अध्यक्षों को उनकी कार्यकारिणी सहित भंग कर दिया है। उनके द्वारा यह निर्णय लोकसभा और विधानसभा चुनाव के परिणाम को देखते हुए लिया गया है। युवा कांग्रेस अध्यक्ष यादव ने कहा कि जिनके द्वारा विधानसभा और लोकसभा चुनाव में संगठन द्वारा चलाए गए डोर टू डोर अभियान में सक्रियता दिखाई गई और प्रभावी प्रदर्शन किया गया है, आगे भी उनकी सक्रियता बरकरार रहेगी तो संगठन में उन्हें फिर से अवसर मिल सकता है। अब ऐसे नौजवानों को संगठन में अवसर मिलेगा जो ऊर्जावान, सक्रिय होने के साथ ही उनके पास संगठन के काम के लिए पर्याप्त समय हो, साथ ही निष्ठावान भी हों। उन्होंने आगे कहा कि संगठन की मजबूती के लिए जो भी फैसला करने की जरूरत होगी, उन्हें लेने में कोई हिचक नहीं दिखाई जाएगी।

जिनके द्वारा विधानसभा और लोकसभा चुनाव में संगठन द्वारा चलाए गए डोर टू डोर अभियान में सक्रियता दिखाई गई और प्रभावी प्रदर्शन किया गया है, आगे भी उनकी सक्रियता बरकरार रहेगी तो संगठन में उन्हें फिर से अवसर मिल सकता: मितेंद्र दर्शन

केरल में वाम दलों के प्रदर्शन पर सीपीआई ने कहा, नेतृत्व में बदलाव का समय आ गया है

तिरुवनंतपुरम, 6 जून (एजेंसियां)। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी नेता सी. दिवाकरन ने लोकसभा चुनाव में पिनाराई विजयन के नेतृत्व वाले वाम मोर्चे की हार के बाद कहा है कि अब नेतृत्व में बदलाव का समय आ गया है। केरल में 20 लोकसभा सीटों में से वामपंथी दल केवल एक ही सीट जीत पाई। वहीं माकपा ने जिन चार सीटों पर चुनाव लड़ा था, उनमें से उनके हाथ कुछ भी नहीं लगा। किसी का नाम लिए बगैर पूर्व राज्य मंत्री और दो बार विधायक रह चुके दिवाकरन ने कहा कि बदलाव होना चाहिए और वामपंथी इस तरह आगे नहीं बढ़ सकते। दिवाकरन ने कहा, 'बदलाव बड़े पैमाने पर होने चाहिए, साथ ही युवाओं के लिए रास्ता साफ होना चाहिए।' 2019 के लोकसभा चुनावों में दिवाकरन कांग्रेस के शशि थरूर के खिलाफ मैदान में उतरे थे और 99,000 से ज्यादा वोटों से हार गए थे। उन्हें तब जितने वोट मिले, वे 2024 के चुनाव में उनके पार्टी सहयोगी पनियन रवींद्रन को मिले वोटों से ज्यादा थे। दिवाकरन के वार के बाद, केरल में वाम सहयोगी वरिष्ठ नेता वर्गीस जॉर्ज ने कहा कि वाम लोकतांत्रिक मोर्चा द्वारा आत्मनिरीक्षण का समय आ गया है। जॉर्ज ने कहा, 'वाम दलों के वोट शेयर में करीब 10 प्रतिशत की गिरावट आई है और यह एक बड़ा मुद्दा है और इस पर गंभीर चर्चा होनी चाहिए। हमें राज्यसभा सीट के लिए विचार करना चाहिए।'

इस बीच एक दशक तक सीपीआई (एम) के साथी रहे वरिष्ठ कांग्रेस नेता चेरियन फिलिप ने कहा कि केरल में वर्तमान सीपीआई (एम) जिस तरह से आगे बढ़ रही है, वह पश्चिम बंगाल की स्थिति की याद दिलाती है। फिलिप ने कहा, 'पश्चिम बंगाल में सीपीआई(एम) को खत्म होने में 34 साल लग गए। केरल के मंत्रियों के कब्जे वाली 18 विधानसभा सीटों के नतीजों के बाद स्थिति यह बताती है कि वे पिछड़ गए हैं।

काराकाट से हार के बाद उपेंद्र कुशवाहा ने कहा, 'सबको सब मालूम है'

पटना, 6 जून (एजेंसियां)। राष्ट्रीय लोक मोर्चा के प्रमुख और काराकाट लोकसभा क्षेत्र से एनडीए प्रत्याशी उपेंद्र कुशवाहा ने चुनाव हारने के बाद गुरुवार को पहली बार अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने पत्रकारों के पूछने पर कहा कि सबको सब मालूम है, कहने की जरुरत कहां? पत्रकारों से चर्चा के दौरान कुशवाहा ने कहा कि सोशल मीडिया का जमाना है, उच्च तकनीक है। किसी को कुछ बताने की जरुरत है? सबको सब कुछ मालूम है। हमको कुछ नहीं कहना है। हमको कहने की जरुरत नहीं है। भोजपुरी अभिनेता पवन सिंह के फैक्टर बनने के विषय में पूछने पर उन्होंने कहा, 'फैक्टर बना या बनाया गया, सारी चीजें सभी को मालूम है। इसमें बताने की कोई बात नहीं है।' उल्लेखनीय है कि इस लोकसभा चुनाव में काराकाट से एनडीए समर्थित राष्ट्रीय लोक मोर्चा के प्रत्याशी उपेंद्र कुशवाहा को हार का सामना करना पड़ा है।

अगर आज चुनाव हुआ तो यूपी में बनेगी सपा की सरकार : शिवपाल यादव

इटावा, 6 जून (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी ने उत्तर प्रदेश में बेहतर परफॉर्मेंस की है। इस पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादव ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि सपा ने सभी जाति और धर्म के वोट हासिल किए। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी पूरे समाज को साथ लेकर चल रही है। सपा की इस जीत के बाद योगी सरकार को नैतिकता के आधार पर इस्तीफा दे देना चाहिए और चुनाव कराने चाहिए। आज की तारीख में अगर चुनाव हो जाते हैं तो उत्तर प्रदेश में अखिलेश यादव के नेतृत्व में समाजवादी पार्टी को एक ऐतिहासिक जीत मिलेगी और समाजवादी पार्टी की सरकार बन जाएगी। बहुजन समाज पार्टी के साथ चुनाव नहीं लड़ने और बसपा सुप्रीमो के मुस्लिम प्रत्याशियों को

समाजवादी पार्टी पूरे समाज को साथ लेकर चल रही है। सपा की इस जीत के बाद योगी सरकार को नैतिकता के आधार पर इस्तीफा दे देना चाहिए और चुनाव कराने चाहिए: शिवपाल सिंह

लेकर दिए गए बयान पर उन्होंने कहा कि 2024 के चुनाव में जनता जान चुकी थी कि वह भाजपा से मिली हुई है, इसलिए जनता ने भाजपा के साथ-साथ बसपा को भी सबक सिखाया है। अयोध्या के साथ-साथ आसपास की सीटों पर भी समाजवादी पार्टी और गठबंधन की जीत पर उन्होंने कहा कि हम सब राम को मानने वाले हैं और हम सब के कण-कण में राम हैं। राम को मानने वाले सेक्युलर प्रत्याशी की भी इस बार अयोध्या से जीत हुई है तो इससे बड़ी बात क्या हो सकती है। अयोध्या राम मंदिर में भगवान राम की पूजा-अर्चना करने जाने के सवाल पर उन्होंने कहा कि हम सब हमेशा से राम को मानते रहे हैं, उनकी पूजा करते रहे हैं और करते रहेंगे। राजा भैया ने इस बार किसी को समर्थन नहीं देने की बात कही है।

बिहार में एनडीए के प्रदर्शन की समीक्षा, विधायकों का भी तैयार होगा लेखा-जोखा

पटना, 6 जून (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव परिणाम के बाद राजनीतिक दलों में अब समीक्षा का दौर शुरू हो गया है। जानकारी के अनुसार इस चुनाव के नतीजे के जरिए विधायकों का भी लेखा-जोखा तैयार किया जाएगा। चुनाव में महागठबंधन को लाभ हुआ है जबकि एनडीए को नुकसान। चुनाव प्रचार के दौरान महागठबंधन के कई नेता यह कहते नजर आ रहे थे कि हमारे पास खोने के लिए कुछ भी नहीं है। पिछले लोकसभा चुनाव में महागठबंधन बिहार में मात्र एक सीट जीत पाया था। जबकि, इस चुनाव में राजद को चार सीटें मिली हैं। इसके अलावा कांग्रेस को तीन और वामपंथी दलों को दो सीटें मिली हैं। बिहार में एनडीए 30 सीटों पर जीत दर्ज करने में कामयाब हुई। चुनाव के परिणाम को लेकर समीक्षा का दौर जारी है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी ने गुरुवार को चुनाव प्रबंधन समिति के सदस्यों के साथ एक अहम बैठक की। बैठक के बाद उन्होंने कहा कि इस चुनाव में बिहार की जनता ने एनडीए को 75 प्रतिशत अंक दिए हैं। चुनाव प्रबंधन की टीम के अनुसार हमलोग चुनाव लड़े और 75 प्रतिशत अंक बिहार की जनता ने एनडीए को देने का काम किया। हमलोग जिन सीटों पर चुनाव हारे, उसकी समीक्षा कर रहे हैं। हम इस चुनाव में और बेहतर कर सकते थे। हमें भरोसा था कि इस चुनाव में बिहार की 40 में से 40 सीटें जीतेंगे, लेकिन हम 25 प्रतिशत सीट हारे, इसकी समीक्षा की जाएगी। कहा जा रहा है कि सभी दल आंकड़े के जरिये विधायकों के क्षेत्र की समीक्षा कर रहे हैं और उनका लेखा जोखा तैयार कर रहे हैं। इसके अलावा भीतरघात और कर्तव्यहीनता करने वाले नेताओं को भी चिन्हित किया जा रहा है। माना जा रहा है कि जिन विधायकों के क्षेत्रों में प्रत्याशियों को कम मत मिले हैं, उनकी राहें आने वाले विधानसभा चुनाव में कठिन होने वाली हैं। सूत्रों का कहना है कि जीतने वाले प्रत्याशियों के क्षेत्र के विधायकों का लेखा-जोखा तैयार किया जाएगा।

- चुनाव में महागठबंधन को लाभ हुआ है जबकि एनडीए को नुकसान
- पिछले लोकसभा चुनाव में महागठबंधन बिहार में मात्र एक सीट जीत पाया था

कामयाबी *बहुजन समाज पार्टी लोकसभा चुनाव में एक भी सीट नहीं जीत पाई*

सपा की सफलता में बसपा के बागी नेताओं का बड़ा हाथ

इटावा, 6 जून (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव में 37 सीटें जीत कर राष्ट्रीय राजनीति में अहम योगदान निभाने वाली समाजवादी पार्टी को उत्तर प्रदेश में मिली अभूतपूर्व सफलता की वजह बहुजन समाज पार्टी से छिटक कर आये बागी नेताओं को माना जाये तो अतिश्योक्ति नहीं होगी। राजनीतिक पंडितो का मानना है कि संसदीय चुनावों में सपा के इंडिया गठबंधन को उत्तर प्रदेश में खासी कामयाबी मिली है,

लेकिन इस कामयाबी की इबारत तो वास्तव में 2019 में हुए बसपा और सपा के गठबंधन से लिखी जा चुकी थी जिसके बाद एक के बाद बसपा के कद्दावर नेता सपा की ओर आकर्षित हुये जो अंतत: सपा की सफलता और बसपा के पतन का कारक सिद्ध हुये।

राजनीतिक विश्लेषक गुलशन कुमार ने कहा, 2024 के संसदीय चुनाव में समाजवादी पार्टी को जिस अंदाज में 37 सीटे हासिल हुई है, उसकी पृष्ठभूमि वास्तव में 2019 के सपा बसपा गठबंधन से शुरू होती है। 2019 के संसदीय चुनाव में सपा को मात्र पांच सीट मिली थीं लेकिन 2022 के विधानसभा चुनाव में सपा 111 सीटे हासिल करने में कामयाब हो गई और 2024 के संसदीय चुनाव में मिली समाजवादी पार्टी को 37 सीटे निश्चित तौर पर 2019 के गठबंधन के साथ ही सपा के साथ खड़े हुए बसपा के कद्दावर नेता इसके पात्र माने जा सकते है। 2014 में बसपा का खाता भी नहीं खुल सका था जिसके बाद बसपा ने सपा के

- सपा कामयाबी की इबारत तो 2019 में हुए बसपा और सपा के गठबंधन से लिखी जा चुकी थी

साथ 2019 में गठबंधन किया जिसका नतीजा उसे दस सीटों के रुप में मिला वहीं सपा को मात्र पांच सीटों से संतोष करना पड़ा। लेकिन जैसे ही 10 सीटे बसपा के खाते में आई वैसे ही मायावती ने सपा से गठबंधन तोड दिया । यह बात बसपा के कई नेताओं को नागवार गुजरी और उन्होने मायावती को आड़े हाथों लेना शुरू कर दिया । बसपा के प्रभावी नेताओं ने मायावती के मुकाबले सपा प्रमुख अखिलेश यादव को बेहतर राजनेता माना। मायावती की कार्यशैली से खफा बसपा के प्रभावी और जिम्मेदार नेताओं ने अपने आप को बसपा से अलग करते हुए सपा से रिश्ता जोड़ना जरूरी समझा । इस लिस्ट में दर्जनों प्रभावी और जिम्मेदार नेताओं के नाम लिए जा सकते हैं जो कहीं ना कहीं मायावती की कार्य शैली से बेहद नाराज चल रहे थे। 2017 के विधानसभा के चुनाव में सपा मात्र 47 सीटों पर सिमट करके रह गई थी लेकिन जब 2022 में उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव आया तो नतीजे के तौर पर समाजवादी पार्टी के खाते में 111 सीटे हो गई जबकि बसपा को मात्र एक ही विधानसभा सीट से संतोष करना पड़ा। वर्ष 2024 के संसदीय चुनाव में सपा के पीडीए फार्मूले के तहत अपनी तैयारी की। इसी बीच इंडिया गठबंधन के तहत अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश में अपने उम्मीदवारों की घोषणा शुरू कर दी। पहले तो भारतीय जनता पार्टी ने सपा के पीडीए फार्मूले का मजाक उड़ाया लेकिन जब मतगणना के बाद नतीजे सामने आए हैं तो सब हक्के-बक्के रह गए हैं।

कैपिटल ज़ोन

उल्टा पुल्टा

रमेश- पप्पू मैंने सुना है कि तुम्हारी शादी हो गई है, बधाई हो
पप्पू- हां पर मैंने शादी तोड़ दी।
रमेश- अरे ऐसा, क्यों किया ?
पप्पू- यार जब मैंने उससे पूछा कि तुम्हारा पहले किसी के साथ चक्कर रहा है तो उसने साफ मना कर दिया
रमेश- ये तो अच्छी बात थी ना पागल
पप्पू- दोस्त जो किसी और का नहीं हुआ वो मेरा क्या होगा

दिल्ली में 'आप' व कांग्रेस का गठबंधन टूटा

■ विधानसभा चुनाव अकेले लड़ेगी 'आप' ■ 2025 की शुरुआत में होने वाले है दिल्ली विस के चुनाव

नई दिल्ली, 6 जून (देशबन्धु)। राजधानी दिल्ली में आम आदमी पार्टी और कांग्रेस का गठबंधन टूट गया है। आम आदमी पार्टी की ओर से आज ये स्पष्ट कर दिया है कि दिल्ली विधानसभा का चुनाव वह अकेले लड़ेगी। कांग्रेस के साथ सिर्फ लोकसभा चुनाव के लिए गठबंधन किया गया था। दरअसल, आज आम आदमी पार्टी ने विधायकों की मीटिंग बुलाई थी। इस मीटिंग के बाद दिल्ली के संयोजक गोपाल राय ने कहा कि दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस के साथ कोई गठबंधन नहीं होगा। दिल्ली विधानसभा के चुनाव 2025 की शुरुआत में होनेवाले हैं।

लोकसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद गुरुवार को आम आदमी पार्टी के विधायकों और शीर्ष नेताओं की अहम बैठक हुई। इसमें चुनाव के नतीजों और भविष्य की रणनीति पर चर्चा हुई। इस संबंध में आप के दिल्ली प्रदेश संयोजक गोपाल राय ने बताया कि पार्टी ने 13 जून को सभी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के साथ बैठक करने का निर्णय लिया है। अरविंद केजरीवाल समेत हमारे कई नेता अभी जेल के अंदर हैं। इस तानाशाही के खिलाफ हमारी लड़ाई आगे भी जारी रहेगी। आप के सभी विधायक शनिवार-रविवार को अपने विधानसभा के कार्यकर्ताओं के साथ बैठक करेंगे और चुनाव आचार संहित हटते ही क्षेत्र में विकास कार्य तेज करेंगे। उन्होंने कहा कि अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तार कर भाजपा 'आप' को खत्म करना चाहती थी। इन विपरित हालातों में भी हमारे कार्यकर्ता एकजुट रहे और भाजपा के धन-बल व 400 पार के नारे का कड़ा मुकाबला किया। इंडिया गठबंधन लोकसभा के लिए है। विधानसभा चुनावों को हम जनता के साथ मिलकर लड़ेंगे और जीतेंगे।

इंडिया गठबंधन लोकसभा के लिए है, विधानसभा चुनावों को हम जनता के साथ मिलकर लड़ेंगे और जीतेंगे : गोपाल राय

लोकसभा चुनाव के बाद आम आदमी पार्टी के विधायकों की पहली अहम बैठक आहुत हुई। बैठक में पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव संगठन एवं सांसद डॉ. संदीप पाठक, सांसद संजय सिंह, एनडी गुप्ता, राघव चड्ढा, दिल्ली प्रदेश संयोजक गोपाल राय, कैबिनेट मंत्री सौरभ भारद्वाज, आतिशी, कैलाश गहलोत, इमराह हुसैन समेत सभी विधायक मौजूद रहे। इस दौरान पार्टी ने शीर्ष नेताओं ने लोकसभा चुनाव के नतीजों की समीक्षा की और भविष्य की रणनीति पर विचार विमर्श किया।

गोपाल राय ने कहा कि बैठक में 13 जून को प्रदेश के सभी पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ बैठक करने का निर्णय लिया गया है। जैसे आज सभी विधायकों के साथ मीटिंग की है, वैसे ही 8 जून को सभी पार्षदों के साथ भी मीटिंग की जाएगी। आज पूरी दिल्ली मिलकर इस तानाशाही के खिलाफ लड़ रही है। जनता के साथ मिलकर हमारी यह लड़ाई जारी रहेगी। इस लड़ाई को हम आगे और मजबूती के साथ लेकर जाएंगे। एक तरफ हम इस तानाशाही के खिलाफ लड़ेंगे और दूसरी तरफ आचार संहिता हटने के बाद रुके हुए विकास कार्यों को हम फिर से तेज करेंगे।

गोपाल राय ने लोकसभा चुनाव में पार्टी के प्रदर्शन और आगामी दिल्ली विधानसभा चुनाव के सवाल पर जवाब देते हुए कहा कि दिल्ली के अंदर पिछले दो चुनाव से ये ट्रेंड बना हुआ है कि लोकसभा चुनाव में लोग अलग वोट करते हैं और विधानसभा चुनाव में अलग वोट करते हैं। दिल्ली के लोगों ने पिछले लोकसभा चुनाव के इस पैटर्न को दोहराया है। विधानसभा में भी पिछला पैटर्न दोहराया जाएगा। इसलिए हमने इसपर फोकस किया है कि अब हम दिल्ली के विकास कार्य को युद्ध स्तर पर शुरु करेंगे।

एलजी ने दी संसद हमले के आरोपी के खिलाफ मामला चलाने की स्वीकृति

नई दिल्ली, 6 जून (देशबन्धु)। दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने छह व्यक्तियों के खिलाफ गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम यूएपीए के तहत अभियोजन को मंजूरी दी। इन लोगों पर 13 दिसंबर 2023 को सदन की कार्यवाही के दौरान संसद पर कथित रूप से हमला करने का आरोप है।

आरोप है कि मनोरंजन डी, सागर शर्मा, अमोल धनराज शिंदे, नीलम रानोलिया, ललित झा और महेश कुमावत नामक छह व्यक्तियों ने संसद में अवैध रूप से प्रवेश किया। साथ ही चालू सत्र के दौरान लोकसभा में धुएं के कैन फेंके। इस मामले में दिल्ली पुलिस ने उपराज्यपाल से यूएपीए की धारा 16 और 18 के तहत उनके अभियोजन का अनुरोध किया था। एलजी ने रिकॉर्ड पर पर्याप्त सामग्री पाए जाने पर अभियोजन स्वीकृति प्रदान की।

इस मंजूरी से पहले समीक्षा समिति डीओपी, तीस हजारी, दिल्ली ने भी 30 मई को जांच एजेंसी द्वारा एकत्र किए गए संपूर्ण साक्ष्यों की जांच की। इस जांच में संसद हमले के मामले में आरोपियों की संलिप्तता पाई थी। इसे देखते हुए समीक्षा समिति ने पाया कि प्रथम दृष्टया आरोपियों के खिलाफ यूएपीए के तहत मामला बनता है। दिल्ली पुलिस ने लोकसभा में सुरक्षा अधिकारी द्वारा की गई शिकायत पर संसद मार्ग पुलिस स्टेशन में आईपीसी और यूएपी अधिनियम की तहत एफआईआर दर्ज की। बाद में मामले की जांच संसद मार्ग पुलिस स्टेशन से पीएस स्पेशल सेल, नई दिल्ली की काउंटर इंटेलिजेंस यूनिट को स्थानांतरित कर दी गई थी। जांच के दौरान उपरोक्त छह आरोपियों को गिरफ्तार किया गया और वर्तमान में वे सभी न्यायिक हिरासत में हैं।

लोस चुनाव में दिल्ली कांग्रेस एक बड़ी ताकत के रूप में सामने आई: देवेंद्र यादव

नई दिल्ली, 6 जून (देशबन्धु)। राजधानी दिल्ली में मौजूदा हालात पर चर्चा करने के लिए कांग्रेस दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने पार्टी नेताओं की एक महत्वपूर्ण बैठक बुलाई।

बैठक में संगठन को और अधिक मजबूत बनाने पर दिया जोर

इस बैठक में भविष्य की रणनीति के लिए रोडमैप तैयार किया गया। इस दौरान देवेन्द्र यादव ने कहा कि लोकसभा चुनाव में कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा किया गया प्रदर्शन सराहनीय रहा। पिछले चुनावों के मुकाबले राजधानी में कांग्रेस का वोट प्रतिशत बढ़ने के साथ कई विधानसभा क्षेत्रों में कांग्रेस उम्मीदवारों को भारी समर्थन से स्पष्ट संकेत मिला है कि कांग्रेस एक बड़ी ताकत के रूप में सामने आई है।

उन्होंने कहा कि आगामी चुनावों से पहले हमें संगठन को और अधिक मजबूत बनाने पर जोर देना होगा जिसके लिए प्रत्येक बूथ पर अपने कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी देकर पार्टी की विचारधारा और क्षेत्रीय कार्यकर्ताओं को लोगों में पहचान बनाने की जरुरत है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं को अपनी पहचान बनाकर लोगों को बताना होगा कि कांग्रेस पार्टी ही उनके भविष्य में काम आएगी क्योंकि कांग्रेस की दिल्ली सरकार ने 15 वर्षों के शासन में जो दिल्ली का विकास किया था वह 2014 के बाद लगभग रुक गया है।

यादव ने कहा कि भाजपा ने 2014, 2019 और 2024 में लगातार दिल्ली में एक को छोड़कर मौजूदा सांसदों को टिकट इसलिए नहीं दिया क्योंकि भाजपा ने पिछले 10 वर्षों में सिर्फ खोखले, बेबुनियाद और अधूरे वायदे करके जनता को गुमराह किया और उन्हें जनता के हितों में कभी पूरा नहीं किया। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि जिला व ब्लॉक अध्यक्षों अपने-अपने क्षेत्रों में कार्यकर्ताओं की टीम बनाकर हर बूथ पर सक्रियता के साथ काम करना होगा। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता पूरी दिल्ली में महंगाई, बेरोजगारी, भाजपा सरकार 10 साल की नाकामियों, गलत नीतियों को उजागर करेंगे। देवेन्द्र यादव ने राजधानी में पानी की चल रही किल्लत पर चिंता जताई।

इस बैठक में कांग्रेस महासचिव दिल्ली प्रभारी दीपक बाबरिया के अलावा पूर्व सांसद रमेश कुमार, पूर्व मंत्री हारुन युसूफ, डॉ. नरेन्द्र नाथ, पूर्व विधायक चौ. मतीन अहमद, विजय लोचव, वीर सिंह धींगान, दर्शना रामकुमार, अमरीश गौतम, हरी शंकर गुप्ता, पीएस बावा, कमलकांत शर्मा, पूर्व पार्षद ईश्वर बागड़ी, जगजीवन शर्मा, रमेश सब्बरवाल, जितेन्द्र बघेल, ओनिका मेहरोत्रा, राजेश कौशिक, आभा चौधरी, शुभम शर्मा और राजकुमार इंदौरिया मौजूद थे।

सार संक्षेप

जलमंत्री आतिशी की लापरवाही के चलते दिल्ली में पानी की किल्लत : कपूर

नई दिल्ली। दिल्ली भाजपा प्रवक्ता प्रवीण शंकर कपूर ने कहा है कि हिमाचल प्रदेश से मिले अतिरिक्त पानी का हम स्वागत करते हैं, इसी के साथ दिल्ली जलबोर्ड यमुना से भी रोज़ 135 से 155 एमजीडी पानी अतिरिक्त उठा रहा है। इतना अतिरिक्त पानी होने पर भी केजरीवाल सरकार खासकर जल मंत्री सुश्री आतिशी की लापरवाही के चलते दिल्ली में पानी की किल्लत है। हम मंत्री सौरभ भारद्वाज एवं मंत्री आतिशी से पूछते हैं की जब इतना अतिरिक्त जल है तो किल्लत क्यों है। असल में मंत्री आतिशी की लापरवाही के चलते दिल्ली में वजीराबाद, हैदरपुर, सोनियाविहार सहित हर वाटर ट्रीटमेंट प्लांट में गाद भरी है और पानी स्टोरेज की जगह नही, नतीज़ा पानी बेकार आगे यमुना में बह कर हरियाणा एवं यूपी चला जाता है। साथ ही केजरीवाल सरकार पानी का सप्लाई लीकेज लौस एवं चोरी रोकने में भी विफल रही है जिस सब के कारण जल संकट बरकरार है।

प्रो. रेखा सक्सेना राजनीति विज्ञान विभागाध्यक्ष पद पर नियुक्त

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग की प्रसिद्ध शिक्षाविद प्रोफेसर रेखा सक्सेना ने बतौर विभागाध्यक्ष कार्यभार संभाला। वह चार दशकों से दिल्ली विश्वविद्यालय से जुड़ी हुई हैं। हिंदू कॉलेज से पढ़ी हुई, उन्होंने शिक्षण की शुरुआत सेंट स्टीफंस कॉलेज से की। प्रोफेसर रेखा सक्सेना ओटावा में फोरम ऑफ फेडरेशन में मानद वरिष्ठ सलाहकार भी है। नई दिल्ली में बहुस्तरीय संघवाद केंद्र के मानद उपाध्यक्ष, संघवाद और अंतरसरकारी संबंधों पर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञ, कई अकादमिक लेख और एक दर्जन से अधिक पुस्तकें प्रकाशित कीं। इस प्रतिष्ठित विवि में राजनीति विज्ञान विभाग 60 से अधिक कॉलेजों में पाठ्यक्रम सहित अहम भूमिका निभाता है।

हाशिम बाबा गैंग का वांछित शार्प शूटर गिरफ्तार

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में गाजीपुर मार्केट के पास हाशिम बाबा गैंग के एक वांछित शार्प शूटर को गिरफ्तार किया। एक अधिकारी ने गुरुवार को बताया कि गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान अयान के रूप में हुई है। वह पहले भी हत्या और हत्या के प्रयास समेत पांच मामलों में शामिल पाया गया था। स्पेशल सेल की डीसीपी प्रतीक्षा गोदारा ने बताया कि अयान की गतिविधियों के बारे में गुप्त सूचना मिली थी। तकनीकी और मैनुअल निगरानी से जानकारी आगे बढ़ाई गई। लगातार कोशिश के बाद जानकारी मिली कि अयान 3 और 4 जून की मध्यरात्रि को किसी से मिलने के लिए गाजीपुर मंडी में पेपर मार्केट आएगा। डीसीपी ने कहा कि अयान को स्कूटी चलाते देखा गया। जब उसे रुकने और सरेंडर करने का संकेत दिया गया, तो उसने भागने की कोशिश की।

भाजपा की बड़ी जीत में दिल्ली के दलित अनुसूचित समाज का बड़ा योगदान : वीरेन्द्र सचदेवा

नई दिल्ली, 6 जून (देशबन्धु)। दिल्ली भाजपा के अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने सांसद योगेन्द्र चंदोलिया, वरिष्ठ नेता राजकुमार चौहान, दिल्ली भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा अध्यक्ष मोहनलाल गिहारा एवं मीडिया प्रमुख प्रवीण शंकर कपूर की उपस्थिती में एक पत्रकार सम्मेलन में लोकसभा चुनाव में अभूतपूर्व समर्थन देने के लिए दिल्ली की आरक्षित एवं सिख बहुल विधानसभा क्षेत्रों के मतदाताओं का विशेष आभार प्रकट किया। मीडिया रिलेशन विभाग प्रमुख विक्रम मित्तल भी उपस्थित थे।

वीरेन्द्र सचदेवा ने कहा की हमेशा से विपक्षी दल एवं मीडिया कहते थे की दिल्ली में भाजपा त्रिकोणीय मुकाबले में ही जीत पाती है पर इस बार दिल्ली भाजपा ने पन्ना एवं बूथ प्रमुखों की मजबूत टीम के साथ चुनाव लड़ा, समय पर चुनाव पर्चियां बांट कर वोटर से सीधा सम्पर्क बनाया और उसी का परिणाम है की संयुक्त विपक्ष पर 2025 विधानसभा चुनाव में भी विजय को लेकर विश्वस्त करने वाली जीत संसदीय चुनाव में हमने दर्ज की है।

सचदेवा ने कहा कि हर चुनाव में जीत के लिए समाज के हर वर्ग का समर्थन जरूरी होता है और इस चुनाव में हमें हर वर्ग का समर्थन पहले से अधिक मिला है।

1993 में जितना तय हुआ था उतना ही पानी मिल रहा है : आप

नई दिल्ली, 6 जून (एजेंसियां)। दिल्ली में कई दिनों से जल संकट जारी है। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने भी फैसला सुनाते हुए हिमाचल प्रदेश को 137 क्यूसेक अतिरिक्त पानी दिल्ली को देने के लिए कहा है। इसके बाद भाजपा और आम आदमी पार्टी में जुबानी जंग तेज हो गई है।

एक तरफ भाजपा ने आम आदमी पार्टी पर आरोप लगाते हुए कहा है कि ये लोग सिर्फ उत्तर प्रदेश और हरियाणा को रोमांचक पत्र लिखकर उन्हें बदनाम कर रहे हैं। जबकि, हिमाचल प्रदेश को कोई पत्र नहीं लिखा गया है। इस पर आम आदमी पार्टी ने भी पलटवार करते हुए कहा है कि हिमाचल प्रदेश तो पानी देने को तैयार है, लेकिन हरियाणा उसे आने का रास्ता तो दे।

आम आदमी पार्टी के नेता सौरभ भारद्वाज ने कहा है कि दिल्ली के लिए 1993 में जितना पानी तय हुआ था, 30 साल बाद भी हमें उतना ही पानी मिल रहा है। जबकि, दिल्ली की आबादी इस बीच कई गुना बढ़ गई है। मैं हिमाचल प्रदेश के सीएम सुक्खू जी से दो बार मिला और हमने कहा कि हम राज्य से पानी खरीदना चाहते हैं और उन्होंने इस पर सहमति जताई। हम भाजपा की हरियाणा सरकार से

यही कह रहे थे कि कम से कम वो पानी तो हमें लेने दो जो हिमाचल प्रदेश दिल्ली को देना चाहता है। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि हरियाणा की भाजपा सरकार ने बताया कि हम आपको पानी के लिए रास्ता भी नहीं देंगे। क्या केंद्र सरकार को सुनिश्चित करने की पहल नहीं करनी चाहिए थी कि हरियाणा पानी के लिए रास्ता दे। आज सुप्रीम कोर्ट ने जो कहा, वो पहले ही कर देना चाहिए था। मैं सुप्रीम कोर्ट और हिमाचल प्रदेश सरकार का शुक्रिया अदा करना चाहता हूं। आप नेता सौरभ भारद्वाज के बयान से पहले दिल्ली भाजपा के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर कहा कि हम आदेश का स्वागत करते हैं, जिसमें हिमाचल प्रदेश को दिल्ली को अधिक जल जारी करने के लिए निर्देशित किया गया है।

लोकसभा चुनाव परिणाम नफरत के खिलाफ एक प्रबल जनादेश : जमाअत

उत्तर प्रदेश में परिवर्तन के लिए निर्णायक वोट एक स्पष्ट संदेश

नई दिल्ली, 6 जून (देशबन्धु)। जमाअत-ए-इस्लामी हिन्द के अध्यक्ष सैयद सआदतुल्लाह हुसैनी ने भारत के लोगों को चुनावी प्रक्रिया में सक्रिय रूप से भाग लेने और अपने वोट के माध्यम से राजनेताओं को एक शक्तिशाली संदेश भेजने के लिए बधाई दी है। उन्होंने चुनाव परिणामों को 'घृणा और विभाजनकारी राजनीति के विरुद्ध एक प्रबल जनादेश बताया।

मीडिया को दिए गए एक बयान में सआदतुल्लाह ने कहा कि हम अपने देश के मतदाताओं को बधाई देते हैं और उनकी सराहना करते हैं, जिन्होंने कुछ राजनेताओं द्वारा जानबूझकर किए गए गलत सूचना अभियान के बावजूद बड़ी समझदारी से मतदान किया। चुनाव अभियान में फर्जी प्रचार, घृणा की राजनीति, सांप्रदायिक अपशब्दों और वोट हासिल करने और मतदाताओं को प्रभावित करने के उद्देश्य से विभिन्न अनुचित युक्तियों के स्पष्ट घटनाओं के कारण अर्थपूर्ण चिंताएं उत्पन्न हुईं। चुनाव प्रसार बहुत हुए लेकिन चुनावी भाषणों में से कई पूरी तरह से ध्रुवीकरणकारी और विभाजनकारी थे, जिनमें नैतिकता और ईमानदारी की अवहेलना की गई थी। इन सभी विपरीत परिस्थितियों के बावजूद देश की जनता ने अपने मताधिकार का प्रयोग बुद्धिमानी से किया तथा अपना संदेश जोरदार एवं स्पष्ट रूप से दिया। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों में परिवर्तन के लिए निर्णायक वोट एक स्पष्ट संदेश है कि भारत के लोगों को राजनीतिक रूप से प्रेरित नकली सांप्रदायिक विवादों या धार्मिक और जाति-आधारित विभाजन में कोई दिलचस्पी नहीं है। वे समावेशी विकास और सामाजिक न्याय चाहते हैं। गठबंधन की राजनीति का नया युग यह भी दर्शाता है कि भारत के लोग अभी भी संघवाद, विकेंद्रीकरण, अधिकार और शक्ति का विभाजन तथा आम सहमति और समावेशिता की राजनीति के संवैधानिक मूल्यों को पसंद करते हैं। यह व्यापक रूप से माना जाता है कि इन चुनावों में मुख्य परिवर्तनकर्ता किसान, पिछड़े वर्ग और धार्मिक अल्पसंख्यक थे, जिससे यह साबित होता है कि उन्हें किसी भी राजनीतिक दल द्वारा नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है।

कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स वर्ल्ड एक्सपो 2024 का आगाज

नई दिल्ली, 6 जून (देशबन्धु)। कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स वर्ल्ड एक्सपो 6 से 8 जून, 2024 तक यशोभूमि द्वारका, नई दिल्ली में होने वाले अपने पहले सीईडब्लू कॉन्क्लेव के साथ भारत में कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स और टेक उद्योग के परिदृश्य में क्रांति लाने के लिए तैयार है। यह आयोजन व्यवसायों और पूरे उद्योग को आगे बढ़ाने के लिए डिज़ाइन किया गया एक व्यापक पारिस्थितिकी तंत्र होने का वादा करता है।

सीईडब्लू कॉन्क्लेव अपनी तरह का पहला आयोजन होगा, जिसमें शीर्ष एसोसिएशन शामिल होंगे जो अग्रणी ब्रांडों के पेशेवरों के साथ बेजोड़ नेटवर्किंग के अवसर प्रदान करते हैं। सीईडब्ल्यू कॉन्क्लेव में प्रमुख वक्ताओं में डॉ. संदीप चटर्जी, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय में समूह समन्वयक वैज्ञानिक जी एस.के. मारवाहा, सीईएएमए के कार्यकारी निदेशक महासचिव रवि शंकर चौधरी, आईसीईए में कार्यकारी निदेशक और प्रमुख सलाहकार राजेश शर्मा, एमईएक्स प्रदर्शनी प्राइवेट लिमिटेड की निदेशक हिमानी गुलाटी, शार्प के उपाध्यक्ष मिमोह जैन और पैनासोनिक लाइफ सॉल्यूशंस में कॉर्पोरेट मामलों और स्थिरता की एसोसिएट निदेशक रितु घोष सहित कई अन्य शामिल हैं।

मेयर डॉ. शैली ओबेरॉय ने की सफाई व्यवस्था को लेकर जोन उपायुक्तों के साथ बैठक

नई दिल्ली, 6 जून (देशबन्धु)। दिल्ली की मेयर डॉ शैली ओबेरॉय ने आज दिल्ली की सफाई व्यवस्था की समीक्षा करने के उद्देश्य से दिल्ली नगर निगम के सभी ज़ोनों के उपायुक्तों के साथ बैठक की। इस मौके पर मेयर के साथ दिल्ली के डिप्टी मेयर, आले मोहम्मद इक़बाल और नेता सदन, मुकेश गोयल भी मौजूद थे।

इस मौके पर मेयर ने कहा कि दिल्ली की सफाई व्यवस्था बदहाल है और इस तरफ ईमानदारी से कार्य करने की आवश्यकता है। मेयर ने बताया कि दिल्ली नगर निगम के पास सीमित

दिल्ली नगर निगम के पास सीमित संसाधन हैं जिनका अधिकतम और कुशलतम प्रयोग करने की जरुरत है : मेयर

संसाधन हैं जिनका अधिकतम और कुशलतम प्रयोग करने की जरुरत है और इसके लिए सभी को मिलकर एक रणनीति के तहत काम करना होगा। अधिकारियों ने मेयर को बताया कि विभिन्न ज़ोनो में कंसेशनर का टेंडर निकट भविष्य में खत्म हो रहा है जिससे सफाई का कार्य बाधित हो रहा है। इसके अलावा सफाई कर्मचारियों की कमी भी एक बड़ा कारण है। वेस्ट जोन के अधिकारी ने बताया कि क्षेत्र में अनाधिकृत इलाको में काफी निर्माण कार्य हुआ है और सी एंड डी वेस्ट अवैध डपिंग की समस्या बढ़ी है। साथ ही यहां 7 वार्ड के लिए केवल 2 ही ढलाव घर है जिसके कारण सफाई व्यस्था बनाए रखने में दिक्कत आ रही है। मुकेश गोयल ने बताया कि आज़ादपुर में सफाई व्यवस्था बदहाल है। बल्क में सब्जियां धोयी जाती है जिसके कारण उसका गाद दिल्ली नगर निगम की नालियों को ब्लॉक कर रहा है। इसके अलावा आदर्श नगर मेट्रो स्टेशन के पास बनी झुग्गियों में रहने वाले लोग अतिक्रमण कर रहे हैं। मेयर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सफाई व्यवस्था से जुडी समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर निपटाया जाये। मेयर ने कहा ठोस कूड़ा प्रबंधन के लिए जिन स्थानों पर एफसीटीएस को स्थापित करने के लिए ज़मीन की आवश्यकता है और आस पास डीडीए की ज़मीन उपलब्ध है तो उससे इस बारे में डीडीए से बात की जाए।

ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण

भूखण्ड संख्या-01, सैक्टर-नॉलेज पार्क-4, ग्रेटर नोएडा सिटी-201310
जिला-गौतमबुद्धनगर

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम/सेक्टर-रोजा याकूबपुर की प्रस्तावित आबादी में आवंटित आवंटन संख्या-बी.आई.एस.011, भूखण्ड संख्या-2, क्षेत्रफल-90 वर्ग मीटर श्री दर्शन पुत्र श्री छिद्दा, निवासी-ग्राम-बिसरख जलालपुर, जिला-गौतमबुद्धनगर, उ०प्र० के पक्ष में आवंटित किया गया था। आवंटी श्री दर्शन पुत्र श्री छिद्दा की मृत्यु के उपरांत इनके वारिसान सर्वश्री रिंकू भाटी, हिमांशु भाटी पुत्रगण स्व० श्री दर्शन, श्रीमती रेखा पत्नी स्व० श्री दर्शन, कु० नेहा (अविवाहित) पुत्री स्व० श्री दर्शन, निवासी-ग्राम-बिसरख जलालपुर, ग्रेटर नोएडा, जिला-गौतमबुद्धनगर, उ०प्र० में से सर्वश्री रिंकू भाटी, हिमांशु भाटी पुत्रगण स्व० श्री दर्शन, निवासी-ग्राम-बिसरख जलालपुर, ग्रेटर नोएडा, जिला-गौतमबुद्धनगर, उ०प्र० के पक्ष में नामांतरण करने हेतु नामांतरण प्रपत्र एवं शपथ-पत्र प्रस्तुत किये गये है। अतः इस नामांतरण के संबंध में किसी को कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन की तिथि से 35 दिन के अन्दर अपनी लिखित आपत्ति कार्यालय में दर्ज कराने का कष्ट करें, अन्यथा नियमानुसार प्राधिकरण अभिलेखो में इनके सर्वश्री रिंकू भाटी, हिमांशु भाटी पुत्रगण स्व० श्री दर्शन, निवासी-ग्राम-बिसरख जलालपुर, ग्रेटर नोएडा, जिला-गौतमबुद्धनगर, उ०प्र० के पक्ष में सहः आवंटी के रूप में दर्ज कर दिया जायेगा।

प्रबन्धक (कृषक आबादी)
ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण

उत्तर रेलवे
आज़ादी का अमृत महोत्सव

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर कर्षण चल स्टॉक, उत्तर रेलवे, दिल्ली मंडल गाजियाबाद द्वारा निविदा संख्या **230-TRS-GZB-2023-24-29** के आधार पर ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। विवरण निम्नानुसार है।

1.	कार्य का विवरण	'Supply, Installation and Commissioning of CCTV Cameras including its accessories' in the premises of Electric Loco Shed, Ghaziabad.
2.	कार्य की अनुमानित लागत	रु. 10,96,220.00
3.	धरोहर राशि	रु. 21,900.00
4.	निविदा बोली प्रस्तुत करने की समापन तिथि और समय	27.06.2024 (11:00 Hrs.)
5.	निविदा खोलने की तिथि और समय	27.06.2024 (After 11:00 Hrs.)
6.	वेबसाइट विवरण जहाँ निविदा दस्तावेजों का पूरा विवरण देखा जा सकता है	www.ireps.gov.in

नोट: (i) निविदाकर्ता को ई-निविदा प्रणाली में भाग लेने के लिए भारतीय रेलवे ई-प्रोक्योरमेंट प्रणाली (IREPS) साइट अर्थात www.ireps.gov.in पर पंजीकृत होना चाहिए।
(ii) सभी नियमों और शर्तों के लिए कृपया निविदा दस्तावेज देखें।
(iii) कोई मैन्युअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं हैं।

सं.: 230-TRS-GZB-2023-24-29 दिनांक: 04.06.2024 1692/2024

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे
आज़ादी का अमृत महोत्सव

ई-निविदा (ई-प्रोक्यूरमेंट) के माध्यम से निविदा आमंत्रण

निम्नलिखित कार्य के लिए वरिष्ठ मंडल अभियन्ता/II, उत्तर रेलवे, दिल्ली मंडल में ई-निविदा आमंत्रण।

NIT-29	कार्य का नाम: सहायक मंडल अभियंता शामली के तहत SSE/W/SMQL के खंड में स्टाफ क्वार्टरों और सेवा भवनों के रखरखाव के लिए वार्षिक जोन 2024-25 (समाप्त अवधि 30.06.2025)। कार्य की अनुमानित लागत (रुपये) IREPS पर NIT के अनुसार बयाना राशि (रुपये) IREPS पर NIT के अनुसार
NIT-30	कार्य का नाम: सहायक मंडल अभियंता शामली के तहत मेजर व माइनर ब्रिजों व FOB की मरम्मत के लिए वार्षिक जोन का प्रावधान। कार्य की अनुमानित लागत (रुपये) IREPS पर NIT के अनुसार बयाना राशि (रुपये) IREPS पर NIT के अनुसार
NIT-32	कार्य का नाम: सहायक मंडल अभियंता मेरठ के तहत SSE/W/MOZ के अनुभाग में स्टाफ क्वार्टरों में फर्श की मरम्मत, प्लास्टरिंग, दरवाजे और खिड़की को बदलना। कार्य की अनुमानित लागत (रुपये) IREPS पर NIT के अनुसार बयाना राशि (रुपये) IREPS पर NIT के अनुसार
NIT-33	कार्य का नाम: सहायक मंडल अभियंता मेरठ के SSE/W/MTC के अनुभाग में PQY, MUT, DRLA, MUZ व MDNR में स्टाफ क्वार्टरों में फर्श, प्लास्टरिंग, दरवाजे और खिड़की की मरम्मत और स्टाफ क्वार्टरों और सेवा भवन में पुरानी और खराब पानी की आपूर्ति व्यवस्था को बदलना। कार्य की अनुमानित लागत (रुपये) IREPS पर NIT के अनुसार बयाना राशि (रुपये) IREPS पर NIT के अनुसार
निविदा बोली प्रस्तुत करने की तिथि और समय	18.06.2024 to 02.07.2024 at 15:00 Hrs.
निविदा खोलने की तिथि और समय	02.07.2024 at 15:00 Hrs.
वेबसाइट विवरण जहां निविदा दस्तावेजों का पूरा विवरण देखा जा सकता है।	निविदा वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।

- ठेकेदारों को ई-टेंडर प्रणाली में भाग लेने के लिए भारतीय रेलवे ई-प्रोक्योरमेंट सिस्टम (IREPS) साइट www.ireps.gov.in के अंतर्गत पंजीकृत होना चाहिए।
- सभी नियमों और शर्तों के लिए कृपया निविदा दस्तावेज देखें।
- मैनुअल निविदायें स्वीकृत नहीं की जायेंगी। • निविदा दस्तावेज और बयाना की लागत केवल नेट बैंकिंग या भुगतान गेटवे के माध्यम से स्वीकार्य होगी।

सं.: NIT-29, 30, 32 & 33-24-25-W-II दिनांक: 05.06.2024 1688/2024

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

कैपिटल ज़ोन

उवाच

फायर स्टेशन वैशाली में रणवीर सिंह ने मकान नंबर-1009 सैक्टर-1 वसुन्धरा घर में आग की सूचना दी। सूचना मिलते ही फायर स्टेशन वैशाली से अग्निशमन द्वितीय अधिकारी सहित 2 फायर टैंडर मय यूनिट घटनास्थल के लिए रवाना हुए। घटनास्थल पर जाकर देखा तो भवन 2 मिंजिला बना था ओर आग प्रथम तल पर एसी के फटने से लगी थी आग भवन के द्वितीय तल पर भी पहुँच गई थी।

राहुल पाल, मुख्य अग्निशमन अधिकारी

गौकशी का आरोपी पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार

गाजियाबाद, 6 जून (देशबन्धु)। थाना लोनी पुलिस ने गुरुवार की तड़के गौकशी के वांछित आरोपी को मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार किया है। बदमाश पुलिस की गोली लगने से घायल हो गया। उसके कब्जे से एक तमंचा, गौकशी करने के औजार छुरी व गढासा व 1 रस्सा व बैटरी रिक्शा बरामद हुए है। एसीपी सूर्यबली मौर्य ने बताया कि थाना लोनी पुलिस ने सबलू गढी रोड पर समाधि के पास एक बैटरी रिक्शा पर सवार एक व्यक्ति को जांच के दौरान रोका टोका। तो ये व्यक्ति बैटरी रिक्शा को लेकर सिलवर सिटी की तरफ जाने वाले रास्ते पर मोड़कर भागने लगा और पुलिस पार्टी ने इसका पीछा किया तो बैटरी रिक्शा को रास्ते पर ही छोडकर इसने पुलिस पार्टी पर फायरिंग कर दी। पुलिस टीम ने भी आत्म रक्षार्थ फायर किया जिसमें बदमाश घायल हो गया। घायल बदमाश ने पूछताछ में अपना नाम फय्याज निवासी अमन गार्डन अशोक विहार थाना लोनी गबताया तथा पूछताछ पर बताया कि चार जून की सुबह जो गौकशी सबलुगढी निठौरा में की गई थी। वह मेरे द्वारा व मेरे अन्य साथियों शकील, आस मोहम्मद उर्फ छोटा निवासी वेस्ट सिटी निठौरा रोड थाना लोनी व एक अन्य साथी द्वारा ही की गई थी।

सार संक्षेप

लगातार तीसरी बार सांसद बनने पर एनईए ने डॉ. महेश शर्मा का किया स्वागत

नोएडा। नोएडा एंटरप्रिनियोर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष विपिन मल्हन के नेतृत्व में एक प्रतिनिधि मंडल ने पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं लगातार तीसरी बार लोकसभा का चुनाव जीतने वाले सांसद डॉ. महेश शर्मा जी को बधाई दी और उनका स्वागत किया। इस अवसर पर विपिन मल्हन ने कहा कि हमारे डॉ. साहब की लोकप्रियता के कारण संपूर्ण उत्तर प्रदेश में सर्वाधिक मतों से विजयी हुए हैं। इससे पता चलता है कि गौतमबुद्ध नगर में उनकी कितनी लोकप्रियता है और ये तभी है जब डॉ. साहब सभी के सुख दुख में शामिल होते हैं। साथ ही क्षेत्र के विकास में भी अपना अहम किरदार निभाते हैं। इस अवसर पर पूर्व अध्यक्ष योगेश आनंद, राकेश कत्याल, पूर्व महामंत्री प्रदीप मेहता, महामंत्री वी के सेठ उपस्थित रहे।

वट सावित्री व्रत पर मंदिरों में रही भीड़

नोएडा। अमावस्या, वट सावित्री व्रत और शनि जयंती तीन व्रत एक साथ होने के चलते गुरुवार को मंदिरों में भक्तों की भारी भीड़ नजर आई। सनातन मंदिर में सुबह से ही श्रद्धालुओं की लाइन लगी रही। सुहागिन महिलाओं ने वट सावित्री का व्रत रखकर पति की लंबी उम्र की कामना की। इसी के साथ सोमवती अमावस्या के उपलक्ष्य में श्रद्धालुओं ने जलाभिषेक किया। इस अवसर पर शहर में जगह-जगह भंडारे का आयोजन किया गया।

तमंचे के साथ एक आरोपी गिरफ्तार, दे सकता था किसी घटना को अंजाम

दनकौर। दनकौर कोतवाली पुलिस में बिलासपुर कस्बे के पास से तमंचे और कारतूस के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। जिसको गुरुवार को कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया है। पुलिस ने बताया कि बिलासपुर कस्बे के पास टीम बुधवार रात गस्त कर रही थी। उसी दौरान पुलिस को देखकर एक आरोपी भागने लगा। शक होने पर पुलिस ने पीछा करते उसको धरदबोचा। जिसकी पहचान क्षेत्र के जौनीपुरा गांव निवासी लोकेश के रूप में हुई है। तलाशी के दौरान आरोपी के कब्जे से एक तमंचे और कारतूस बरामद हुई है। पूछताछ के दौरान आरोपी ने बताया कि वह किसी घटना को अंजाम देने की फिराक में घूम रहा था। कोतवाली प्रभारी संजय सिंह का कहना है कि आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया।

पार्क तालाब समेत 6 नई परियोजनाओं को मिलेगी रफ्तार

■ जुलाई में शुरू हो सकता है काम ■ अलगे सप्ताह हो सकती है बजट बैठक

नोएडा, 6 जून (देशबन्धु)। आचार संहिता हटते ही नोएडा में विकास कार्यों में तेजी आ गई है। चुनाव के दौरान इन परियोजनाओं का कागजी काम पूरा किया गया। अब इनको जमीन पर उतारने के लिए टेंडर जारी किए जाएंगे। इसकी तैयारी हो चुकी है। हाल ही में प्राधिकरण सीईओ ने विकास परियोजनाओं को लेकर समीक्षा की थी। जिसमें करीब आधा दर्जन परियोजनाओं को जमीन पर उतारने का निर्देश दिए गए थे।

प्राधिकरण ने बताया कि जून के अंत तक उद्यान विभाग की ग्लास हाउस, क्लॉक टावर, जापानी परगोडा, मंडपम इत्यादि के निर्माण के लिए टेंडर जारी किया जाएगा। इन परियोजनाओं का डिजाइन तैयार कर प्रस्तुतीकरण किया जा चुका है। इसके अलावा सोरखा में पुष्करणी तालाब का निर्माण करीब 13 करोड़ में किया जाएगा। इस बजट पर सीईओ की मुहर लगना बाकी है। जल्द ही फाइल प्रस्तुत की जाएगी। नोएडा के उद्योग मार्ग को मॉडल रोड के रूप में विकसित किया जा रहा है। इसकी एनआईटी को स्वीकृत कर लिया गया है। जल्द ही कंपनी का चयन किया जाएगा। वहीं दो महत्वपूर्ण अंडरपास जिसमें एक्सप्रेस-वे पर चैनेज 16.900 पर और 6.100 चैनेज पर दो अंडरपास का निर्माण होना है। इनका डिजाइन तैयार है। जल्द की कंपनी निर्माण कंपनी का चयन किया जाएगा। इसके लिए जून मध्य तक टेंडर जारी किए जाएंगे। वहीं नाले के ऊपर कियोस्क बनाने की टेंडर जारी होने जा रहे है। इनका डिजाइन तैयार है। गोदावरी मार्केट, सेक्टर-110 एवं वीडीएस मार्केट का नवीनीकरण करीब सात करोड़ में किया जाएगा। इसके लिए टेंडर जारी किए जा रहे है।

अगले सप्ताह हो सकती है वित्तीय बैठक

ये वित्तीय बजट 2024-25 का होगा। बोर्ड बैठक आगामी सप्ताह हो सकती है। इस बजट में सिविल, इलेक्ट्रिकल एंड मेंटेनेंस, हार्टिकल्चर, जमीन अधिग्रहण, न्यू नोएडा, जन स्वास्थ्य विभाग को शामिल किया गया है। बता दे नोएडा के विकास के लिए हर साल वित्तीय बजट पास किया जाता है। विगत वर्ष 2023-24 में 6920 करोड़ का बजट पास किया गया था। वहीं 2022-23 में 4880.62 करोड़ का बजट था। प्राधिकरण अधिकारी ने बताया कि इस बार सिविल यानी विकास कार्य पर करीब 1000 करोड़, उद्यान पर 100 करोड़, इलेक्ट्रिकल एंड मैनटेनेंस पर 300 करोड़ जल पर 150 करोड़ रुपए का बजट तय किया जा रहा है। इसके अलावा लैंड बैंक के लिए 1500 करोड़ और डीएनजीआईआर के लिए बजट का प्रावधान किया गया है।

लेबर चौक पर श्रमिकों के खुला कम्युनिटी किचन

■ पहले दिन यहां दिया गया निःशुल्क भोजन, अब सस्ती दरों पर संचालित होगा किचन

नोएडा। नोएडा प्राधिकरण एवं इस्कॉन मंदिर के सौजन्य से सेक्टर-49 लेबर चौक पर कम्युनिटी किचन का शुभारंभ किया गया। इस मुहिम के अन्तर्गत वर्तमान में कंस्ट्रक्शन वर्कर एवं दैनिक वेतन भोगी श्रमिकों के लिए निःशुल्क एवं उत्तम भोजन की व्यवस्था की गई। कार्यक्रम में वर्करों को पूरी, सब्जी और हलवा परोसा गया, लगभग 488 वर्करों ने भोजन किया। इस मौके पर मुख्य कार्यपालक अधिकारी ने वर्करों से कम्युनिटी किचन से सम्बन्धित फीडबैक भी लिया।

इसी किचन में अब सस्ती दरों पर वर्करों को भोजन मिलेगा। कम्युनिटी किचन में विभिन्न प्रकार के व्यंजन बनाए एवं परोसे जाएंगें। कम्युनिटी किचन में लोग अपने परिवार के साथ जन्मदिन, पुण्यतिथि एवं शादी की वर्षगांठ पर आ सकेंगे एवं अपनी इच्छा अनुसार इस रसोई में अपना योगदान कर सकेंगें। किचन प्रबंधन द्वारा प्रत्येक कार्यक्रम का एक डाटाबेस बनाया जाएगा। जो लोग अन्न दान के इच्छुक होंगे, वे अपना योगदान दे सकते हैं। नियत तिथि में स्वयं अथवा उनके परिवारजन आकर यहां भोजन वितरण में सहयोग कर सकते है।

नोएडा में बिल्डरों ने भूखंड सबलीज कर कमाया मुनाफा

■ 2 लाख होम बायर्स को नहीं मिला घर
■ बुकिंग का पैसा किया डायवर्ट, बिल्डरों पर 40 हजार करोड़ बकाया

नोएडा, 6 जून (देशबन्धु)। नोएडा में 2009-2010 बिल्डरों को जमीन आवंटित की गई। ये आवंटन जमीन की कुल लागत का 10 प्रतिशत देकर की गई। बिल्डरों ने पजेशन लिया और जमीन को सबलेट किया। जमीन को कई छोटे भूखंडो में तोड़ा और छोटे डेवलपर को बेच दी। उनसे जमीन का पूरा पैसा बाजार भाव से लिया और 10 प्रतिशत लागत के अलावा करोड़ों कमाए। इधर बुकिंग के नाम बायर्स से पैसा लिया और उसे डकार गए या दूसरी परियोजना में लगा दिया। इसका खामियाजा नोएडा ग्रेटर नोएडा के 2 लाख होम बायर्स को भुगतना पड़ रहा है। नोएडा में एम्स मैक्स गार्डेनिया बिल्डर पर कसा शिकंजा इसका उदाहरण है। बिल्डर पर करीब 2409.77 करोड़ बकाया है। जिससे 3 हजार बायर्स की रजिस्ट्री नहीं हो रही है। प्राधिकरण बिल्डर के अब 122 फ्लैट और कामर्शियल योजना के निर्माणाधीन अनसोल्ड संपत्ति की नीलामी करने जा रहा है। ये अनसोल्ड कामर्शियल संपत्ति इको सिटी सेक्टर-75 और सेक्टर-46 की है। जिसमें आवंटित 6 लाख वर्गमीटर जमीन में से बिल्डर 2 लाख 20 हजार 639 वर्गमीटर जमीन 11 कंपनियों को बेच दी। इससे बिल्डर ने मुनाफा कमाया। ये पहला मामला नहीं है जब बिल्डर ने भूखंड आवंटन के बाद सबलीज करके भूखंड को बेचा। स्पोर्टस सिटी योजना में थ्री सी ग्रीन डेवलपर्स को सेक्टर-78, 79 और 101, सेक्टर-150 के भूखंड संख्या-1 के लिए लॉजिक्स इंफ्रा प्राइवेट लिमिटेड डेवलपर्स, भूखंड संख्या-2 के लिए थ्री सी ग्रीन डेवलपर्स लिमिटेड और सेक्टर-152 में एटीएस होम्स प्राइवेट लिमिटेड को जमीन आवंटित की गई थी। बिल्डर ने इन 4 भूखंड को 74 भूखंडों में तोड़कर उनकी सबलीज कर दी। इससे मुनाफा कमाया। लेकिन प्रोजेक्ट आज तक फंसा हुआ है। इसकी जांच प्रचलित है। प्राधिकरण अधिकारियों ने बताया कि बायर्स की रजिस्ट्री कराना हमारी प्राथमिकता है। इसके लिए अमिताभ कांत की सिफारिश के तहत जो बिल्डर नहीं आ रहे है। उनकी अनसोल्ड प्रापर्टी को अटैच कर नीलाम किया जा रहा है। जिसमें पहला एक्शन गार्डेनिया पर लिया गया। और बिल्डरों के प्रोजेक्ट के बाहर सार्वजनिक नोटिस लगाए गए है।

बकाया से रजिस्ट्री का मतलब समझे

बिल्डरों पर दोनों प्राधिकरण का कुल मिलाकर 40657.7 करोड़ रुपए से अधिक का बकाया है। इसमें से 26,579 करोड़ रुपए नोएडा प्राधिकरण और 14309 करोड़ रुपए ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण पर बकाया है। दरअसल नोएडा ओर ग्रेटर नोएडा में त्री पक्षीय रजिस्ट्री होती है। ऐसे में जब तक बिल्डर बकाया जमा नहीं करेगा तब तक रजिस्ट्री नहीं होगी। इसी समस्या के समाधान के लिए शासन ने अमिताभ कांत की सिफारिश लागू की। इसके तहत बिल्डर कुल बकाया का 25 प्रतिशत जमा कर सकता है। इसके बाद रजिस्ट्री ओपन होंगी। साथ ही बिल्डर को कोरोना काल के जीरो पीरियड का लाभ मिलेगा। और बाकी पैसा आसान किस्तो पर जमा कर सकता है। लेकिन ये सिफारिश कोर्ट केस में लागू नहीं होगी। जबकि नोएडा ग्रेटर नोएडा में अधिकांश प्रोजेक्ट सिर्फ कोर्ट केस में फंसे है। जिनके लिए प्राधिकरण पैरवी कर रहा है। नोएडा में ऐसे करीब 17 प्रोजेक्ट और 25 हजार फ्लैट है। 26 हजार करोड़ में इन बिल्डरों का बकाया निकाल दिया जाए तो महज 7800 करोड़ ही रह जाता है। इसमें कोविड काल का जीरों पीरियड 21 प्रतिशत कम किया जाए तो बिल्डरों को 5500 करोड़ के आसपास जमा करना है। ये पैसा जमा नहीं हो रहा।

अब तक 2 लाख यूनिट को नहीं मिला ऑक्यूपेशन सर्टिफिकेट (ओसी)

नोएडा ग्रेटरनोएडा प्राधिकरण ने बिल्डर परियोजनाओं के अनुसार कुल 43,1064 यूनिट सेक्शन है। इसमें 212752 यूनिट के लिए प्राधिकरण ने ओसी जारी की। यानी अब तक 218312 यूनिट को ओसी ही जारी नहीं की गई। जिनका निर्माण कब तक होगा इसकी जानकारी प्राधिकरण के पास नहीं है। मसलन ये सभी परियोजनाएं काफी लेट है। या बिल्डरों ने इनकी बुकिंग का पैसा दूसरी परियोजना में ट्रांसफर कर दिया।

51 हजार कर रजिस्ट्री बची सिफारिश के बाद हुई 4200 रजिस्ट्री

अमिताभ कांत की सिफारिश के बाद नोएडा और ग्रेटर नोएडा में अब तक 4200 होम बायर्स को उनका मालिकाना हक मिला है। जिसमें नोएडा में करीब 700 और ग्रेटरनोएडा में 3500 रजिस्ट्री हुई। इसके लिए प्राधिकरण को काफी जद्दोजहद करनी पड़ रही है। नोएडा में 57 बिल्डर प्रोजेक्ट में से 45 ने सहमति दी। 12 न तो बैठक में आए और न सहमति दी। यही स्थिति ग्रेटरनोएडा में है।

फ्लैट में एसी फटने से लगी आग, अफरा तफरी

गाजियाबाद, 6 जून (देशबन्धु)। वसुंधरा सेक्टर एक में एक बहुमंजिला इमारत के फ्लैट में एसी फट गया। जिससे पूरे इलाके में अफरातफरी मच गई। फायर ब्रिगेड की दो गाड़ियों ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया है।

मुख्य अग्निशमन अधिकारी राहुल पाल ने बताया कि फायर स्टेशन वैशाली में रणवीर सिंह ने मकान नंबर-1009 सैक्टर-1 वसुन्धरा घर में आग की सूचना दी। सूचना मिलते ही फायर स्टेशन वैशाली से अग्निशमन द्वितीय अधिकारी सहित 2 फायर टैंडर मय यूनिट घटनास्थल के लिए रवाना हुए। घटनास्थल पर जाकर देखा तो भवन 2 मिंजिला बना था ओर आग प्रथम तल पर एसी के फटने से लगी थी आग भवन के द्वितीय तल पर भी पहुँच गई थी, जिसको फायर यूनिट ने शीघ्रता से होज लाइन फैलाकर फायर फाइटिंग कर आग को पूर्ण रूप से बुझाया। फायर यूनिट ने त्वरित कार्रवाई करके आसपास के घरों को सुरक्षित बचा लिया, आग से कुछ सामान जल गया व आग से निकली ताप के कारण घर में रखा कुछ सामान पिघल कर खराब हो गया। इस आग में इस आग में कोई जनहानि नहीं हुई।

एल्डिगो सोसाइटी की 17वें फ्लोर पर लगी आग

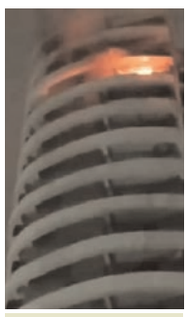

■ ऐसी में शॉट सर्किट बनी वजह
■ दमकल की एक गाड़ी ने 20 मिनट में पाया काबू

नोएडा, 6 जून (देशबन्धु)। नोएडा के सेक्टर-117 स्थित एल्डिगो सोसाइटी के 17वें फ्लोर की बालकनी में आग लग गई। आग ऐसी में शॉट सर्किट की वजह से लगी। जिस समय आग लगी घर सभी लोग मौजूद थे। दमकल विभाग को इसकी जानकारी दी गई। मौके पर पहुंची दमकल की एक गाड़ी ने आग पर काबू पा लिया। चूकी आग 17वें फ्लोर पर लगी थी। इसलिए वहां पर लगे फायर टिंडर ये आग बुझाई गई। इसके बाद ठंडा करने के लिए नीचे से पाइप को ऊपर तक बिछाया गया।

सीएफओ प्रदीप चौबे ने बताया कि बुधवार देररात आग लगी थी। गार्ड और अन्य लोगों ने इसकी सूचना दी। मौके पर एक गाड़ी भेजी गई। करीब 20 मिनट में आग पर काबू पा लिया गया। ऐसी में शॉट सर्किट के बाद आग लगी। बालकनी के बाद आग कमरे की तरफ बढ़ी जिससे बुझा दिया गया। इससे कोई जनहानि नहीं हुई है। हालांकि बालकनी और कमरे में रखा थोड़ा सामान जलकर राख हुआ है। किसी प्रकार की कोई जनहानि नहीं है।

सफाई कर्मचारियों को स्थायी आजीविका प्रदान करने के लिए कार्यशाला आयोजित

नोएडा, 6 जून (देशबन्धु)। प्राधिकरण ने सेक्टर-39 स्थित सामुदायिक केंद्र में सफाई कर्मचारियों को स्थायी आजीविका प्रदान करने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण कार्यशाला का आयोजन किया। इस कार्यशाला का आयोजन भारत सरकार की नमस्ते (नेशनल एक्शन फॉर मैकेनाइजड सेनीटेशन इको सिस्टम) योजना और स्वच्छता सर्वेक्षण 2024-25 के अंतर्गत किया गया। इस कार्यशाला की अध्यक्षता महाप्रबंधक (जल) ने की और इसमें जल-सीवर विभाग के सभी जलखंडों के वरिष्ठ प्रबंधक, प्रबंधक, सहायक प्रबंधक और अवर अभियंता उपस्थित थे।

नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों ने बताया कि कार्यशाला में नेशनल सफाई कर्मचारी फाइनेंस एंड डेवलपमेंट कॉरपोरेशन के सहायक प्रबंधक (परियोजना) कृष्ण कुमार भगत ने सफाई उपकरणों की खरीद और संचालन के लिए वित्तीय सहायता से संबंधित सभी बिंदुओं पर चर्चा की। इस कार्यशाला से सफाई कर्मचारियों को उनके अधिकारों और सरकारी योजनाओं के बारे में जागरूक होने में मदद मिलेगी। साथ ही, वे सस्ते ब्याज दरों पर उपकरण खरीद कर अपना स्वयं का व्यवसाय भी शुरू कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि एनएसकेएफडीसी भारत सरकार के सामाजिक न्याय मंत्रालय के अधीन एक शीर्ष निगम है, जो रियायती ब्याज दरों पर वित्तीय सहायता प्रदान करता है। इस योजना का लाभ उठाने के लिए, महाप्रबंधक (जल) ने सफाई कर्मचारियों द्वारा उठाई गई जिज्ञासाओं का समुचित निराकरण किया। कार्यशाला में मुख्य रूप से सफाई बकेटिंग मशीन, जेटिंग मशीन, सक्शन मशीन, जेटिंग कम सक्शन मशीन, डीप सक्शन मशीन आदि सीवर सफाई उपकरणों को रियायती ब्याज पर खरीदने पर विचार-विमर्श किया गया।

यह कार्यशाला स्वच्छता सर्वेक्षण 2024-25 और भारत सरकार की नमस्ते योजना के तहत आयोजित की गई थी। नमस्ते योजना का उद्देश्य देश भर में सफाई कर्मचारियों को सम्मानजनक रोजगार और आजीविका प्रदान करना है।

खोड़ावासियों ने मटका फोड़ कर किया प्रदर्शन

■ सी पी पाठक

खोड़ा, 6 जून (देशबन्धु)। खोड़ा रेजिडेंट एसोसिएशन के तत्वावधान में नगर पालिका परिषद कार्यालय के समक्ष गुरुवार को लोगो ने खोड़ा में पाइपलाइन द्वारा गंगाजल सप्लाई की मांग को लेकर जबरदस्त प्रदर्शन किया। विरोध में नारेबाजी की। 15 जून से पहले पेयजल का कार्य शुरू न कराने पर लखनऊ मुख्यमंत्री आवास तक साइकिल यात्रा निकालने की चेतावनी दी है। पेयजल का समाधान न होने पर संसद भवन तक प्रदर्शन किया जाएगा। सुबह 10 बजे सैकड़ों की संख्या में लोगो ने नगर पालिका परिषद कार्यालय के बाहर एकत्रित होकर नपा के अधिकारियों चेयरमैन विधायक सांसद के खिलाफ आक्रोश जताते हुए जमकर नारेबाजी की। नगर पालिका परिषद और जनप्रतिनिधियों पर 12 लाख आबादी वाली भोली भाली जनता को पेयजल के लिए बरगलाने का आरोप लगाया। मटका फोड़कर रोष प्रकट किया इसे जनाक्रोश कहे या आमजन की मजबूरी बेबसी। यह तो स्वाभाविक ही था। जब आमजन किसी समस्या से पीड़ित होता है आक्रोश चरम पर होने के उपरांत एक दिन घर से बाहर निकलकर सड़क अथवा किसी प्रशासनिक कार्यालय का घेराव एवं धरना प्रदर्शन के लिए मजबूर हो जाता है। जनता दो दशक से पेयजल की समस्याओं से जूझ रही है। बूंद बूंद पानी के लिए लोग तरस रहे है। बोरो द्वारा अत्यधिक जल दोहन से धरती माता की कोख खाली होती जा रही है। पचास पचास फिट की दूरी पर बड़े बोर होने की वजह से जमीन भी खोखली होती जा रही है। इसकी

अब लखनऊ तक साइकिल रैली की चेतावनी

चिंता तो सभी को सता रही है। मगर किसी अनहोनी से बचाव के कारगर कदम उठाने में प्रशासन और जनप्रतिनिधियों द्वारा किए गए उपाय फेल साबित हो रहे है। अभी तक दर्जनों बार भूख हड़ताल धरना प्रदर्शन हो चुके है। समाजसेवी ब्रह्मेश्वर नाथ मिश्र 58 दिनों तक नपा कार्यालय के बाहर धरना दे चुके है। लेकिन नाकामयाबी ही हाथ लगी है। खोड़ा कालोनी की आबादी बारह लाख के ऊपर है। नगर पालिका परिषद को अस्तित्व में आए छह वर्ष बीत जाने के बावजूद भी कालोनी शुद्ध पेयजल सीवर स्कूल अस्पताल इंटर कॉलेज पार्क शमशान घाट आदि बुनियादी सुविधाओं के लिए तरस रही है। सरकारी जमीनों को माफियाओं के शिकंजे से बचाने में नगर पालिका परिषद के अधिकारी फेल साबित हो रहे है। जनप्रतिनिधियों के अप्रत्यक्ष हस्तक्षेप की वजह से जिम्मेदार सरकारी जमीनों को बचाने के लिए कारवाई से दूरी बना लेते है। यही तो वजह है कि कालोनी में सरकारी जमीनों पर माफियाओं द्वारा जमीन कब्जाने निजी आर ओ प्लांटो द्वारा जल दोहन लोगो द्वारा प्रतिबंध के बावजूद बेसमेंट और पांचवी मंजिल पर अवैध निर्माण अवैध कबाड़ गोदाम पशुपालकों द्वारा डेयरिया और अवैध फैक्ट्रियां धड्डले से संचालित हो रही है। लेकिन इसे रोकने के लिए प्रशासनिक स्तर पर सारे प्रयास कागजी ही साबित हो रहे है। के आर ए अध्यक्ष दीपक जोशी ने प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि खोड़ा की जनता पेयजल के लिए त्राहि त्राहि कर रही है। लोग निजी आर ओ प्लांटो से आधे अधूरे मानकों के पानी खरीदकर प्यास बुझा रहे है। चुनाव के दौरान प्रतिनिधियों द्वारा लोगो को विकास के नाम पर भ्रमित करके वोट लिए जाते है।के आर ए संगठन पिछले दस वर्षों से पेयजल मुहैया कराने की मांग कर रहा है लेकिन आश्वासन के अलावा कुछ नहीं मिला। अब जनता के सब्र का बांध टूट रहा है। इस अवसर पर हंसादत्त बेलवाल बिशन सिंह नेगी बृजमोहन गोसाई अमरचंद ठेकेदार नरेश यादव हेमंत जोशी गोपाल पाण्डेय ललित मिश्र दीपक पाण्डेय नरेंद्र गोसाई अमित रस्तोगी मनोहर दत्त देवतल्ला पदम सिंह मास्टर उमेश सतपाल राम दयाल राय केशव राम रघुराज सिंह सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे। प्रदर्शन के उपरांत नगर पालिका परिषद के अधिशासी अधिकारी कृष्ण कांत मिश्र को ज्ञापन सौंपा गया। ई ओ ने लोगो को बताया कि पाइपलाइन द्वारा गंगाजल सप्लाई हेतु खोड़ा को मिशन 2.0 के तहत शामिल करके 209.14 करोड़ की स्वीकृति शासन द्वारा दी गई है। प्रमुख सचिव द्वारा वित्तीय स्वीकृति मिलते ही जल निगम द्वारा पाइपलाइन बिछाने का कार्य शुरू हो जाएगा।

जीबीयू में पर्यावरण जागरुकता के तहत कार्यक्रम का आयोजन

ग्रेटर नोएडा, 6 जून (देशबन्धु)। गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ वोकेशनल स्टडीज एंड एप्लाइड साइंसेज के पर्यावरण विज्ञान विभाग ने विश्व पर्यावरण दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान एक पोस्टर प्रदर्शनी का आयोजन किया गया जिसमें अत्यधिक सूचनात्मक और शिक्षाप्रद पोस्टरों को प्रदर्शित किया गया, जहां प्रोफेसर एन.पी. मलकनिया, अधिष्ठाता एकेडेमिक्स, जीबीयू और अधिष्ठाता, और ने पर्यावरण संरक्षण से संबंधित कानूनों और नीतियों के विकास और 'नक्षत्र वाटिका', 'राशि वाटिका', 'नवग्रह वाटिका' जैसे विविध देशी पौधों की प्रजातियों के महत्व को समझाया, साथ ही घर और रसोई बगीचों में आसानी से उगाए जा सकने वाले सांप-प्रतिरोधक और सांप-आकर्षक पौधों का भी उल्लेख किया। उन्होंने संस्थान के पर्यावरण संरक्षण प्रयासों को भी उजागर किया। मुख्य अतिथि, प्रोफेसर रविंद्र कुमार सिन्हा, जीबीयू के कुलपति, ने छात्रों और शिक्षकों के साथ बातचीत की और विभागीय वॉल मैगजीन 'इकोवर्स' के दूसरे संस्करण का अवलोकन किया, जो 'भूमि बहाली, मरुस्थलीकरण और सूखा प्रतिरोधकता' के विषय के साथ मेल खाता है। कार्यक्रम का औपचारिक आरंभ देवी सरस्वती की प्रार्थना, एक औपचारिक दीप प्रज्वलन और गणमान्य व्यक्तियों को पर्यावरण के अनुकूल स्मृतिचिह्नों के साथ सम्मानित करने के साथ हुआ, जिसमें हर कदम पर प्लास्टिक के उपयोग को कम से कम किया गया।

कैपिटल ज़ोन

उवाच

एनसीएलटी में मामला जाने के बाद प्राधिकरण अब जेपी के 200 करोड़ रूपए जमा कर समानुपतिक जमीन देने के मामले में कानून राय लेना पड़ेगा है। इसका प्रस्ताव बोर्ड बैठक बोर्ड में रखा जाएगा। बोर्ड जैसा फैसला लेगा प्राधिकरण उसके आधार पर एसडीजेड पर कोई निर्णय लेगा।

डॉ. अरूणवीर सिंह, यमुना एक्सप्रेस वे मुख्य कार्यपालक अधिकारी

जेपी एसोसिएट्स के दौ सौ करोड़ रूपए देने का मामला कानूनी दांवपेंच में फंसा

- यमुना प्राधिकरण जेपी एसोसिएट्स के प्रस्ताव को ले जाएगा बोर्ड में
- जेपी एसोसिएट का मामला अब जा चुका है एनसीएलटी कोर्ट में

ग्रेटर नोएडा, 6 जून (देशबन्धु)। यमुना एक्सप्रेस वे प्राधिकरण ने जेपी एसोसिएट्स को स्पेशल डवलपमेंट जोन के तहत स्पोर्ट्स सिटी के नाम एक हजार हेक्टेयर जमीन आवंटित किया था। बकाया के चलते ही यमुना प्राधिकरण करीब कई साल पहले जेपी के एसडीजेड का आवंटित निरस्त कर चुका है। आवंटन निरस्त होने पर अब जेपी एसडीजेड यमुना प्राधिकरण का हो चुका है। दो दिन पहले आईसीआईसीआई बैंक की याचिका पर कर्ज में डूबी जयप्रकाश एसोसिएट्स लिमिटेड को एनसीएलटी इलहाबाद बेंच ने दिवालिया घोषित करने की कार्रवाई करने का आदेश दिया है। उसे पहले 24 मई 2024 को जेपी ने यमुना एक्सप्रेस वे को पत्र देकर 200 करोड़ रूपए जमा करने का प्रस्ताव दिया था। जिसके समानुपतिक 26 एकड़ जमीन देने की बात कही थी। जिसे बेच कर जेपी यमुना प्राधिकरण का कुछ पैसा भी जमा करना चाहता है। इसके अलावा बैंकों का बकाया भुगतान करने को तैयार है। यमुना एक्सप्रेस वे प्राधिकरण ने इस पर विचार करने का आश्वासन दिया। यमुना प्राधिकरण के जेपी के प्रस्ताव पर विचार करने से पहले एनसीएलटी ने दिवालिया घोषित करने की कार्रवाई शुरू कर दी है। एनसीएलटी में मामला जाने से पहले प्राधिकरण ने जेपी का एक हजार हेक्टेयर जमीन का आवंटन कर चुका है। यमुना प्राधिकरण का कहना है कि एनसीएलटी में प्रस्ताव दाखिल किया था कि एक हजार हेक्टेयर जमीन का आवंटन वह पहले निरस्त कर चुका है, इसलिए वह जमीन प्राधिकरण की है, इसमें एनसीएलटी कोई हस्तक्षेप नहीं कर सकता है। यमुना एक्सप्रेस वे के मुख्य कार्यपालक अधिकारी डॉ. अरूणवीर सिंह ने बताया कि एनसीएलटी में मामला जाने के बाद प्राधिकरण अब जेपी के 200 करोड़ रूपए जमा कर समानुपतिक जमीन देने के मामले में कानून राय लेना पड़ेगा है। इसका प्रस्ताव बोर्ड बैठक बोर्ड में रखा जाएगा। बोर्ड जैसा फैसला लेगा प्राधिकरण उसके आधार पर एसडीजेड पर कोई निर्णय लेगा।

एयरपोर्ट के पास विकसित होगा हैबिटेट व इंडिया इंटरनेशनल सेंटर

- यमुना एक्सप्रेस वे प्राधिकरण ने सेक्टर-9 में 150-150 एकड़ जमीन चिन्हित किया

ग्रेटर नोएडा, 6 जून (देशबन्धु)। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट जेवर के पास यमुना एक्सप्रेस वे प्राधिकरण इंडिया हैबिटेट सेंटर और इंडिया इंटरनेशनल सेंटर विकसित किया जाएगा। इसके लिए प्राधिकरण ने सेक्टर 150-150 एकड़ जमीन चिन्हित किया है। सेंटर का डिजाइन तैयार करने के लिए प्राधिकरण कंसल्टेंट एजेंसी का चयन करेगा। एजेंसी चयन के लिए प्राधिकरण आरएफपी निकलेगा। जेवर में एयरपोर्ट का निर्माण करीब पूरी होने के कगार पर है। ऐसी सूरत में प्राधिकरण यहां पर सांस्कृतिक समेत सेमिनार व अन्य गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए हैबीटेट और इंडिया इंटरनेशनल सेंटर का निर्माण कार्य का निर्माण करेगा। कंसल्टेंट एजेंसी का चयन करने के बाद उसकी रिपोर्ट के आधार पर प्राधिकरण सेंटर निर्माण को लेकर फैसला लेगा। इसे पीपीपी मॉडल पर विकसित किया जाएगा या अन्य विकल्प पर विचार होगा।

इंडिया हैबिटेट सेंटर भारत के सबसे व्यापक सम्मेलन केंद्रों में से एक है जिसका उद्देश्य विविध आवास और पर्यावरण संबंधी क्षेत्रों में काम करने वाले व्यक्तियों और संस्थानों को एक साथ लाना है।

हवाई मार्ग से जुड़े पांच ब्लॉकों में विभाजित, आईएचसी सामाजिक-सांस्कृतिक कार्यक्रमों और प्रदर्शनियों से लेकर व्यापार और आर्थिक कार्यक्रमों तक 20 समवर्ती सत्र आयोजित कर सकता है, इसमें एक विज़ुअल आर्ट गैलरी, लाइब्रेरी और रिसोर्स सेंटर, लर्निंग सेंटर, एम्फीथिएटर, कॉन्फ्रेंस और बैंक्वेट हॉल और रेस्तरां होता हैं।

इंडिया इंटरनेशनल सेंटर देश के महत्वपूर्ण सांस्कृतिक संस्थानों में से एक है। अंतरराष्ट्रीय सहयोग की भावना में नए विचारों और ज्ञान के आदान-प्रदान के लिए एक स्थान के रूप में परिकल्पित, इसका उद्देश्य, इसके चार्टर में कहा गया है, 'दुनिया के विभिन्न समुदायों के बीच समझ और सौहार्द को बढ़ावा देना' है।

केंद्र व्याख्यान, सेमिनार, पैनल चर्चा, अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय सम्मेलनों से लेकर सांस्कृतिक कार्यक्रमों की एक विस्तृत श्रृंखला तक गतिविधियों और कार्यक्रमों का एक समृद्ध कैलेंडर आयोजित करता है - संगीत, सिनेमा, प्रदर्शन और दृश्य कला जो केंद्र के विभिन्न स्थानों पर होते हैं। केंद्र द्वारा आयोजित कार्यक्रम सभी के लिए खुले हैं और बिना टिकट/निमंत्रण या पास के हैं। कुछ कार्यक्रमों का चयन साइट पर लाइव वेबकास्ट किया जा सकता है।

प्राथमिक विद्यालय का शिलान्यास

रबूपुरा, 6 जून (देशबन्धु)। क्षेत्र के गांव रुस्तमपुर में प्राथमिक विद्यालय का शिलान्यास किया गया। पुराने जर्जर हो चुके भवन के स्थान पर नवनिर्माण किया जाएगा तथा आधुनिक शिक्षा प्रणाली उपलब्ध होगी। जेवर विधायक धीरेन्द्र सिंह व ग्रामीणों की मौजूदगी में समाजसेविका अधिवक्ता अर्चना सिंह ने फीता काटकर कार्य का शुभारंभ किया। लोगों को सम्बोधित करते हुए विधायक धीरेन्द्र सिंह ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में बेहतर शिक्षा मुहैया हो सके इसके लिए सरकार प्रतिबद्ध है। शिक्षा, स्वास्थ्य एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं को जन जन तक पहुंचाने का निरंतर प्रयास किया जा रहा है और भाजपा सरकार में क्षेत्र का बढ़ता विकास नई पहचान बना रहा है। कुछ समय पूर्व तक जो जेवर क्षेत्र उपेक्षा का शिकार था आज उसने एयरपोर्ट, फिल्मसिटी एवं विभिन्न अंतरराष्ट्रीय परियोजनाओं से विदेशों में भी अलग पहचान बनाई है। समाजसेविका अधिवक्ता अर्चना सिंह ने बताया कि गांव स्थित प्राथमिक विद्यालय जर्जर हो चुका था जिसमें जाने से बच्चे भी डरते थे। स्कूल भवन के नवनिर्माण के लिए पिछले काफी समय से प्रयास किया जा रहा था।

अब बच्चों को बेहतर व आधुनिक शिक्षा उपलब्ध हो सकेगी। इस मौके पर जयप्रकाश भाटी, सुभाष भाटी, हरिपाल सिंह, रामवीर सिंह, रघुराज, सत्येन्द्र, सुनील, हरेन्द्र, राकेश, किशन सिंह, मानसिंह, कमल प्रधान आदि मौजूद रहे।

दादरी विधायक ने पेट्रोल पम्प पर सैनिक के स्टोर का किया उद्घाटन

ग्रेटर नोएडा, 6 जून (देशबन्धु)। लम्बी दूरी की सड़कों पर स्थित पेट्रोल पम्प पर लोगों के खाने पीने की सुविधा मिलनी शुरु हो गई। ग्रेटर नोएडा के 130 मीटर सड़क ईटा-दो में स्थित पेट्रोल पम्प पर चौबिस घंटे सुविधा के साथ एक स्टोर ट्रॉली बॉय के हैप्पी स्टोर का दादरी विधायक तेजपाल नागर ने किया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि बड़े हर्ष का विषय है की भारतीय सीमा सुरक्षा बल के एक सैनिक के अनुज विवेक सिंह ने यह स्टोर हिंदुस्तान पेट्रोलियम के सेक्टर ईटा टू, ग्रेटर नोएडा के पेट्रोल पंप पर खोला है।

वीर सैनिकों के परिवार भी विकसित भारत में विकास यात्रा के सहयोगी बन रहे हैं। शहर के अंतिम सिरे पर यह स्टोर खोलकर विवेक ने सही अर्थों में अन्त्योदय में सहयोग किया है। इस कार्यक्रम में डीडीआरडब्ल्यूए के उपाध्यक्ष इलम सिंह नागर, हिंदुस्तान पेट्रोलियम कंपनी लिमिटेड के महाप्रबंधक वरुण कुमार कृष्णा, सुप्रसिद्ध समाजसेवी ठाकुर सुरेंद्र सिंह तोमर, बृजपाल राठी, पंडित राकेश पांडेय, नीरज कौशिक, अध्यक्ष नर्मदा एनक्लेव सोसाइटी, दीपक जोशी, बलबीर प्रधान, ग्राम मकोड़ा तथा समाज के अन्य गणमान्य बंधु भगिनी उपस्थित रहे।

एकेटीयू की सम सेमेस्टर प्रथम चरण की परीक्षाएं कल से शुरू

- पूरे प्रदेश में सम सेमेस्टर परीक्षा में शामिल होंगे 1 लाख 30 हजार परीक्षार्थी

ग्रेटर नोएडा, 6 जून (देशबन्धु)। डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय के सत्र 2023-24 के सम सेमेस्टर के रेगुलर और कैरीओवर के प्रथम चरण की परीक्षाएं 8 जून से 15 जुलाई के बीच प्रदेश भर में आयोजित की जा रही है। एकेटीयू से सम्बद्ध ग्रेटर नोएडा के कॉलेजों परीक्षाएं होगी, जिसको लेकर कॉलेज प्रशासन की तरफ से तैयारी कर ली गई है।

ग्रेटर नोएडा में जीएल बजाज, एनआईईटी, जीएल बजाज, जीएनआईओटी सहित कई कालेजों में केन्द्र बनाया गया है। इस बार परीक्षा में 1 लाख 30 हजार से ज्यादा परीक्षार्थी शामिल होंगे। प्रदेश में परीक्षा के लिए 42 जिलों में 126 परीक्षा केंद्र बनाये गये हैं। इसके लिए तैयारियां लगभग पूरी कर ली गई हैं। परीक्षा के लिए प्रवेश पत्र भी जारी कर दिया गया है। एकेटीयू के कुलपति प्रो. जेपी पांडेय के निर्देशन में सम सेमेस्टर परीक्षा दो पालियों में सम्पन्न होंगी। परीक्षा की सुचिता को बनाये रखने के लिए हर केंद्र पर दो-दो आब्जर्वर की तैनाती की गई है। जांच के बाद ही सभी परीक्षार्थियों को गेट से अंदर जाने दिया जाएगा। वहीं, भीषण गर्मी को देखते हुए हर केंद्र पर परीक्षार्थियों के लिए पीने के पानी की व्यवस्था करने का निर्देश दिया गया है। इसके अलावा हर केंद्र पर सीसीटीवी कैमरे से निगरानी की जाएगी।

श्री राधा स्काई गार्डेन के स्विमिंग पूल में गंदगी का लगाया आरोप

- बच्चों के बीमार होने व पानी का फिल्टर नहीं होने वीडियो वायरल
- स्विमिंग पूल संचालक का बयान, आरोप निराधार हैं, बीमारी की वजह स्पष्ट नहीं

ग्रेटर नोएडा, 6 जून (देशबन्धु)। ग्रेनो वेस्ट स्थित श्री राधा स्काई गार्डेन सोसाइटी में निवासियों ने स्विमिंग पूल की साफ-सफाई न रखने का आरोप लगाया है। पूल में नहाने से कई निवासी और बच्चे बीमार होने की बात की गई है। स्विमिंग पूल का पानी साफ करने वाला फिल्टर और फिल्टर का मोटर खराब होने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा।

सोसाइटी निवासी मोहित गुप्ता ने बताया कि उनका 5 साल का बेटा पिछले 2-3 दिन से पेट दर्द और उल्टी की शिकायत से परेशान है। डॉक्टर को दिखाने पर डॉक्टर ने कहा दूषित पानी पेट में जाने से इन्फेक्शन हुआ है। पेट दर्द की शिकायत शुरू होने से पहले बच्चे ने पूल में नहाया था, उसी दौरान कुछ पानी अंदर चला गया था। निवासियों ने सोसाइटी के स्विमिंग पूल का फिल्टर काम नहीं करने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया है। एक दूसरे वीडियो में दिख रहा कि पूल का पानी काफी गंदा है।

रखरखाव करने वाले कर्मी भी कह रहे कि पूल का फिल्टर खराब है। निवासियों ने स्विमिंग पूल में अव्यवस्था की शिकायत मेंटेनेंस एजेंसी, प्राधिकरण और जिला प्रशासन से किया है। दीपाली बंसल, सीनियर एग्जीक्यूटिव, हाई ग्रींस फैसिलिटी ने बताया कि स्वींमिंग पूल पूरी तरह से सक्षम क्लास वन एजेंसी चला रही है। लाइफ गार्ड व अन्य सदस्य स्वींमिंग पूल के संचालन समय के दौरान निर्धारित मानदंडों के अनुसार हमेशा मौजूद रहते हैं। फिल्ट्रेशन पंप एकदम सक्षम तरीके से काम कर रहा है। पिछले पांच दिनों में करीब 1500 लोगों ने स्वींमिंग पूल का इस्तेमाल किया है और इससे बीमार होने की कोई भी आधिकारिक सूचना मेंटिनेंस को रिपोर्ट नहीं हुई है। बच्चे के बीमार होने की वजह कुछ और भी हो सकती है, डॉक्टर ने भी प्रिस्क्रिप्शन में बीमारी की कोई वजह की पुष्टि नहीं की है।

गुरुकुल में पहुंचे प्रसिद्ध कथा वाचक पंडित शिवाकांत का हुआ अभिनन्दन

- देश के साथ विदेशों में सनातन संस्कृति का कर रहे हैं प्रचार-प्रसार
- केवल सनातन धर्म ही दे सकता है विश्व में शांति का संदेश

ग्रेटर नोएडा, 6 जून (देशबन्धु)। यूरोप को सनातनमय कर स्वदेश लौटकर गुरुकुल में अंतरराष्ट्रीय कथावाचक पंडित शिवाकांत महाराज ने सनातन संस्कृति के बारे में विस्तार पूर्वक बताया।

उन्होंने कहा कि केवल भारत ही नहीं अभी तो संपूर्ण विश्व हमारे ऋषि मुनियों की परंपराओं को अपनाने के लिए आतुर है, लेकिन दुर्भाग्य है कि भारतीय जनमानस अन्य पंथ, विचार तथा दूसरे धर्म की ओर आकृष्ट होकर हिंदू सनातन संस्कृति से विमुख हो रहे हैं।

महर्षि पाणिनि वेद-वेदांग विद्यापीठ गुरुकुल में आयोजित स्वागत समारोह में भारतीय ऋषि मुनि परंपराओं के द्वारा जीवन यापन की पद्धति को स्वीकार करने तथा उसे पर के अनुसार जीवन जीने के लिए विभिन्न आख्यान ऑन पुराने के वक्तव्य बदलते हुए कहा कि विश्व में शांति का संदेश केवल सनातन धर्म ही दे सकता है। स्वागत सम्मान के बाद धन्यवाद देते हुए गुरुकुल के संस्थापक आचार्य रविकांत दीक्षित ने महाराज के बातों को और पुष्ट करते हुए कहा कि भारतीय संस्कृति के वाहक हम सभी बने इस और भी हमें ध्यान देने की आवश्यकता है। शहर से आए हुए सभी गणमान्य सहित गुरुकुल परिवार के सभी सदस्यों का धन्यवाद किया। भारतीय संस्कृति के संरक्षण संवर्धन के लिए रोपित गुरुकुल रूपी पौधे को वृक्ष के रूप में पल्लवित पुष्पित करने के लिए सभी का आह्वान किया। गुरुकुल के नए भवन निर्माण हेतु सहयोग की कामना की। इस अवसर पर गुरुकुल के आचार्य, बटुकों के साथ शहर के गणमान्य उपस्थित रहे।

दादरी नोएडा रुट पर दिन में परिवहन बस चलाने की मांग

ग्रेटर नोएडा, 6 जून (देशबन्धु)। आम जनमानस को यातायात सुविधा को लेकर आर्यप्रतिनिधि सभा ने दादरी से नोएडा रूट पर दिन में परिवहन बस सेवा चलाने की आरएम नोएडा से मांग की है। आर्यप्रतिनिधि सभा के उपाध्यक्ष डॉ. आनन्द आर्य बताया कि दादरी से नोएडा रूट पर बस सेवा दिन में गायब है, दादरी हेतु निर्धारित दिन की बस, विभागीय मनमानी के चलते नोएडा से बुलन्दशहर रूट पर चल रही है। सेवा के नाम पर सिर्फ नाइट स्टे वाली एक सेवा संचालित है, जबकि दिन में निर्धारित सेवा के लिए जनहित में अनेक बार अनुरोध किया जा चुका है। दिन में दादरी के लिए निर्धारित सेवा बहाल कराने की दरकार है। उन्होंने कहाकि बस सेवा शुरु होती है तो आम जनमानस को बहुत सुविधा होगी।

फेयरवेल में छात्रों ने अपने साथ में बिताए पल को किया याद

ग्रेटर नोएडा, 6 जून (देशबन्धु)। जीएल बजाज कॉलेज के सीएसई और एसीएसई विभाग में फेयरवेल पार्टी का आयोजन किया गया। बीटेक अंतिम वर्ष के छात्रों ने प्रथम वर्ष के छात्रों के साथ अपने शिक्षण काल के अनुभवों को साझा किया।

इस दौरान छात्रों ने कहा कि हम लोग जीवन के अगले पड़ाव की तरफ बढ़ रहे है यह एक सुखद पल है, लेकिन इस बात का दुख भी है कि हम अपने जीएल बजाज परिवार और अपने अच्छे दोस्त और साथियों से विदा भी हों रहे हैं। यह एक अध्याय का अंत नहीं हैं बल्कि दूसरे की शुरुआत हैं जिसमें हम सभी अपने अच्छी यादों को लेकर जाएंगे।

सीनियर छात्रों ने देर रात तक पढ़ाई करने से लेकर हंसी-मजाक वाली कक्षाओं तक, बिताया गया हर पल को याद किया और कहा कि ये सभी पल वाकई खास होते हैं। आइए बनाए गए बंधनों, सीखे गए सबक और दोस्ती को संजोएं जो जीवन भर साथ चलेगी। कॉलेज निदेशक डॉ. मानस कुमार मिश्रा ने कहा कि जीएल बजाज छात्रों को उनके जीवन के नए मोड़ और रोमांच की शुभकामनाएं देता है, लेकिन हमेशा याद रखें कि जीएल बजाज में आपका हमेशा एक घर रहेगा। अंत में सभी छात्रों ने गीत संगीत, रेम्प वॉक परिधान प्रदर्शन और अंताक्षरी के आयोजन में भरपूर मस्ती की।

इंडिया बायोफ्यूल मीट : जैव ईंधन उद्योग में प्रौद्योगिकी पर हुई चर्चा

- जलवायु परिवर्तन मानवीय गतिविधियों का कारण
- पृथ्वी पर जीवन के लिए खतरा

ग्रेटर नोएडा, 6 जून (देशबन्धु)। बायोफ्यूल एक्सपो का आयोजन इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट में 5-7 जून तक आयोजित किया गया है। प्रदर्शनी भारत में जैव ईंधन उद्योग की वृद्धि और विकास को बढ़ावा देने के मुख्य उद्देश्य से किया गया है, यह आयोजन जैव ईंधन और बायोमास उद्योग के प्रतिभागियों के लिए नेटवर्किंग और व्यवसाय के कई अवसर प्रदान करेगा। इंडिया बायोफ्यूल मीट 2024 अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन इथेनॉल, बायोगैस, बायोमास, ग्रीन हाइड्रोजन, बायोडीजल क्षेत्रों पर केंद्रित है। इंडिया बायोफ्यूल मीट 2024 जैव ईंधन उद्योग में प्रौद्योगिकी और सूचना-ज्ञान के आदान-प्रदान के साथ-साथ दुनिया भर में जैव ईंधन निर्माताओं और संबद्ध उद्योग उद्यमियों के लिए नेटवर्किंग मंच प्रदान करने का अवसर प्रदान कर रहा है। भारतीय

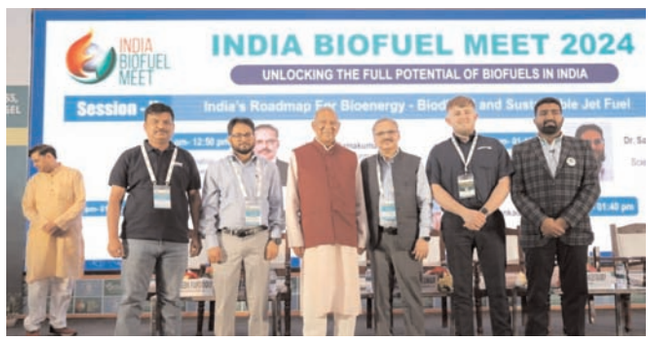

प्रदर्शनी सेवाओं के निदेशक स्वदेश कुमार ने बताया कि स्थिरता के 3पी एक प्रसिद्ध और स्वीकृत व्यवसायिक अवधारणा हैं। पीएस लोग, ग्रह और लाभ को संदर्भित करता है, जिसे अक्सर ट्रिपल बॉटम लाइन के रूप में भी जाना जाता है।

स्थिरता की रक्षा करने में भूमिका होती है और प्रत्येक महाद्वीप के प्रत्येक देश में प्रत्येक व्यक्ति किसी न किसी आकार या रूप में जलवायु परिवर्तन से प्रभावित होता है। जैसा कि हम जानते हैं, जलवायु परिवर्तन मानवीय गतिविधियों के कारण होता है और यह पृथ्वी पर जीवन के लिए खतरा है। बढ़ते ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन के साथ, जलवायु परिवर्तन अनुमान से कहीं अधिक तेज गति से हो रहा है। इसके प्रभाव विनाशकारी हो सकते हैं और इसमें अत्यधिक और बदलते मौसम के पैटर्न और समुद्र के स्तर में वृद्धि शामिल है।

इसलिए महत्वाकांक्षा बढ़ाने, संपूर्ण अर्थव्यवस्थाओं को कवर करने और जलवायु-लचीले विकास की ओर बढ़ने की आवश्यकता है, इसके साथ ही शुद्ध-शून्य उत्सर्जन प्राप्त करने के लिए एक स्पष्ट मार्ग की रूपरेखा तैयार करने की आवश्यकता है। विनाशकारी परिणामों से बचने और आने वाली पीढ़ियों के लिए एक स्थायी भविष्य सुरक्षित करने के लिए तत्काल उपाय आवश्यक हैं।

LOST & FOUND

मेरा 10वीं व 12वीं का मार्कशीट व सनद खो गया है अनुक्रमांक 0560014 वर्ष 2010 व अनुक्रमांक 0581853 वर्ष 2012 यू.पी. बोर्ड। अक्षित त्यागी पुत्र मनोज त्यागी निवासी ग्राम उटरावली जेवर गौतमबुधनगर

पत्र नहीं मित्र
देशबन्धु
पश्चिमी उत्तर प्रदेश ब्यूरो कार्यालय
209 कृष्णा अपरा प्लाजा अल्फा कॉमर्शियल बेल्ट, ग्रेटर नोएडा
समाचार, विज्ञापन एवं प्रसार के लिए संम्पर्क करें
खोया-पाया/ सूचना/ नाम परिवर्तन/ आवश्यकता
फोनः- 0120-4270009

पत्र नहीं मित्र
देशबन्धु
समाचार, विज्ञापन एवं प्रसार के संपर्क करें
क्षेत्रिय कार्यालय रबुपुरा
Mob: 9411492655

Shiv Mahima Enterprises
सभी प्रकार के विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें
नाम परिवर्तन, खोया पाया, सूचना, अवश्यकता
Mob.: 9910280173
Off.-221, 2nd Floor, Meridian View Plaza, Alpha Comm. Belt, Gr. Noida

ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण
भूखण्ड संख्या-01, सैक्टर-नॉलेज पार्क-4, ग्रेटर नोएडा सिटी-201310
जिला-गौतमबुद्धनगर

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि सैक्टर/ग्राम-बिसरख जलालपुर की प्रस्तावित आबादी में आरक्षित भूखण्ड क्षेत्रफल-580 वर्ग मीटर श्री दर्शन पुत्र श्री छिद्दा, निवासी-ग्राम-बिसरख जलालपुर, जिला-गौतमबुद्धनगर, उ०प्र० को आरक्षित किया गया था। आवंटी श्री दर्शन पुत्र श्री छिद्दा की मृत्यु के उपरांत इनके वारिसान सर्वश्री रिंकू भाटी, हिमांशु भाटी पुत्रगण स्व० श्री दर्शन, श्रीमती रेखा पत्नी स्व० श्री दर्शन, कु० नेहा (अविवाहित) पुत्री स्व० श्री दर्शन, निवासी-ग्राम-बिसरख जलालपुर, ग्रेटर नोएडा, जिला-गौतमबुद्धनगर, उ०प्र० में से सर्वश्री रिंकू भाटी, हिमांशु भाटी पुत्रगण स्व० श्री दर्शन, श्रीमती रेखा पत्नी स्व० श्री दर्शन, निवासी-ग्राम-बिसरख जलालपुर, ग्रेटर नोएडा, जिला-गौतमबुद्धनगर, उ०प्र० के पक्ष में नामांतरण करने हेतु नामांतरण प्रपत्र एवं शपथ-पत्र प्रस्तुत किये गये है। अतः इस नामांतरण के संबंध में किसी को कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन की तिथि से 35 दिन के अन्दर अपनी लिखित आपत्ति कार्यालय में दर्ज कराने का कष्ट करें, अन्यथा नियमानुसार प्राधिकरण अभिलेखो में इनके वारिस सर्वश्री रिंकू भाटी, हिमांशु भाटी पुत्रगण स्व० श्री दर्शन, श्रीमती रेखा पत्नी स्व० श्री दर्शन, निवासी-ग्राम-बिसरख जलालपुर, ग्रेटर नोएडा, जिला-गौतमबुद्धनगर, उ०प्र० के पक्ष में आवंटी के रूप में दर्ज कर दिया जायेगा।

प्रबन्धक (कृषक आबादी)
ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण

यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण
प्रथम तल, कॉमर्शियल कॉम्पलेक्स, पी-2, सैक्टर-ओमेगा-1, ग्रेटर नोएडा, जनपद गौतमबुद्ध नगर-201308 (उ०प्र०)
सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम रौनीजा में उप जिलाधिकारी जेवर द्वारा जारी परिवार सदस्यता प्रमाण पत्र संख्या 299/एस0टी0/एस0डी0एम0/2024 दिनांक 19.03.2024 से प्राप्त वारिसान प्रमाण पत्र के अनुसार निम्न प्रकार मृतक श्री सुनपाल उर्फ सोहनपाल सिंह पुत्र बासीराम उर्फ बासी नि0 ग्राम रौनीजा परगना जेवर, तहसील जेवर, जनपद गौतमबुद्धनगर के स्थान पर उनके वारिसान/सदस्यों के नाम दर्ज किये जाने प्रस्तावित है।

क्रम संख्या	ग्राम का नाम	खसरा संख्या	मृतक काश्तकार का नाम	मृतक के परिवारिक सदस्यों के नाम	मृतक से संबंध	आयु लगभग	विवाहित/अविवाहित
1.	रौनीजा	4 95 113	श्री सुनपाल उर्फ सोनपाल उर्फ सोहनपाल सिंह पुत्र बासीराम उर्फ बासी नि0 ग्राम रौनीजा परगना जेवर, तहसील जेवर जनपद गौतमबुद्धनगर	जयदेई देवी	पत्नी	78 वर्ष	विधवा
				जगदीश प्रसाद	पुत्र	53 वर्ष	विवाहित
				हरिओम	पुत्र	48 वर्ष	विवाहित
				राजेन्द्र सिंह	पुत्र	43 वर्ष	विवाहित
				राजपाल सिंह	पुत्र	40 वर्ष	विवाहित
				तारा देवी	पुत्री	66 वर्ष	विवाहित
				उर्मिला देवी	पुत्री	45 वर्ष	विवाहित

उपरोक्त वारिसानों के संबंध में यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अन्दर अपनी आपत्ति प्राधिकरण कार्यालय में दर्ज कराने का कष्ट करें, अन्यथा नियमानुसार प्राधिकरण अभिलेखों में मृतक के स्थान पर इनके वारिसानों का नाम 07 प्रतिशत आबादी भूखण्ड व अन्य अनुमन्य लाभ संबंधी अभिलेखों में दर्ज करा दिया जायेगा।

तहसीलदार
यमुना एक्सप्रेसवे प्राधिकरण

संपादकीय

नई दिल्ली, शुक्रवार 7 जून 2024

संस्थापक-सम्पादक : स्व. माया राम सुरजन

शेयर बाजार में हुए खिलवाड़ का सच

मंगलवार, 4 जून को जब 18वीं लोकसभा के लिए चुनावों के नतीजे आए, तो इंडिया गठबंधन के शानदार प्रदर्शन से यह राहत मिली कि लोकतंत्र और संविधान बच गया, लेकिन वहीं शेयर बाजार के निवेशकों के लिए यह दिन राहत की जगह आफत की खबर लेकर आया। एक्जिट पोल आने के बाद शेयर बाजार में जो उछाल देखने मिला था, वह नतीजों के आने की शुरुआत के साथ ही बुलबुले की तरह फूट गया। मंगलवार को निवेशकों के एक कारोबारी सत्र में ही 30 लाख करोड़ रुपये डूब गए। जाहिर है ये निवेशकों की जेब से निकल कर किन्हीं बड़े खिलाड़ियों की जेब में ही गए होंगे। क्योंकि लाखों करोड़ रूपए हवा में गायब नहीं हुए, एक के खाते से निकल कर दूसरे के खाते में गए। अब सवाल यही है कि वो कौन से खिलाड़ी हैं, जिन्हें शेयर बाजार में इस उछाल और गिरावट का फायदा मिला। और किस तरह इन लोगों को बाजार में होने वाली इस हलचल की पहले से ही खबर थी।

चुनावों के पहले चरण के बाद से ही शेयर बाजार मे गिरावट का सिलसिला देखा जा रहा था और तब से ही कयास लगने लगे थे कि मोदी सरकार का तीसरा कार्यकाल नहीं होगा। इंडिया गठबंधन के पक्ष में जनादेश जा सकता है। क्योंकि सत्ता परिवर्तन की आहट शेयर बाजार को पहले लग जाती है। खबरें थीं कि मई माह में विदेशी निवेशकों ने बड़ी मात्रा में अपने निवेश वापस ले लिए थे, इसका नुकसान भारतीय शेयर बाजार को हुआ। लेकिन फिर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अपने बयानों में शेयर बाजार को लेकर भविष्यवाणियां की। नरेन्द्र मोदी ने साफ तौर पर कहा था कि 4 जून को शेयर बाजार में उछाल आएगा, वहीं अमित शाह ने भी कहा था कि निवेशकों को स्टॉक खरीद लेने चाहिए क्योंकि उन्हें उम्मीद है कि 4 जून को बाजार चढ़ेगा।

याद नहीं पड़ता कि इस देश के किसी प्रधानमंत्री या गृहमंत्री ने इससे पहले इस तरह चुनावों के बीच में और खासकर परिणाम आने वाले दिन से पहले शेयर बाजार के निवेशकों को कोई सलाह दी हो। पूर्ववर्ती मोदी सरकार के अनेक अनैतिक कामों में अब इसे भी जोड़ लेना चाहिए। प्रधानमंत्री और गृहमंत्री का काम सरकार चलाना, देश की व्यवस्थाओं को सुचारू रूप से चलाना है। उन्हें शेयर बाजार का खिलाड़ी नहीं बनना चाहिए था। लेकिन ऐसा लगता है कि उन्हें इस खेल में किसी सोची-समझी रणनीति के तहत शामिल किया गया। भाजपा के कमजोर प्रदर्शन को देखते हुए यह आशंकाएं जतलाई जा रही थीं कि शायद भाजपा फिर सत्ता में न लौट पाए। ऐसे में सरकार के संरक्षण में फल-फूल रहे उद्योगपतियों को भावी नुकसान नजर आने लगा था और शायद उन्हीं के इशारों पर शेयर बाजार का ऐसा खेल चुनाव के बीच में खेला गया, जिसमें लाखों करोड़ डूब गए और देश एक जबरदस्त आर्थिक घोटाले का शिकार हो गया।

चुनाव शुरु होने के पहले ही इलेक्टोरल बॉन्ड का घोटाला सामने आया था, जिसका पूरा सच अब तक सामने नहीं आ पाया है और दोषी अब भी मजे में हैं। पीएम केयर्स फंड में किस तरह से, कितना धन आया है, यह तो मोदी सरकार ने पता लगने ही नहीं दिया। कृषि बिल, अग्निवीर योजना, अयोध्या में राम मंदिर निर्माण, चीन की घुसपैठ, पुलवामा हमला, वैक्सीन से होने वाली मौतें ऐसी कई बातों का सच अभी सामने नहीं आया है कि आखिर किस नीयत से मोदी सरकार ने इन फैसलों को लिया या जो घटनाएं हुईं, उनकी हकीकत क्या है। और अब एक नया शेयर बाजार का घोटाला भी सामने आ गया है।

1 जून को एक्जिट पोल के आते ही जिस तरह शेयर बाजार चढ़ा था, तब से कांग्रेस इसे लेकर सवाल उठा रही थी और जब नतीजे आए तो अपने एक्जिट पोल में एनडीए को भारी बहुमत देने वाली एक सर्वे एजेंसी के मुखिया को कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने खरी-खरी बात कही थी कि उनके आकाओं के कारण देश के आम आदमी को इतना नुकसान हुआ है। पवन खेड़ा ने इसे सीधे देशद्रोह कहा था। वहीं अब राहुल गांधी ने भी एक प्रेस कांफ्रेंस कर शेयर बाजार के इस घोटाले पर कड़े सवाल उठाए हैं। राहुल गांधी ने तीन महत्वपूर्ण सवाल किए हैं- पहला, प्रधानमंत्री ने देश की जनता को निवेश की सलाह क्यों दी ? क्यों गृह मंत्री ने उन्हें स्टॉक खरीदने का आदेश दिया ?

दूसरा, दोनों जो इंटरव्यू किए गए। ये अडानी समूह के चैनल को दिए गए। उन पर पहले ही सेबी की जांच बैठी है तो उस पर जांच होनी चाहिए।

तीसरा, मोदी जी के ये जो फेक इन्वेस्टर हैं और जो विदेशी निवेशक हैं। इनके बीच क्या रिश्ता है और अगर रिश्ता है तो इसकी जांच होनी चाहिए।

राहुल गांधी ने कहा कि हम इस पूरे मामले में संसदीय समिति से जांच की मांग करते हैं। इस पूरे मामले में निवेशकों ने करोड़ों गंवाए हैं। यह एक आपराधिक कार्य था।

राहुल गांधी ने झूठे एक्जिट पोल, प्रधानमंत्री और गृहमंत्री की शेयर बाजार को लेकर दी गई सलाह, भाजपा की आंतरिक सर्वे रिपोर्ट, जिसमें उसे सीटें कम आ रही हैं और फिर नतीजों के बाद शेयर बाजार के धराशायी होने की पूरी क्रोनोलॉजी अपनी प्रेस कांफ्रेंस में समझाई। ठीक इसी तरह राहुल गांधी पहले भी नोटबंदी, जीएसटी, कोरोना लॉकडाउन, वैक्सीनेशन, कृषि कानून, अग्निवीर योजना, जाति जनगणना, आरक्षण को लेकर भाजपा की सोच, इन सबका खुलासा जनता के बीच करते रहे। लेकिन भाजपा प्रायोजित मीडिया ने उन्हें एक नौसिखिया राजनेता की तरह ही दिखाया। हालांकि समय के साथ राहुल गांधी की कही सारी बातें सच साबित हुईं। अब एक बार फिर राहुल गांधी ने शेयर बाजार में हुए बड़े घोटाले पर सवाल उठाए हैं, तो देखना होगा कि मीडिया इन सवालों पर अब कितनी चर्चाएं करता है, और नयी सरकार बनने के बाद क्या इस घोटाले की जांच होती है या माननीय सर्वोच्च न्यायालय देश के लाखों निवेशकों के हितों को ध्यान में रखकर इस पर स्वत: संज्ञान लेकर किसी कार्रवाई के निर्देश देता है।

सहमे-सहमे सरकार नजर आते हैं

अरविन्द मोहन

नतीजों ने जरूर झटका दिया है लेकिन बदलाव तभी शुरू हो गया था जब नीतीश कुमार की पहल पर इंडिया गठबंधन की नींव पड़ी। तब तक भाजपा जाने कितने गीदड़ और एक शेर वाला लाइन चला रही थी। इंडिया के समांतर एनडीए को जिंदा किया गया और नए सहयोगी बनाने के लिए जाने क्या कुछ नहीं किया गया। पुराने मामले खोलने और जेल भेजना भी इनमें शामिल था।

लंबे और थकाऊ चुनाव के बाद आए नतीजे हर बार की तरह कुछ नए हीरो लेकर आए हैं तो कई पुराने महारथियों की राजनैतिक विदाई का संदेश भी। ठीक इसी तरह मतदाताओं ने शासन और राजनीति के लिए भी कुछ एकदम नए संदेश दिए हैं तो कुछ पुराने ढर्रे पर अपने अपने ढंग से निर्णय भी सुनाया है और जाहिर तौर पर राजनेता दिन-रात जनता के बीच रहकर भी इन संदेशों को ठीक से नहीं समझते या इनकी उपेक्षा करते हैं तभी हर बार लगभग आधा सदन बदल जाता है। सरकार का स्वरूप बदल जाता है और कई बार तो सरकार बदल जाती है। संयोग है कि इस बार सरकार सीधे-सीधे नहीं बदली है, सरकार के मुखिया भी नहीं बदले हैं लेकिन जनादेश का सबसे ज्यादा प्रभाव उनके इकबाल पर ही दिखता है। सहमे-सहमे से सरकार नजर आते हैं और उनके कामकाज के आधार पर जनता ने उनको फेल भले न किया हो लेकिन उनको अपने रंग-ढंग बदलने का जनादेश तो दिया ही है। ऐसा संदेश या आदेश सिर्फ उनके लिए ही नहीं है। पक्ष-विपक्ष के लगभग सभी नेताओं के लिए है, बहन मायावती, नवीन पटनायक, चौटाला परिवार और महबूबा मुफ्ती के लिए तो कुछ ज्यादा ही सख्त जनादेश आया है।

लेकिन जाहिर तौर पर सबसे ज्यादा प्रभावी और दूरगामी संदेश नरेंद्र मोदी और उनके जोड़ीदार अमित शाह के लिए है। उनकी उपलब्धियों को लेकर भी शंका जताई गई है लेकिन उनकी कार्यशैली पर ज्यादा सख्त निर्णय आया है। फैसले लेने की प्रक्रिया, मुसलमानों के प्रति उनका रवैया, मुद्दों का चुनाव, विपक्ष से ही नहीं अपने साथियों के साथ व्यवहार का तरीका और शासन चलाने की शैली पर बहुत साफ निर्णय आया है। सबको साथ, सबका विकास सिर्फ नारा भर नहीं होना चाहिए। यह संदेश नहीं आदेश है और एक ही दिन में प्रधानमंत्री और अमित शाह बदले-बदले लगे (उनके इशारों पर नाचने वाली मीडिया में बदलाव और ज्यादा और जल्दी दिखाई दिया)। सबकी 'फ़ाइल मेन्टेन' करना, फिर जरूरत के हिसाब से अपनी लोकतान्त्रिक सत्ता के साथ सरकारी एजेंसियों के दुरूपयोग से दबाव बनाना, मीडिया के सहारे और प्रचार पर सरकारी धन खर्च करके अपने पक्ष में हवा बनाने की कोशिश करना, विरोध का निरादर ही नहीं मतदाताओं को फुसलाए जाने की चीज मानना, लोगों का उपयोग करके रद्दी की टोकरी में डालना, मौका पड़ने पर किसी का भी पैर पकड़ लेना (किसानों का उदाहरण सबसे चर्चित है) और निरंतर एक नकली विमर्श चलाते रहना ही इस कार्यशैली की मुख्य बातें हैं। लेकिन आप कुछ लोगों को पूरे समय बुद्धू बना सकते है, सबको कुछ समय तक बुद्धू बना सकते हैं लेकिन सबको सदा के लिए बुद्धू नहीं बना सकते।

और बड़े हिसाब से देखें तो यह चुनाव प्रबंधन कौशल से जीतने के अति आत्मविश्वास या घमंड और आमजन की भावनाओं के स्वाभाविक अभिव्यक्ति के बीच का मुकाबला था। कई लोग इसे मोदी और शाह के घमंड के रूप में देखते हैं लेकिन यह बुनियादी तौर पर अपने साधन, संघ के मुफ़्त के कार्यकर्ताओं और प्रबंधन कौशल को सबसे ऊपर मानने की मानसिकता थी। और भले राहुल गांधी ने लाख अपमान सहकर भी लगातार खुद को सुधार या और मेहनत की (भाजपा उनके करीबियों को तोड़ती भी रही) तथा उद्धव ठाकरे, अखिलेश यादव और तेजस्वी यादव ने चुनाव के समय मजबूती दिखाई। लेकिन सच कहें तो मोदी-शाह की जोड़ी की ताकत से असली लड़ाई आमजन ने लड़ी। सिर्फ लड़ी नहीं जीत भी हासिल की। ऐसे-ऐसे नए और अनाम उम्मीदवारों ने भाजपा के दिग्गजों और इस जोड़ी के दुलारे नेताओं (स्मृति ईरानी और टोनी से लेकर नृपेन्द्र मिश्र के सुपुत्र तक) को पटखनी दी कि हम आप सभी तालियां बजाने को मजबूर हुए। और इस जीत का नतीजा ही है कि भाजपा के इन दोनों नेताओं का व्यवहार और बाडी लैंग्वेज एकदम बदला है। कई बार यह सुखद लगता है, कई बार दया आती है।

नतीजों ने जरूर झटका दिया है लेकिन बदलाव तभी शुरू हो गया था जब नीतीश कुमार की पहल पर इंडिया गठबंधन की नींव पड़ी। तब तक भाजपा जाने कितने गीदड़ और एक शेर वाला लाइन चला रही थी। इंडिया के समांतर एनडीए को जिंदा किया गया और नए सहयोगी बनाने के लिए जाने क्या कुछ नहीं किया गया। पुराने मामले खोलने और जेल भेजना भी इनमें शामिल था। इन तरीकों से नीतीश कुमार को तोड़ना और चंद्रबाबू को जबरिया साथी बनाने में 'सफलता मिली (आज यही दोनों लाज बचाने वाले साबित हुए हैं) लेकिन अन्नाद्रमुक और उससे भी बढ़कर बीजद को साथ ला पाना संभव नहीं हुआ। कई तरह से सहयोग तो ओवैसी जैसों ने भी दिया। लेकिन सीधा साझीदार न बनकर भी बसपा ने जिस तरह से मदद की वह खुद उसके लिए आत्मघाती साबित हुआ। अब बहनजी की दौलत बचने का भरोसा जितना है उससे ज्यादा पक्का यह लग रहा है कि बसपा का आधार ही बिखर जाए। इससे छिटके दलित मतदाताओं ने ही उत्तर प्रदेश में, भाजपा को सबसे बड़ा झटका दिया। वह संविधान ही मोदी का सबसे बड़ा बोझ साबित हुआ जिसे वे खिलौना समझ रहे थे। राहुल, प्रियंका, अखिलेश, उद्धव ठाकरे, तेजस्वी, स्टालिन, ममता, कल्पना सोरेन और शरद पंवार की राजनीति को कम नहीं आंकना चाहिए लेकिन यह कहने में हर्ज नहीं है कि यह साधन, सत्ता और मैनेजरों के सहारे चुनाव जीतने के अति आत्मविश्वास और जनता पर भरोसा करने की दो अलग-अलग शैलियों की राजनीति का मुकाबला था और भले मोदी जी तिबारा प्रधानमंत्री बनने जा रहे हैं लेकिन उनकी शैली हार गई है। ज्यादा से ज्यादा 240 सीटों तक ही पहुंच पाई। पहले विपक्ष और लोग सहमे थे अब सत्ता पाकर भी मोदीजी और शाह जी सहमे नजर आते हैं।

आगे इसी चीज पर गौर करना होगा कि कांग्रेस या स्टालिन या अखिलेश गठबंधन की राजनीति पर, जनता पर, देश की विविधता का आदर करने पर भरोसा करते हैं या इस बार की छोटी कामयाबी पर ऐंठकर नुकसान उठाते हैं। पर इनसे ज्यादा बड़ी जिम्मेदारी नरेंद्र मोदी और अमित शाह पर आई है जिनको राजनीति के साथ सत्ता भी चलानी है। और हमारे मोदी जी को विचार विमर्श, सहयोगियों की राय लेना, उसका आदर करना, विरोध पर भी गौर करना और काम से काम उन लोगों की राय भी जानना आता ही नहीं जो उनके फैसलों से प्रभावित होते हैं। कश्मीर में यही हुआ, किसानों के साथ यही हुआ, धर्माचार्यों के साथ वही हुआ और मुसलमान तो हिन्दू वोट के लिए चारा ही बनाए गए थे। लोगों का आदर, देश की विविधता का आदर और सबको साथ लेकर चलना उन्हें आएगा या नहीं यह चिंता की बात है। पर यह रिकार्ड भी है कि लाख सख्त दिखने के बावजूद मौका पड़ने पर कोर्स करेक्शन में वही सबसे तेज भी हैं।

नवीन पटनायक एक टूटते हुए सितारे की तरह राजनीति पटल से हुए ओझल

■ सुशील कुट्टी

नवीन पटनायक अब मुख्यमंत्री नहीं रहेंगे और चंद्रबाबू नायडू फिर से आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री बनने के लिए तैयार हैं, जब तक कि वे इंडियी गठबंधन में फंसकर कांग्रेस के नेतृत्व वाले विपक्षी समूह में शामिल नहीं हो जाते। इस स्थिति में, वे आंध्र प्रदेश के लिए वह 'विशेष दर्जा' प्राप्त कर सकेंगे, जिसकी राज्य को चाहत है और शायद अपने लिए 'उप प्रधानमंत्री' का पद भी।

कोई भावुक रोमांटिक व्यक्ति ही ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक के बारे में इस समय सोच सकता है, जो बीजेडी प्रमुख के जीवन के सबसे बुरे दिन हैं। नवीन पटनायक इतिहास बन चुके हैं और उन्हें सामान्य सार्वजनिक जीवन से भुला दिया जायेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी ने ओडिशा में बीजू जनता दल के सुचारू रूप से चलने वाले शासन को एक शानदार प्रदर्शन के साथ रोक दिया, जिसका भगवा पार्टी राष्ट्रीय स्तर पर अनुकरण नहीं कर सकी। एक तरह से कहें तो, अगर नवीन पटनायक हार गये हैं, तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी राष्ट्रीय स्तर पर कोई कमाल नहीं किया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दूसरे दिन भाजपा के राष्ट्रीय मुख्यालय में साहस का परिचय दिया, लेकिन भाजपा के दिग्गज नेता राजनाथ सिंह, अमित शाह और जेपी नड्डा के चेहरों पर दिख रही उदासी कुछ और ही कहानी बयां कर रही थी, जिसे नवीन पटनायक ने नजरअंदाज कर दिया होता। इनमें से कोई भी भाजपा नेता ओडिशा में भाजपा की शानदार जीत या मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, हिमाचल प्रदेश और अरुणाचल प्रदेश में पार्टी के शानदार प्रदर्शन के बारे में नहीं सोच रहा था। वे तो केवल नरेंद्र मोदी के 10 साल के शासन के आसन्न अंत को देख रहे थे।

लोकसभा में साधारण बहुमत हासिल न कर पाने पर भाजपा में व्याप्त दुख ने ओडिशा में पार्टी की जीत को पूरी तरह से मिटा दिया, यहां तक कि बेहद मुखर संबित पात्रा भी अपनी आवाज नहीं निकाल पाये। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को यह नहीं भूलना चाहिए कि यदि ओडिशा की 20 लोकसभा सीटें भाजपा ने न जीती होतीं, तो उनके लिए उनकी भी कर्कश आवाज गुम हो जाती। ओडिशा ने मोदी और भाजपा को तत्काल शर्मसार होने से बचा लिया। प्रभु पुरी जगन्नाथ ने पात्रा की 'जुबान फिसलने' को माफ कर दिया होगा।

क्या लोकसभा चुनाव में मिली हार के बाद भाजपा मोदी की शान को याद करेगी ? क्या ओडिशा को बीजू जनता दल के पूरी तरह से खत्म हो जाने के बाद नवीन पटनायक का शांत स्वभाव याद आयेगा ? 'जो जीता वही सिकंदर' वाली कहावत नवीन पटनायक के साथ-साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर भी लागू होती है। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और तेलुगु देशम पार्टी के प्रमुख चंद्रबाबू नायडू सुर्खियों में हैं, जबकि नवीन पटनायक को इस लेख में विराम चिह्न या विस्मयादि बोधक चिह्न तक नहीं मिलेगा।

चंद्रबाबू नायडू ने वह हासिल किया जो नवीन पटनायक दो दशकों से हासिल कर रहे थे। लेकिन ओडिशा में बीजेडी की जीत नवीन पटनायक को सुर्खियों में नहीं ला सकती थी, क्योंकि वह व्यक्ति राष्ट्रीय सुर्खियों का लालच नहीं करता था। वह नई दिल्ली के शोरगुल वाले सत्ता गलियारों के बजाय ओडिशा के अपने शांत कोने को पसंद करता था। टीडीपी सुप्रीमो चंद्रबाबू नायडू के विपरीत, जो एक समय में दिल्ली के मंच पर 'राजनीतिक प्लेबॉय' की तरह चलते थे, कठिन सौदेबाजी करते थे, और कठिन गिरावटों को झेलते थे।

क्या प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गठबंधन की राजनीति की मजबूरियों के चलते झुकेंगे और बिहार, आंध्र प्रदेश और 'भाजपा के अपने ओडिशा' को 'विशेष दर्जा' देंगे, जबकि वे बराबरी के लोगों में से एक हैं और भाजपा को अपनी 'डबल इंजन' वाली छवि खोने का खतरा है ? यह कितना बड़ा पतन है - आज यहां, कल कहां ? नरेंद्र मोदी और नवीन पटनायक दोनों के सितारे गर्दिश में हैं। प्रधानमंत्री मोदी अपने सत्ता के दिनों से बाहर निकल चुके हैं और नवीन पटनायक के मुख्यमंत्री के रूप में करियर को चुपचाप दफना दिया गया है। नवीन पटनायक को ओडिया पर 'एक तमिल' थोपना नहीं चाहिए था। वीके पांडियन नवीन पटनायक के हाथ मिलाने के लिए मौजूद नहीं होंगे।

तो नवीन पटनायक अब मुख्यमंत्री नहीं रहेंगे और चंद्रबाबू नायडू फिर से आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री बनने के लिए तैयार हैं, जब तक कि वे इंडियी गठबंधन में फंसकर कांग्रेस के नेतृत्व वाले विपक्षी समूह में शामिल नहीं हो जाते। इस स्थिति में, वे आंध्र प्रदेश के लिए वह 'विशेष दर्जा' प्राप्त कर सकेंगे, जिसकी राज्य को चाहत है और शायद अपने लिए 'उप प्रधानमंत्री' का पद भी। मुद्दा यह है कि आने वाले दिनों में 'विशेष दर्जा' मांगने पर ही मिलेगा, चाहे एनडीए सत्ता में हो या फिर सत्ता की बागडोर इंडिया गठबंधन के हाथ में हो।

नवीन पटनायक ने राज्य के दो विधानसभा क्षेत्रों, कांटाबांजी और हिंजिली से चुनाव लड़ा। वे एक से हार गये और दूसरे से जीते। क्या वे विधानसभा में उतनी बार आयेंगे, जितनी बार वे आते, अगर बीजेडी ने शासन करने का अधिकार नहीं खोया होता ? इसके अलावा, केंद्र में सरकार बनाने में बीजेडी की कोई भूमिका नहीं है। लेकिन फिर नवीन पटनायक ने सत्ता में रहते हुए भी दिल्ली की राजनीति में कभी अपनी बात नहीं रखी। पटनायक का खुद को अलग-थलग कर लेना, बीजेडी के सामने नई प्रतिकूल परिस्थितियों में और भी मजबूत हो गया है।

नवीन पटनायक और चंद्रबाबू नायडू की तुलना करना, नरेंद्र मोदी और मनमोहन सिंह की तुलना करने जैसा है। एक कार्यकारी सफारी में लिपटा हुआ है और दूसरा घरेलू सादगी में लिपटा हुआ है। एक के हर हाव-भाव में हिसाब-किताब लिखा हुआ है, दूसरा जो ज्यादातर अदृश्य रहता था और सीमित महत्वाकांक्षा रखता था। लेकिन आंध्र प्रदेश और ओडिशा दोनों ही राज्यों में क्लीन स्वीप के बाद स्थिर सरकारों का आश्वासन पाकर भाग्यशाली हैं। ऐसा कहा जाता है कि जगन मोहन रेड्डी भी नवीन पटनायक की तरह की ही नाव में हैं। जगन की बहन वाईएस शर्मिला भी बेहतर स्थिति में नहीं हैं।

एग्जिट पोल ने भारतीय जनता पार्टी को मोदी की अब तक की सबसे बड़ी गिरावट के लिए तैयार कर दिया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी खुद को 400 से ज़्यादा लोकसभा सीटें जीतने का वायदा कर रहे थे, लेकिन मोदी की इच्छा को आश्चर्यजनक रूप से कम कर दिया गया और नवीन पटनायक मोदी की स्थिति पर टिप्पणी करने के लिए मौजूद नहीं हैं। प्रधानमंत्री ने 'हैट्रिक ऑफ़ टर्म्स' हासिल किया, लेकिन वे नवीन पटनायक से ज़्यादा बेहतर स्थिति में नहीं हैं। चंद्रबाबू नायडू और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जब चाहें मोदी के पैरों के नीचे से कालीन खींच सकते हैं। उस स्थिति में, मोदी हमेशा ओडिशा के मुख्यमंत्री पद के लिए आवेदन कर सकते हैं, आखिरकार नवीन पटनायक ने इस पद के लिए 'बाहरी' वीके पांडियन को चुना था।

पावन प्रसंग

सत्य और अहिंसा स्वाभिमान के प्रतीक

व्यक्तियों में सत्य के प्रति आस्था पैदा हो जाए तो सामाजिक नैतिकता का स्वयं उच्च स्तर को प्राप्त कर सकता है और सही मायने में सत्य ही मनुष्य के आचरण की ऊंचाई मानी जाती है। सत्य और अहिंसा पर चलने के लिए संयम, मनोबल, आत्मशक्ति और ऊर्जा ही एक बड़ा विकल्प है। सत्य और अहिंसा स्वाभिमान के प्रतीक है सत्य बोलने वाला मनुष्य स्वाभिमानी होता है दूसरी तरफ असत्य आत्मग्लानि का द्योतक है। कबीर दास जी ने भी सत्य को ईश्वर मानकर कई दोहों की रचना की है।

नकारात्मक व्यवहार सामाजिक स्तर पर किया जाने वाला सबसे महत्वपूर्ण दुर्गुण है क्योंकि इसका प्रभाव पूरे समाज एवं देश पर गंभीर परिणाम देने लगता है। झूठ बोलना और सच को नेपथ्य में धकेलना एक सबसे बड़ी सामाजिक बुराई के रूप में सामने आई है। इसीलिए सामाजिक रूप से झूठ को सबसे बड़ा पाप कहा गया है पाप इस अर्थ में कहा गया है कि यह हमें दिग्भ्रमित करके वंचित कर्तव्य एवं रोजमर्रा के आत्मीय व्यवहार से वंचित रखता है और असत्य कथन को समस्त बुराइयों अपराधों की जननी माना जाता है। हम भौतिकवादी मानसिकता से इतने अधिक ग्रसित हो गए हैं की पारिवारिक सदस्यों के बीच हमारे आत्मीय संबंध लुप्त प्राय होते जा रहे हैं और ऐसे बनावटी परिवेश में व्यक्ति तथा समाज अपनी भौतिक मानसिक विलासिता तथा सफलता के दायरे में सिमट कर रह गया है। इसकी प्राप्ति के लिए व्यक्ति अत्यंत उन्मुक्त निसंकोच तरीके से असत्य का सहारा लेने से भी नहीं चूक रहा है। भौतिक सुख साधनों की लालसा में मनुष्य में साधनों की सत्यता तथा शुद्धता फिर भी गहरा समझौता कर समाज में असामाजिक व्यवहार को अपना लिया है जिसके दूरगामी परिणाम भारतीय समाज के लिए अच्छे संकेत नहीं है। आज मनुष्य नैतिकता एवं अनैतिकता की बारीक लकीर हो पहचानने से काफी दूर हो गया है तथा भौतिक विकास के लिए किसी भी साधन को अपनाने से नहीं परहेज करता है। मानव बुद्धि विवेक संपन्न होने के कारण भौतिक सुख सुविधाओं को प्राप्त करने के लिए हर तरह के उपायों को नए-नए हथकंडे के रूप है उपयोग करने लगा है जिससे समाज मे विसंगतियां पैदा होकर आत्मीय संबंधों की बलि चढ़ गई है। आदिकाल से ऐतिहासिक तौर पर भी मानव की सच्चरित्रता पर सवालिया निशान खड़े होते रहे हैं। समाज ने आपसी संबंधों को संचालित करने के लिए कुछ आदर्श मापदंड का प्रावधान भी रखा है जिनमें सबसे महत्वपूर्ण सावधान सत्य बोलने का है किंतु मनुष्य अपने सुख साधन बटोरने के लिए सदैव सत्य से परहेज करने लगा जिससे मनुष्य नैतिकता से काफी दूर हो गया एवं सामाजिक मान्यताओं को छिन्न-भिन्न करता आया है। आज भौतिक साधन संपन्नता समाज में सर्वोच्च शिखर पर है और समाजिक व्यक्तिगत आत्मीय संवेदनशील संबंध ताक पर रख दिए गए हैं। नैतिकता सिद्धांतों की परिपाटी नष्ट प्राय होती जा रही है। ऐसे में एक आदर्श समाज की कल्पना बेमानी हो गई है। आज हमें सामाजिक मूल्यों को बचाने आत्मीय संबंधों की रक्षा करने के लिए सत्य तब और संयम का सहारा लेने की आवश्यकता होगी अन्यथा भारतीय समाज को पश्चिमी समाज के रूप में यहां संवेदनशीलता आत्मीयता और मानवीय संबंधों की गरिमा खत्म होने के कगार पर है अपनाने में ज्यादा समय नहीं लगेगा एवं भारतीय मूल्य संस्कार संस्कृति धीरे धीरे सनातनी समाज से दूर होते जाएंगे और हम हाथ में हाथ धरे देखते रह जाएंगे। आज नैतिकता केवल दूसरों के लिए उपदेश देने की वस्तु बन कर रह गई है। मनुष्य सामाजिक व्यवस्था का स्वयं निर्माता है किंतु नैसर्गिक रूप से लोभी, आलसी, तथा संग्रहण की प्रवृत्ति वाला हो चुका है ऐसे में कम परिश्रम में ज्यादा लाभ प्राप्त करने के लिए असत्य फरेब एवं जालसाजी का ही सहारा लेकर अनैतिकता का परचम फैलाने में लगा हुआ है। यह भारतीय परिवेश के लिए कतई शुभ संकेत नहीं है।

संजीव ठाकुर

आपके पत्र

क्यों ठहर जाता है स्लम बस्तियों में विकास का पहिया ?

हमारे देश की एक बड़ी आबादी आज भी ऐसी है जो शहरों और महानगरों में आबाद तो है, लेकिन वहां शहर के अन्य इलाकों की तरह सभी प्रकार की सुविधाओं का अभाव होता है। शहरी क्षेत्रों में ऐसे इलाके स्लम बस्ती कहलाते हैं। यह बस्तियां अधिकतर खाली पड़े सरकारी ज़मीनों पर आबाद होती हैं, जहां सरकारी सुविधाएं तो होती हैं लेकिन आबादी का एक बड़ा हिस्सा इन सुविधाओं का लाभ उठाने से वंचित रह जाता है। यह बस्तियां केवल राजधानी दिल्ली या मुंबई जैसे महानगरों में ही नहीं होती हैं बल्कि बिहार पटना समेत देश की लगभग सभी राज्यों की राजधानी में आबाद होती हैं। इन बस्तियों में अधिकतर आर्थिक रूप से बेहद कमजोर तबका निवास करता है जो रोजी रोटी की तलाश में गांव से निकल कर शहर की ओर पलायन करता है। इनमें रहने वाले ज्यादातर परिवार दैनिक मजदूरी के रूप में जीवनयापन करता है। अक्सर ऐसी बस्तियों को मलिन बस्ती के रूप में भी चिन्हित किया जाता है।

साल 2011 की जनगणना के अनुसार देश में लगभग 1.23 लाख स्लम एरिया हैं जिनमें करीब 6.55 करोड़ की जनसंख्या निवास करती है। इनमें से अधिकतर बेहतर स्वास्थ्य और शिक्षा सहित कई मूलभूत सुविधाओं से वंचित रहते हैं। ऐसी ही एक स्लम बस्ती बिहार की राजधानी पटना स्थित गर्दनीबाग इलाके में भी आबाद है। बघेरा मोहल्ला के नाम से दर्ज यह बस्ती पटना हवाई अड्डे से महज 2 किमी दूर और बिहार हज भवन के ठीक पीछे स्थित है। ऐतिहासिक शाह गड्डी मस्जिद, (जिसे स्थानीय लोग सिगड़ी मस्जिद के नाम से जानते हैं), से भी इस बस्ती की पहचान है। इस बस्ती तक पहुंचने के लिए आपको एक खतरनाक नाला के ऊपर बने लकड़ी के एक कमजोर और चरमराते पुल से होकर गुजरना पड़ता है।

यहां रहने वाली 80 वर्षीय रुकमणी देवी बताती हैं कि वह इस बस्ती में पिछले 40 सालों से रह रही हैं। इस बस्ती में करीब 250-300 घर हैं, जिनकी कुल आबादी लगभग 700 के करीब है। रुकमणी देवी की पहचान क्षेत्र में एक सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में भी रही है। जो इस बस्ती की महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़ने का काम करती रही हैं वह बताती हैं कि 1997 में सरकार ने इस बस्ती को स्लम क्षेत्र घोषित किया था। इस बस्ती में लगभग 70 प्रतिशत अनुसूचित जाति समुदाय के लोग आबाद हैं। जिनका मुख्य कार्य मजदूरी और ऑटो रिक्शा चलाना है।

रुकमणी देवी के अनुसार, स्लम क्षेत्र घोषित करने के बाद राज्य सरकार की ओर से यहां विकास की कई योजनाओं को शुरू करने की घोषणा की गई थी ताकि यहां के रहने वालों के जीवन स्तर को सुधारा जा सके। उन्हें बेहतर स्वास्थ्य और शिक्षा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से विशेष काम भी किये जाने की बात कही गई, लेकिन इनमें से अधिकतर योजनाएं लागू होने की जगह फ़ाइलों में दब कर रह गई हैं।

स्कूल के प्रधानाध्यापक मुरारी कुमार बताते हैं कि कम सुविधा में भी बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए स्कूल की ओर से हर संभव प्रयास किये जाते हैं। बच्चों को खाने में पौष्टिक आहार के अलावा समय समय पर आयरन की गोलियां और कीड़े मारने की दवाईयां भी खिलाई जाती है। वह बताते हैं कि अनिधिकृत ज़मीन पर बस्ती और स्कूल होने के कारण इस क्षेत्र को बहुत जल्द खाली कराया जा सकता है। ऐसे में यहां पढ़ने वाले बच्चों को गर्दनीबाग के अन्य प्राथमिक विध्यालयों में शिफ्ट किया जा सकता है।

ज्योति कुमारी, पटना बिहार

प्रकाशक, मुद्रक : राजीव रंजन श्रीवास्तव द्वारा पत्रकार प्रकाशन प्रा. लि. के लिए 506, आई.एन.एस. बिल्डिंग, 9, रफी मार्ग, नई दिल्ली से प्रकाशित एवं बीएफएल इंफोटेक लि., सी 9, सेक्टर-3, नोएडा से मुद्रित। सम्पादक : राजीव रंजन श्रीवास्तव, (पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार)। आर.एन.आई. नं. DELHIN/2008/24216. दिल्ली कार्यालय :फोन: 011-23718195,23357784, फैक्स: 011-43581404, नोएडा कार्यालय: फोन: 0120-4114404 फैक्स: 0120-4273770 ई-मेल: deshbandhudelhi@gmail.com वेब: www.deshbandhu.co.in

देश विदेश

कतर ने की यूक्रेन संघर्ष को समाप्त करने के प्रयासों पर चर्चा

दोहा, 6 जून (एजेंसियां)। कतर के शासक शेख तमीम बिन हमद अल थानी ने यूक्रेन संघर्ष को समाप्त करने के लिए अंतरराष्ट्रीय प्रयासों पर यूक्रेनी राष्ट्रपति व्लादिमीर जेलेंस्की के साथ चर्चा की है। बिन हमद अल थानी के कार्यालय की ओर से जारी बयान में यह जानकारी दी गयी। बयान में कहा गया है कि बातचीत के दौरान यूक्रेन के इर्द-गिर्द हाल के घटनाक्रमों, खासकर शत्रुता को रोकने, नागरिक आबादी की रक्षा करने, संवाद और कूटनीतिक माध्यमों से संकट को हल करने जैसे अन्य मुद्दों को लेकर बातचीत बनाए रखने के लिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय के प्रयासों पर चर्चा हुई। दोनों नेताओं ने 'द्विपक्षीय सहयोग के विकास' पर भी चर्चा की।

गाजा में स्कूल पर इजरायल का हवाई हमला, 30 की मौत

गाजा, 6 जून (एजेंसियां)। इजरायली सेना ने मध्य गाजा पट्टी के नुसेरात शिविर को निशाना बनाते हुए हवाई हमले किए। इस हमले में कम से कम 30 फिलिस्तीनी मारे गए, जिनमें अधिकतर बच्चे और महिलाएं हैं।

यह स्कूल विस्थापित लोगों के लिए एक शिविर में बदल दिया गया था। चिकित्सा विभाग से जुड़े सूत्रों के अनुसार, एक इजरायली लड़ाकू जेट ने स्कूल के कम से कम तीन क्लासरूम पर बमबारी की। हमास द्वारा संचालित गाजा सरकार के मीडिया कार्यालय ने स्कूल पर इजरायल के हमले की निंदा की और इसे 'भयानक नरसंहार' बताया। कार्यालय ने कहा कि इजरायली सेना हमलों को जारी रखे हुए है, जो नागरिकों के खिलाफ किए गए नरसंहार के अपराध का सबूत है।

हमास ने कहा कि इजरायल और अमेरिका को मानवता को खतरे में डालने वाले और अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन करने वाले इन अपराधों की पूरी जिम्मेदारी लेनी चाहिए। फिलहाल, इजरायली पक्ष ने अभी तक इस घटना पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

इजरायली सेना ने रफा में 2 किलोमीटर लंबी सुरंग को नष्ट किया

यरूशलम। इजरायल रक्षा बलों (आईडीएफ) ने एक बयान में कहा है कि उसने दक्षिणी गाजा पट्टी के रफा में एक सुरंग को नष्ट कर दिया है। सिन्हुआ समाचार एजेंसी ने बताया कि बुधवार को जारी बयान में कहा गया है कि 2 किलोमीटर लंबी सुरंग का इस्तेमाल आतंकी गतिविधियों के लिए किया जा रहा था। इसमें कहा गया है कि आईडीएफ सैनिकों ने कई महत्वपूर्ण सुरंग शाफ्ट का पता लगाया था जो फिलाडेल्फी कॉरिडोर तक जाती थी। यह मिस्र और दक्षिणी गाजा पट्टी के बीच स्थित है। बयान के अनुसार, सुरंग के अंदर इजरायली सैनिकों ने एके-47 राइफल, एंटी-टैंक मिसाइल, विस्फोटक और दूसरे हथियार जब्त किए। आईडीएफ के कॉम्बैट इंजीनियरिंग कोर की एक इकाई याहलोम के सैनिकों द्वारा सुरंग मार्ग की जांच की गई और उसे नष्ट कर दिया गया। उधर, इजरायल-गाजा युद्ध को लेकर सैन फ्रांसिस्को के स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय में फिलिस्तीन समर्थक तेरह प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार कर लिया गया।

संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 8 जून को 'विश्व महासागर दिवस' मनाने का लिया निर्णय

'नई गहराई को जगाओ' है इस वर्ष की थीम

बीजिंग, 6 जून (एजेंसियां)। अपने 63वें सत्र में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 8 जून को हर साल विश्व महासागर दिवस मनाने का निर्णय लिया। इस दिन का उद्देश्य समुद्री पर्यावरण संरक्षण में जन जागरूकता और भागीदारी बढ़ाना तथा जलीय संसाधनों के सतत प्रबंधन को बढ़ावा देना है।

संयुक्त राष्ट्र ने साल 2009 में पहले विश्व महासागर दिवस के लिए 'हमारा महासागर, हमारी जिम्मेदारी' थीम पेश की। तब से, हर साल एक अनूठी थीम चुनी जाती है। इस वर्ष की थीम 'नई गहराई को जगाओ' है, जिसका उद्देश्य महासागर के प्रति लोगों की समझ, सहानुभूति, सहयोग और प्रतिबद्धता को बढ़ाना है।

महासागर की सुरक्षा के महत्व को व्यापक रूप से मान्यता प्राप्त है। यह पृथ्वी के पारिस्थितिक संतुलन के लिए महत्वपूर्ण है और मानव अस्तित्व और विकास को सीधे प्रभावित करता है। महासागर पृथ्वी की सतह के 70 प्रतिशत से अधिक हिस्से को कवर करते हैं, और सभी जीवित प्राणी उन पर निर्भर हैं। महासागर पृथ्वी की कम से कम 50 प्रतिशत ऑक्सीजन का उत्पादन करते हैं। दुनिया भर में 1 अरब से अधिक लोग प्रोटीन के अपने प्राथमिक स्रोत के रूप में समुद्र पर निर्भर हैं। महासागर वैश्विक अर्थव्यवस्था में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, अनुमान है कि 2030 तक समुद्री उद्योग में 4 करोड़ लोगों को रोजगार मिलेगा। महासागर के महत्व को देखते हुए, इसे संरक्षित करना अनिवार्य है।

वर्तमान में, बड़ी मछलियों की लगभग 90 प्रतिशत आबादी गायब हो गई है, और 50 प्रतिशत प्रवाल भित्तियां (कोरल रीफ़) नष्ट हो गई हैं। महासागर उन संसाधनों की भरपाई नहीं कर सकता है, जिन्हें हम उससे निकालते हैं।

सुडोकू 6578

4		7		6				
			4				1	9
1	2							6
			7	8				
7	8		5		2		6	3
				4	3			
2							9	8
5	9				7			
				3		6		7

: नियम :

1. कुल 81 (9×9) वर्ग हैं, जिसमें 9 (3×3) वर्गों का एक खंड (ब्लॉक) बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1 से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते हैं।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कॉलम, कतार और खंड में 1 से 9 अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते हैं।

हल आज ही के अंक में

वर्ग पहेली 6578

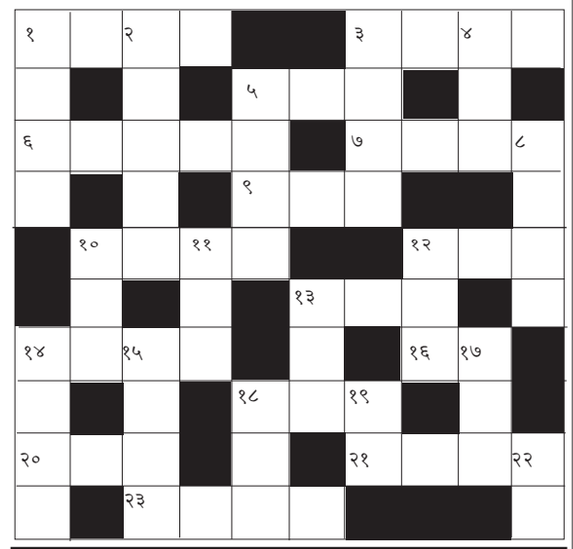

बायें से दायें:-

१. हिमाकत, हानिकर या अनुचित, साहस, धृष्टता
३. कानूनी, विधिसम्मत
५. अवहेलना, अवसान
६. खुशामद बसंद (उर्दू)
७. देखना
९. एक तीक्ष्ण गंध वाला खनिज जिससे बारूद आदि बनाया जाता है
१०. वह यज्ञ जिसमें मनुष्यों की बलि दी जाती है
१२. बढ़िया, श्रेष्ठ
१३. वगैरह
१४. फैलाना
१६. पर्यन्त
१८. वरयात्रा
२०. निषेध
२१. रुचि के अनुकूल
२३. श्रीकृष्ण, शिव

ऊपर से नीचे:-

१. अपशब्द, गाली
२. आक्रमणकारी
३. विज्ञान संबंधी, विज्ञान का ज्ञाता
४. झरना
५. एक पौधा, जिसकी जड़ दवा के काम आती है
८. नाना का पिता
१०. पुत्री का पुत्र
११. भेड़ या बकरी का बच्चा
१२. ऊगा हुआ
१३. ठेका, पट्टा, एकाधिकार
१४. मशविरा
१५. जिसमें खून न हो
१७. दाग, धब्बा
१८. एक प्रकार का खाद्यान्न
१९. वृक्ष, पेड़
२२. ध्वनि, शब्द

वर्ग पहेली-6577

१ गि	द्ध	२ दृ	ष्टि			३ उ	प	४ रो	क्त
र		ढ़		५ व	णि	ज		ध	
६ ध	र्म	सं	क	ट		७ र	त्ना	क	८ र
र		क		९ वृ	तां	त			ज
	१० क	ल्प	११ वृ	क्ष			१२ ज	न	नी
	सै		श्चि		१३ वं	च	ना		गं
१४ क	ला	१५ प	क		श		१६ ब	१७ हु	धा
लं		रि		१८ अ	ज	१९ र		लि	
२० कि	ष्किं	धा		पा		२१ ज	ल	या	२२ न
त		२३ न	ग	र	ज	न			दी

युसूफ कुरैशी, मो. 8109948408

दैनिक पंचांग

mypandit.com 24 hour astrology service

■ बेजान दारुवाला

ग्रह स्थिति : शुक्रवार 7 जून, 2024 ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष 15

राशिफल

मेष - दिन की शुरुआत में आप थोड़े कन्फ्यूज रहेंगे। आज आप अपना जिद्दी व्यवहार छोड़ दें। दूसरों के साथ सामंजस्य बनाए रखें। वाणी मधुर बनाए रखें, इससे कोई भी काम आसानी से बना पाएंगे।

वृषभ - आप का आज का दिन मध्यम फलदायी रहेगा। दिन की शुरुआत में स्फूर्ति और आनंद का अनुभव होगा। आपकी रचनात्मकता से आप कठिन काम भी आसानी से बना पाएंगे। काम का उत्साह बना रहेगा।

मिथुन - आपका आज का दिन मिश्रित फलदायी है। आज आप चिंता से घिरे रहेंगे और शारीरिक स्वास्थ्य भी अच्छा नहीं रहेगा। परिवार में भी किसी से मतभेद रहेगा, लेकिन दोपहर के बाद आप सभी कामों में अनुकूलता का अनुभव करेंगे।

कर्क - आज का दिन पारिवारिक तथा व्यावसायिक क्षेत्र में लाभ का अवसर लाया है। किसी प्रियपात्र से मुलाकात होगी। शाम में शुरू किया काम अधूरा रह जाएगा। खर्च बढ़ेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

सिंह - आज का दिन आनंदपूर्वक गुजरेगा। व्यापार करने वालों के लिए आज का दिन लाभदायी है। व्यापार में वृद्धि होगी। परिजनों तथा मित्रों के साथ अच्छे पलों को गुजारेंगे। किसी तरह का आर्थिक लाभ आपको हो सकता है।

कन्या - नए काम शुरू करने के लिए आज का दिन अनुकुल है। आज आप कुछ धार्मिक बने रहेंगे। कार्यालय या व्यावसायिक स्थल पर काम का भार अधिक रहेगा। विदेश जाने के इच्छुक लोग आज सकारात्मक प्रयास कर सकते हैं।

तुला - खान-पान में आज विशेष ध्यान रखें। आज नए काम का आरंभ करने के लिए समय अनुकूल नहीं है। अधिक कार्य से आलस्य और मानसिक चिंता का अनुभव करेंगे।

वृश्चिक - सुबह के समय आप शारीरिक रूप से स्वस्थ और मन से खुश रहेंगे। परिजनों और मित्रों के साथ कहीं बाहर जाने का कार्यक्रम बन सकता है। दोपहर के बाद किसी बात की चिंता आपको रह सकती है।

धनु - आज मन खुश रहेगा, लेकिन शरीर में आलस्य बना रहेगा। हालांकि आप के काम योजनानुसार पूरे होंगे। अधूरे काम पूरे होंगे। धन लाभ की संभावना है। गृहस्थजीवन में मधुरता बनी रहेगी। आकस्मिक धन लाभ के योग हैं।

मकर - परिश्रम की अपेक्षा फल कम मिलेगा। फिर भी आप मेहनती बने रहेंगे। परिजनों के साथ सम्बंध मधुर होंगे। हेल्थ आज अच्छी रहेगी। हालांकि बाहर खाने-पीने से बचें। दोपहर के बाद अधूरे काम पूरे हो सकते हैं।

कुंभ - आज आप सभी कामों को आत्मविश्वास से पूरा कर सकेंगे। सरकार के साथ आर्थिक व्यवहार में भी आपको सफलता मिलेगी। पैतृक संपत्ति से लाभ होगा। वाहन, मकान आदि की कागज़ी कार्रवाई ध्यान से ही करें।

मीन - आज आपकी चिंता में कमी आएगी। आनंद और उत्साह में भी वृद्धि होगी। कुटुंबजनों के साथ व्यवहार अच्छा बनेगा। आर्थिक विषयों पर आप अधिक ध्यान दे पाएंगे।

नोट-उपरोक्त राशिफल बेजान दारूवाला द्वारा पूर्वलिखित है।

पोकेमॉन गो कम्युनिटी डे 9 जून को होगा आयोजित

नई दिल्ली, 6 जून (एजेंसियां)। हम जून 2024 में होने वाले पोकेमॉन गो कम्युनिटी डे की घोषणा करते हुए बेहद उत्साहित हैं, जो रविवार, 09 जून 2024 को आयोजित किया जाएगा। इस कम्युनिटी डे के दौरान, अपने आस-पास के ट्रेनरों के साथ रेड, ट्रेड और एक्सप्लोर करें, जिसमें स्लिसेरा को विशेष रुप से फीचर किया जाएगा। हमारे कम्युनिटी डे मीट-अप रविवार, 09 जून 2024 को स्थानीय समय (भारत में आईएसटी) अनुसार दोपहर 2:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक होंगे। वर्चुअल ट्रेनर मीटअप भारत के 24 शहरों में आयोजित किए जाएंगे, जिनमें नई दिल्ली का लोधी गार्डन, पैसिफिक मॉल और वुडलैंड पार्क, मुंबई का हॉर्निमन सर्कल गार्डन, नवी मुंबई का ऐरोली, पुणे का सारसबाग, गुरुग्राम का एंबिएंस मॉल, जयपुर का वर्ल्ड ट्रेड पार्क, बेंगलुरु का कब्बन पार्क, कानपुर का कारगिल पार्क, चंडीगढ़ का जाकिर हुसैन रोज़ गार्डन, अगरतला का चिल्ड्रन पार्क, बर्धमान का मालिर मठ, दुर्ग का एन.एन पार्क, वडोदरा का कामतीबाग, इंदौर का लालबाग गार्डन, कोलकाता का लेयेलका मठ, सरसुना कॉलेज और रवीन्द्र सरोवर झील में लायंस सफारी पार्क, वाराणसी का आईपी सिगरा मॉल, पटना का विज्ञान केंद्र, चेन्नई का अन्ना नगर में स्थित टॉवर पार्क और वेल्लोर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में क्लॉक कोर्ट, हैदराबाद का इंदिरा पार्क, शांतिपुर का सार्वजनिक पुस्तकालय खेल का मैदान, लखनऊ का फन रिपब्लिक मॉल, अहमदाबाद का अहमदाबाद वन मॉल, विशाखापत्तनम का केंद्रीय उद्यान और तिरुवनंतपुरम का नेपियर संग्रहालय शामिल हैं।

मोदी ने मेक्सिको में बनी पहली महिला राष्ट्रपति को दी बधाई

नई दिल्ली, 6 जून (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मेक्सिको मे पहली बार महिला राष्ट्रपति बनी क्लाउडिया शिनबाम को गुरुवार को बधाई दी। इस देश के 200 साल के इतिहास में यह पहला मौका है जब किसी महिला ने देश के राष्ट्रपति पद की बागडोर संभाली है।

श्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में आज कहा कि वह दोनों देशों के बीच निरंतर द्विपक्षीय सहयोग की उम्मीद करते हैं। मेक्सिको की पहली महिला राष्ट्रपति क्लाउडिया शिनबाम को बधाई। यह मेक्सिको के लोगों के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर है। उन्होंने कहा कि निरंतर सहयोग और साझा प्रगति की उम्मीद है। मेक्सिको सिटी की पूर्व मेयर 61 वर्षीय शिनबाम ने रविवार के चुनाव में 58 से 60 प्रतिशत वोट हासिल किए।

बाइडेन ने मोदी को जीत के लिए दी बधाई

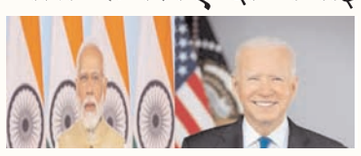

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति बाइडेन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राजग को भारत के आम चुनाव में उनकी ऐतिहासिक जीत पर बधाई दी है।

व्हाइट हाउस की ओर से जारी बयान के मुताबिक बाइडेन ने मानव इतिहास की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भाग लेने के लिए भारत के लोगों की भी सराहना की, जिसमें लगभग 65 करोड़ लोगों ने मतदान किया। बयान में कहा गया कि दोनों नेताओं ने अमेरिका-भारत व्यापक और वैश्विक रणनीतिक साझीदारी को गहरा करने और स्वतंत्र, खुले और समृद्ध भारत-प्रशांत क्षेत्र के अपने साझा दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने की अपनी प्रतिबद्धता पर जोर दिया।

नई सरकार के गठन के बाद भारत आएंगे अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार

वाशिंगटन, 6 जून (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लगातार तीसरी बार पदभार संभालने के बाद नई सरकार से बातचीत के लिए अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) जैक सुलिवन भारत दौरे पर आएंगे।

राष्ट्रपति जो बाइडेन ने जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लोकसभा चुनाव में एनडीए की जीत पर बधाई देने के लिए उन्हें फोन किया था, तो उन्होंने सुलिवन के दौरे पर भी चर्चा की थी। व्हाइट हाउस ने एक बयान में कहा कि राष्ट्रपति जोसेफ बाइडेन जूनियर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भारत के आम चुनावों में उनकी और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की जीत पर बधाई देने के लिए उन्हें फोन किया था। बयान में कहा गया है कि दोनों नेताओं ने अमेरिका-भारत संबंधों और वैश्विक रणनीतिक सहयोग को मजबूत करने तथा एक स्वतंत्र, मुक्त और समृद्ध हिंद-प्रशांत क्षेत्र के अपने साझा विजन को आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता पर जोर दिया। राष्ट्रपति जो बाइडेन ने एक्स पर एक पोस्ट में भारत और अमेरिका की दोस्ती की सराहना की। विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकेन सहित अमेरिकी प्रशासन के दूसरे वरिष्ठ सदस्यों ने भी पीएम मोदी को बधाई दी। प्रधानमंत्री ने राष्ट्रपति बाइडेन के पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि वह अपने 'मित्र' की कॉल आने पर खुश हैं।

हालांकि सुलिवन के दौरे की घोषणा कर दी गई है, लेकिन तारीख अभी तय नहीं है। उम्मीद की जा रही है कि प्रधानमंत्री के शपथ ग्रहण के चंद दिनों के भीतर वह नई दिल्ली की यात्रा पर रवाना होंगे। पीएम मोदी के 9 जून को तीसरी बार शपथ लेने की संभावना है। व्हाइट हाउस के बयान में कहा गया है कि इस साल जबरदस्त लू के बावजूद अपना वोट डालकर भारत के लोगों ने एक बार फिर लोकतांत्रिक प्रक्रिया के प्रति अपनी प्रतिबद्धता का इजहार किया है।

सोनी सब के 'वंशज' की शूटिंग के दौरान मज़ेदार और यादगार पलों को किया साझा

मुंबई। सोनी सब का शो 'वंशज' युविका महाजन (अंजलि तत्रारी) की कहानी दर्शाता है, जो विरासत से संबंधित पारंपरिक मानदंडों के खिलाफ लड़ रही है। यह प्रबल ड्रामा कुछ हल्के-फुल्के मोड़ भी लेता है क्योंकि स्क्रीन पर सृष्टि वर्मा के चालाक और नकारात्मक किरदार को निभाते हुए, उत्कर्षा नाइक अपनी भूमिका में ह्यूमर शामिल करती हैं, और ऑफस्क्रीन एक मज़ेदार माहौल बनाती हैं। नकारात्मक लेकिन मज़ेदार किरदार सृष्टि वर्मा की भूमिका निभा रही, उत्कर्षा नाइक अपने संवादों और स्क्रिप्ट में सहज रूप से मज़ेदार बातें जोड़कर सेट में उत्साहजनक माहौल बना देती हैं। हिंदी हार्टलैंड की एक बुद्धिमान, चालाक और प्रभावशाली राजनीतिक फिक्सर के रूप में, उत्कर्षा ने सेट की एक मज़ेदार घटना के बारे में बताया, जिसने पूरी कास्ट और क्रू को हैरान कर दिया था। एक सीन में, डीजे की योजना के तहत, उसकी मां गार्गी (परिणीता सेठ) अपनी बेटी मिराया (गीतांजलि मंगल) की सुरक्षा गार्ड निखिल (आर्यन अरोड़ा) से शादी का समर्थन करने का नाटक करती है।

आज का इतिहास

1539- चौसा के युद्ध में शेरशाह सूरी ने मुगल शासक हुमायूं को हराया।
1557 - इंग्लैंड ने फ्रांस के खिलाफ युद्ध की घोषणा की ।
1692- कैरिबियाई देश जमाइका के पोर्ट रॉयल में भूकंप से करीब तीन हजार लोगों की मौत।
1780 - लंदन में एंटी-कैथोलिक दंगों में लगभग 100 लोगों की मौत।
1801- पुर्तगाल और स्पेन ने बदाजोज़ की संधि पर हस्ताक्षर किए, जिसके परिणामस्वरूप पुर्तगाल ने ओलिवेन्झा शहर को खो दिया।
1862- अमेरिका और ब्रिटेन दास व्यापार खत्म करने पर राजी हुए।
1892 - मिनियापोलिस में रिपब्लिकन सम्मेलन शुरू हुआ।
1893 - महात्मा गांधी ने दक्षिण अफ्रीका में पहली बार सविनय अवज्ञा का प्रयोग किया ।
1898 - अमेरिका की सामाजिक लोकतंत्र पार्टी का पहला राष्ट्रीय सम्मेलन शिकागो में।
1939 - जार्ज षष्टम और एलिजाबेथ ब्रिटेन के पहले राजा-रानी बने, जिन्होंने अमेरिका का दौरा किया।
1948 - वामपंथियों ने पूरी तरह से चेकोस्लोवाकिया पर कब्जा कर लिया।
1954 - कंप्यूटर वैज्ञानिक एलन ट्यूरिंग ने आत्महत्या की।
1967--छह दिवसीय युद्ध के दौरान, इजराइल के सैनिक यरुशलम में घुसे।
1971 - विश्व स्वास्थ्य संगठन ने तत्कालीन पूर्वी पाकिस्तान से लगे भारत के सीमावर्ती इलाकों में हैजे से तीन हजार लोगों की मौत की पुष्टि की।
1974 - भारतीय टेनिस खिलाड़ी महेश भूपति का जन्म।
1975- राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार को राष्ट्रीय फिल्म उत्सव में बदला गया और कमल के फूल का इसका प्रतीक चिन्ह बनाया गया ।

सुधार *एशिया में भारत के अलावा आर्मेनिया ने की है प्रगति*

भारत में बच्चों के भोजन से संबंधित गंभीर गरीबी में आई कमी : यूनिसेफ

नई दिल्ली, 6 जून (एजेंसियां)। बच्चों के लिए काम करने वाली संयुक्त राष्ट्र की संस्था यूनिसेफ ने अपनी वैश्विक रिपोर्ट में कहा है कि भारत ने पिछले दशक में बच्चों के भोजन से संबंधित गंभीर गरीबी के मामले में गरीब और अमीर परिवारों के बीच असमानताओं को कम से कम पांच प्रतिशत कम करने में सफलता पाई है। 'बाल खाद्य गरीबी : बचपन के शुरुआती दिनों में पोषण का अभाव' रिपोर्ट से पता चला है कि भारत उन 20 देशों में शामिल है,जहां 2018-2022 के बीच बच्चों के भोजन से संबंधित गंभीर गरीबी में रहने वाले कुल बच्चों की संख्या का 65 प्रतिशत निवास करती है।

इसमें शामिल अन्य देशों में अफगानिस्तान (49 प्रतिशत), बांग्लादेश (20 प्रतिशत), चीन (10 प्रतिशत) और पाकिस्तान (38 प्रतिशत) शामिल हैं। लगभग 100 देशों के आंकड़ों पर आधारित संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट में कहा गया है कि वैश्विक स्तर पर लगभग 18.1 करोड़ बच्चे या पांच वर्ष से कम आयु के चार में से एक बच्चे को भोजन संबंधी गंभीर गरीबी का सामना करना पड़ रहा है। इनमें से लगभग 6.4 करोड़ प्रभावित बच्चे दक्षिण एशिया से और 5.9 करोड़ अफ्रीका के उप-सहारा क्षेत्र से हैं।

भारत उन 11 देशों में शामिल है जहां स्थिति में सुधार हुआ

रिपोर्ट में यह बात सामने आई है कि भारत उन 11 देशों में शामिल है जहां स्थिति में सुधार हुआ है।

बाल खाद्य गरीबी से मतलब है बचपन में पौष्टिक और विविध आहार से बच्चों का वंचित रहना व उसके उपभोग में असमर्थ होना : यूनिसेफ

एशिया में भारत के अलावा आर्मेनिया ने प्रगति की है। इसके साथ ही इनमें अफ्रीका में बुर्किना फासो, कोट डी आइवर, डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो, डोमिनिकन रिपब्लिक, गिनी, लेसोथो, लाइबेरिया, सेनेगल और सिएरा लियोन का नाम शामिल है।

यूनिसेफ की कार्यकारी निदेशक कैथरीन रसेल ने कहा कि गंभीर खाद्य गरीबी में रहने वाले बच्चे हाशिए पर रहने वाले बच्चे हैं। लाखों छोटे बच्चों की यह वास्तविकता उनके अस्तित्व, विकास और मस्तिष्क के विकास पर अपरिवर्तनीय नकारात्मक प्रभाव डालती हैं। जो बच्चे प्रतिदिन केवल दो खाद्य समूह - उदाहरण के लिए चावल और थोड़ा दूध - खाते हैं, उनमें गंभीर कुपोषण की संभावना 50 प्रतिशत तक अधिक होती है।

यूनिसेफ के अनुसार, बाल खाद्य गरीबी से मतलब है बचपन में पौष्टिक और विविध आहार से बच्चों का वंचित रहना और उसके उपभोग असमर्थ होना।

संयुक्त राष्ट्र एजेंसी आठ मुख्य खाद्य समूहों में से प्रतिदिन पांच खाने की सिफारिश करती है।

दुनिया को जानें

एनर्जी ड्रिंक्स के सेवन से कार्डियक एरिथमिया का खतरा : शोध

नई दिल्ली, 6 जून (एजेंसियां)। एक शोध में यह बात सामने आई है कि एनर्जी ड्रिंक्स पीने वालों में हार्ट डिजीज का खतरा बढ़ जाता है, खास कर 'कार्डियक एरिथमिया' का खतरा जो एक अनियमित हार्ट बीट कंडीशन है। अमेरिका के मेयो क्लिनिक के शोधकर्ताओं ने कहा कि इन पेय पदार्थों में कैफीन की मात्रा अधिक होने तथा अतिरिक्त अनियमित तत्वों के कारण हार्ट रेट, ब्लड प्रेशर और कार्डियक कॉन्ट्रैक्टिलिटी (हृदय संकुचनशीलता) में परिवर्तन हो सकता है।

शोध में कहा गया कि एनर्जी ड्रिंक्स में प्रति सर्विंग 80 मिलीग्राम से 300 मिलीग्राम तक कैफीन होता है, जबकि 8 औंस के ब्रू कॉफी के कप में 100 मिलीग्राम होता है। हालांकि, इनमें से कई एनर्जी ड्रिंक्स में कैफीन के अतिरिक्त टॉरिन और ग्वाराना जैसे उत्तेजक पदार्थ शामिल होते हैं, जिन पर अमेरिकी खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने प्रतिबंध लगा दिया है। हार्ट रिदम पत्रिका में प्रकाशित अध्ययन में मेयो क्लिनिक में अचानक हृदयाघात से बचे 144 लोगों के एक समूह का परीक्षण किया गया, जिनमें से सात रोगियों (5 प्रतिशत) ने हृदयाघात के समय एक या एक से अधिक एनर्जी ड्रिंक्स का सेवन किया था।

प्रादेशिकी

सीआईएसएफ जवान की गिरफ़्तारी गलत : सरवन सिंह पंधेर

चंडीगढ़। शंभू बॉर्डर पर आन्दोलनरत किसान नेता सरवन सिंह पंधेर ने चंडीगढ़ हवाई अड्डे पर एक महिला सुरक्षाकर्मी कुलविंदर कौर के अभिनेत्री व सांसद कंगना रनौत को थप्पड़ मारने की घटना को लेकर कुलविंदर की गिरफ़्तारी को गलत बताया। उन्होंने मीडिया को दिए बयान में कहा कि कंगना की किसानों, महिलाओं के खिलाफ टिप्पणियां आई हैं, जो लोगों को भावनाएं आहत करने वाली हैं। उन्होंने कहा कि वह घटना को सही नहीं ठहरा रहे लेकिन यह पहली घटना नहीं है और लोग राजनीतिज्ञों के खिलाफ अपना गुस्सा निकालते रहते हैं। लेकिन इसमें कुलविंदर कौर को गिरफ्तार करने या कोई कार्रवाई करने की कोई जरूरत नहीं थी। उन्होंने कहा कि किसान संगठन इस विषय पर बात करेंगे और कोई फैसला लेंगे।

जयराम दिन में देख रहे सपने, पांच साल चलेगी कांग्रेस सरकार : अनिरूद्ध सिंह

शिमला, 6 जून (देशबन्धु)। ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री अनिरूद्ध सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू के नेतृत्व में वर्तमान कांग्रेस सरकार अपना पांच वर्ष का कार्यकाल पूरा करेगी। उन्होंने कहा कि नेता प्रतिपक्ष जय राम ठाकुर मुंगेरी लाल के सपने देख रहे हैं

■भाजपा सरकार बनाने की तारीख पर तारीख दे रहे जय राम

और भाजपा सरकार बनाने की तारीख पर तारीख दे रहे हैं।

अनिरूद्ध सिंह ने कहा कि प्रदेश के मतदाताओं ने कांग्रेस को पांच साल तक हिमाचल प्रदेश में सरकार चलाने का जनादेश दिया है और कांग्रेस सरकार पूरी तरह से मजबूत है। उपचुनाव की चार सीटें जीतने के बाद विधानसभा में कांग्रेस के विधायकों की संख्या 34 से बढ़कर 38 हो गई है और प्रदेश के मतदाताओं ने खरीद-फरोख्त की राजनीति को करारा जवाब दिया है। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश ही नहीं बल्कि देश के अन्य राज्यों में भी जहां भाजपा ने धनबल से चुनी हुई सरकार को गिराने का प्रयास किया, वहां भाजपा को नुकसान उठाना पड़ा है। उन्होंने कहा कि देशभर में भाजपा की खरीद-फरोख्त की राजनीति मतदाताओं को रास नहीं आई है और भाजपा को इससे सबक सीखना चाहिए।

ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री ने कहा कि 4 जून को दो सरकारें बनाने के जय राम ठाकुर के दावे धरे के धरे रह गए और अब भाजपा नेताओं ने जय राम ठाकुर के फैसलों पर खुले मंच से सवाल उठाना शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा कि जय राम ठाकुर कांग्रेस सरकार की चिंता छोड़कर अपनी कुर्सी की चिंता करें। उन्होंने कहा कि भाजपा का 400 पार का नारा भी फेल हो गया, जिससे साबित होता है कि भाजपा से देश की जनता का मोहभंग हो गया है। उन्होंने कहा कि अब एनडीए सरकार में सहयोगी दलों ने भी भाजपा को आंखें दिखाना शुरू कर दिया है।

विकासात्मक कार्यों को गति प्रदान करें अधिकारी: विक्रमादित्य सिंह

शिमला। लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने आज यहां विभाग के अधिकारियों के साथ प्रदेश में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना तथा नाबार्ड के तहत किए जा रहे विकासात्मक कार्यों की समीक्षा के लिए आयोजित बैठक की अध्यक्षता की। उन्होंने अधिकारियों को प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना-1 व 2 के सभी कार्यों को जून 2024 तक पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नाबार्ड 24 और 25 भागों के कार्यों की भौतिक एवं वित्तीय दावों की औपचारिकताएं जून 2024 तक पूर्ण की जाएं ताकि इन कार्यों को शीघ्र आरंभ किया जा सके। लोक निर्माण मंत्री ने अधिकारियों को नाबार्ड भाग-29 तथा प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना भाग-3 के कार्यों को शुरू करने के लिए स्वीकृति पत्र इस सप्ताह के अंत तक जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में कार्यान्वित की जा रही सभी विकासात्मक परियोजनाओं का हर स्तर पर नियमित निरीक्षण कर इसकी रिपोर्ट प्रमुख अभियंता को प्रस्तुत करनी सुनिश्चित करें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी निर्माण कार्यों को निर्धारित समय अवधि के भीतर पूर्ण किया जाए निर्माण कार्य में देरी करने वाले ठेकेदारों के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि अधिशाषी अभियंता स्तर पर एफआरए और एफसीए से संबंधित स्वीकृतियां लेने के मामलों की प्रक्रिया को गति प्रदान की जाए तथा निर्माण कार्यों में गुणवत्ता का ध्यान रखा जाए। बैठक में प्रमुख अभियंता लोक निर्माण एन.पी. सिंह, संयुक्त सचिव लोक निर्माण सुरजीत सिंह राठौर तथा विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

सहस्त्रताल रेस्क्यू में लापता चार ट्रैकर्स शव को किया एयरलिफ़्ट

उत्तरकाशी, 6 जून (देशबन्धु)। सिल्ला-कुशकल्याण- सहस्त्रताल ट्रैक पर फंसे पर्यटकों की खोज एवं बचाव के लिए संचालित अभियान आज संपन्न हो गया है। इस रेस्क्यू अभियान में तेरह ट्रैकर्स को गत दिवस सुरक्षित निकाल लिया गया था। गुरूवार को दूसरे दिन प्रात: अभियान की शुरूआत करते हुए वायु सेना के दो चीता हेलीकॉप्टर्स के जरिए घटनास्थल से चार शवों को निकाल कर नटीण हेलीपैड लाया गया। इस प्रकार, हादसे में मरने वाले ट्रैकर्स की संख्या नौ हो गई है। उधर, मुख्यमंत्री पुष्कर

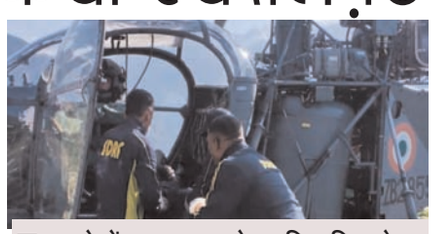

■ हादसे में घटनास्थल से सुरक्षित निकाले गए 8 लोगों को गत दिवस देहरादून भेजा गया

सहस्त्रताल सर्च एंड रेस्क्यू ऑपरेशन संपन्न

सिंह धामी सिल्ला-कुशकल्याण-सहस्त्रताल ट्रैक पर फंसे पर्यटकों की खोज एवं बचाव के लिए संचालित रेस्क्यू अभियान पर निरंतर नजर रखे रहे। उन्होंने रेस्क्यू अभियान में हर संभव विकल्पों और संसाधनों का प्रयोग करने की हिदायत दी थी।

रेस्क्यू टीमें अभी तक 4 शवों को खोज कर वापस लाई है। हादसे में घटनास्थल से सुरक्षित निकाले गए 8 लोगों को गत दिवस देहरादून भेजा जा चुका है। जबकि यहां रूके पांच अन्य ट्रैकर्स को आज देहरादून भेजा जा रहा है। घटनास्थल से बरामद सभी नौ शवों को नटीण हेलीपैड से जिला अस्पताल उत्तरकाशी लाकर पोस्टमॉर्टम की कार्रवाई की जा रही है। कुछ देर बाद इन सभी शवों को वायु सेना के एमआई-17 हेलीकॉप्टर से देहरादून भेजा जाएगा। गुरूवार की सुबह घटनास्थल से एसडीआरएफ के तीन रेस्क्यूअर्स को भी हेलीकॉप्टर की मदद से नटीण लाया गया है और रेस्क्यू के लिए जमीनी रास्ते से आगे बढ रही टीमों को भी वापस लाने की कार्रवाई चल रही है। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देशों पर हादसे की सूचना मिलते ही रातोंकृरात वायु सेना से लेकर निजी कंपनियों के हेलीकॉप्टर्स जुटाने के साथ ही उच्च हिमालयी क्षेत्रों में रेस्क्यू करने में दक्ष व अनुभवी रेस्क्यूअर्स की अनेक टीमों को तैयार कर अगले दिन तड़के ही कई दिशाओं से जमीनी व हवाई रेस्क्यू अभियान शुरू कर दिया गया और दोपहर होने तक सभी जीवित ट्रैकर्स को सुरक्षित निकाल लिया गया था। मुख्यमंत्री शुरू से इस अभियान को लेकर निरंतर जिलाधिकारी से अपडेट लेते रहे। मुख्यमंत्री ने इस हादसे में ट्रैकर्स की मौत होने पर गहरा दु:ख व्यक्त करते हुए अधिकारियों को इस रेस्क्यू अभियान में हर संभव विकल्पों पर कार्रवाई करने के साथ ही उत्कृष्ट संसाधनों एव विशेषज्ञ रेस्क्यूअर्स को जुटाने के निर्देश देते हुए कहा था कि सहस्त्रताल क्षेत्र में फंसे जीवित पर्यटकों के जीवन के रक्षा के लिए कोई भी कसर न रखी जाए।

सार संक्षेप

15 से 18 जून तक होगा अंतरराष्ट्रीय शिमला ग्रीष्मोत्सव आयोजन

शिमला। अंतरराष्ट्रीय शिमला ग्रीष्मोत्सव 2024 इस वर्ष 15 से 18 जून तक ऐतिहासिक रिज मैदान पर आयोजित किया जाएगा। यह जानकारी शिमला ग्रीष्मोत्सव समिति के अध्यक्ष अनुपम कश्यप ने गुरुवार यहां बचत भवन में शिमला ग्रीष्मोत्सव के आयोजन के संबंध में आयोजित बैठक की अध्यक्षता करते हुये दी। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री सुखाश्रय योजना के तहत चिल्ड्रन ऑफ द स्टेट घोषित अनाथ बच्चों के लिये ग्रीष्मोत्सव के दौरान एक दिन समर्पित रहेगा, जिसमें वह अपनी प्रस्तुति भी देंगे। उन्होंने बताया कि हिमाचली फूड फेस्टिवल का आयोजन किया जायेगा, जिसमें विभिन्न क्षेत्रों के खाद्य पदार्थों का फ्यूज़न देखने को मिलेगा। उन्होंने बताया कि चार दिवसीय शिमला ग्रीष्मोत्सव के दौरान हर दिन स्कूली बच्चों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के अतिरिक्त शाम को सुप्रसिद्ध कलाकारों की आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देखने को मिलेंगी। इसके अतिरिक्त, पर्यटकों के लिए चित्रकला प्रतियोगिता, सड़क सुरक्षा बार जागरूकता, प्राकृतिक फ्लावर शो इत्यादि का भी आयोजन किया जायेगा। ग्रीष्मोत्सव में तीन श्रेणियों में हेल्दी बेबी कम्पटीशन का भी आयोजन होगा, जिसमें नवजात से लेकर एक वर्ष की आयु, एक वर्ष से लेकर तीन वर्ष की आयु और तीन वर्ष से पांच वर्ष तक की आयु सीमा शामिल रहेगी।

लू से निपटने के लिए व्यापक उपाय : टी.वी.एस.एन. प्रसाद

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्य सचिव टी.वी.एस.एन. प्रसाद ने कहा कि राज्य सरकार ने लू के प्रभाव को कम करने और आमजन के स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिये व्यापक उपाय किये हैं। राजस्व और आपदा प्रबंधन विभाग ने सभी उपायुक्तों और हितधारक विभागों के प्रशासनिक सचिवों को विस्तृत निर्देश जारी किये हैं। इनमें लू से निपटने के लिये प्रभावी रणनीति की आवश्यकता और कार्यों की निगरानी के लिये नोडल अधिकारी नामित करने पर बल दिया गया है। इसके अलावा, राज्य सरकार ने जलवायु परिवर्तन पर ड्राफ्ट एक्शन प्लान भी तैयार कर लिया है, जिसे शीघ्र ही केन्द्र सरकार को भेजा जायेगा। इसके अलावा, जलाशयों की गाद निकालने के लिये जल्द ही एक कार्य-योजना लागू की जायेगी। श्री प्रसाद ने यह जानकारी गुरुवार को केंद्रीय कैबिनेट सचिव की अध्यक्षता में नेशनल क्राइसिस मैनेजमेंट कमेटी (एन.सी.एम.सी.) की बैठक में भाग लेने के बाद दी। यह बैठक देश के कई हिस्सों में चल रही लू की स्थिति से निपटने के लिये की गयी तैयारियों और प्रतिक्रिया उपायों की समीक्षा के लिए बुलायी गयी थी। उन्होंने बताया कि जनस्वास्थ्य विभाग द्वारा जिला स्तर पर कंट्रोल रूम स्थापित किए गए हैं।

सुडोकू 6578 का हल

4	5	7	9	6	1	3	8	2
6	3	8	4	2	5	7	1	9
1	2	9	3	7	8	5	4	6
3	4	5	7	8	6	9	2	1
7	8	1	5	9	2	4	6	3
9	6	2	1	4	3	8	7	5
2	7	3	6	5	4	1	9	8
5	9	6	8	1	7	2	3	4
8	1	4	2	3	9	6	5	7

अपर मुख्य सचिव ने कई विभागों की ली समीक्षा बैठक

सरकारी कार्यालयों का अधिक से अधिक कार्य ई-ऑफिस के माध्यम से हों : वर्धन

■ अमरनाथ तिवारी

देहरादून, 6 जून (देशबन्धु)। अपर मुख्य सचिव आनन्द वर्धन की अध्यक्षता में गुरुवार को सचिवालय में विभिन्न विभागों में संचालित

■ पर्यटन की दृष्टि से महत्वपूर्ण स्थलों में हवाई सेवा विकसित करने के दिए निर्देश

योजनाओं के क्रियान्वयन के सम्बन्ध में एक समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में अपर मुख्य सचिव बर्द्धन को अधिकारियों ने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से समस्त जनपदों में हवाई सम्पर्क सैचुरेशन, असुरक्षित पुलों से छुटकारा, सड़कों में क्रैश बैरियर का निर्माण, विद्यालयों में आवश्यक फर्नीचर की आपूर्ति, चरणबद्ध रूप से सोलर एनर्जी सिस्टम से सैचुरेशन, सरकारी कार्यालयों में चरणबद्ध ई-आफिस का क्रियान्वयन, भू-अभिलेख व अन्य शासकीय अभिलेखों का चरणबद्ध रूप से डिजिटाईजेशन, प्रदेश में कृषि, उद्यान व वन विभाग के अन्तर्गत चरणबद्ध रूप से बायो-फैन्सिंग सैचुरेशन, स्वरोजगार केन्द्रों की स्थापना एवं सुदृढ़ीकरण, ग्राम पंचायतों में पंचायत भवनों की स्थापना, पुस्तकालयों की स्थापना एवं सुदृढ़कीकरण, प्रदेश के प्रत्येक जिले में थीम बेस्ड विज्ञान व नवाचार केन्द्रों की स्थापना व सुदृढ़ीकरण, इण्डोर व ओपन स्टेडियम की स्थापना व सुदृढ़ीकरण, जनपद मुख्यालयों में आडिटोरियम व संस्कृति केन्द्रों की स्थापना एवं सुदृढ़ीकरण आदि के सम्बन्ध में विस्तार से जानकारी दी। बैठक में समस्त जनपदों में हवाई सम्पर्क सैचुरेशन के सम्बन्ध में विस्तार से जानकारी देते हुए अधिकारियों ने बताया कि हेलीकाप्टर सेवा सभी जनपदों में सैचुरेशन करने का लक्ष्य है, जिस ओर तेजी से कार्य हो रहा है। अपर मुख्य सचिव ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि प्रदेश के पर्यटन की दृष्टि से महत्वपूर्ण स्थलों में हवाई सेवा विकसित की जाए। बैठक में लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों ने असुरक्षित पुलों के सम्बन्ध में बताया कि प्रदेश में 94 असुरक्षित पुल चिह्नित किए गए हैं, जिनमें से 34 पुलों का जीर्णाद्धार व नवीनीकरण कर दिया गया है तथा शेष सेतुओं का जीर्णाद्धार व नवीनीकरण का कार्य भी यथाशीघ्र कर दिया जाएगा।

250 पंचायत भवनों के निर्माण का रखा लक्ष्य

देहरादून। अपर मुख्य सचिव को बैठक में अधिकारियों ने स्वरोजगार केन्द्रों की स्थापना एव सुदृढ़ीकरण के सम्बन्ध में जानकारी देते हुये बताया कि प्रदेश के 13 इम्प्लाइमेंट केन्द्रों को स्वरोजगार केन्द्रों के रूप में भी विकसित किया जा रहा है तथा इन स्वरोजगार केन्द्रों को लाईब्रेरी, वीडियो कांफ्रेंसिंग आदि सुविधाओं से आच्छादित किया जायेगा। बैठक में पंचायत राज अधिकारियों ने बताया कि इस वर्ष 250 पंचायत भवनों के निर्माण का लक्ष्य रखा है। इस पर अपर मुख्य सचिव ने निर्देश दिये कि इसका पूरा एक्शन प्लान बनाकर उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। बैठक में पुस्तकालयों की स्थापना एवं सुदृढ़कीकरण, विज्ञान व नवाचार केन्द्रों की स्थापना व सुदृढ़ीकरण, इण्डोर व ओपन स्टेडियम की स्थापना व सुदृढ़ीकरण तथा जनपद मुख्यालयों में आडिटोरियम व संस्कृति केन्द्रों की स्थापना आदि की विस्तार से समीक्षा की गयी तथा अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए गए।

विकसित भारत और श्रेष्ठ उत्तराखंड निर्माण के लिए है यह जनादेश: भट्ट

देहरादून, 6 जून (देशबन्धु)। यह लोक सभा चुनाव उत्तराखंड के लिहाज से बेहद अहम है और यह चुनाव ऐतिहासिक होने के साथ विकसित भारत के निर्माण एवं श्रेष्ठ उत्तराखण्ड की दिशा में आगे बढ़ने का जनादेश है। यह बात भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष महेन्द्र भट्ट द्वारा पत्रकार वार्ता के दौरान कही गयी। उन्होने भाजपा संगठन मातृ शक्ति, युवाओं, बुजुर्गों, सैनिकों एवम पूर्व सैनिकों, किसानों, श्रमिकों, सरकारी एवम गैर सरकारी कर्मचारियों समेत समाज के सभी वर्गों को उनके अमूल्य समर्थन के लिए

■ डबल इंजन सरकार के कामों पर जनता ने लगाई मुहर

आभार जताया। भट्ट ने कहा कि यह जनादेश बताता है कि प्रधानमंत्री मोदी एवं भाजपा देश की जनता का दिल जीतने में सफल रहे हैं। 1962 के बाद पहली बार देश में कोई गठबंधन लगातार तीसरी बार जनता का विश्वास जीतने में सफल रहा है। यह जनादेश, देवभूमि की महान जनता द्वारा राज्य की पांचों सीटों पर कमल खिलाने की हैट्रिक लगाने के लिए भी याद किया जाएगा । इसके अलावा यह जातिवादी, तुष्टिकरण वाली और हवा हवाई घोषणाओं की आड़ में सत्ता हथियाने वालों की साजिश के असफल करने के लिए है। वहीं भ्रष्टाचार, परिवारवाद और राष्ट्रविरोधी ताकतों को परास्त करने के लिए है। उन्होने कहा कि यह जनादेश पीएम मोदी के मार्गदर्शन और सीएम धामी के नेतृत्व में राज्य की डबल इंजन सरकार के कामों पर जनता का आशीर्वाद है। वहीं राज्य के तीव्र गति से विकास मार्ग पर आगे बढ़ने और देवभूमि का स्वरूप बनाए रखने वाले साहसिक निर्णयों के पक्ष में है। जनता ने डबल इंजन सरकार के कार्यों पर मुहर लगाई

है वही राज्य में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा लिये कड़े साहसिक निर्णयों एवं प्रदेश के हुए चौमुखी विकास पर जनता ने अपनी मुहर लगाकर आशीर्वाद दिया है। अब तक सामने आए आंकड़े भी हमारे लिए संतोषजनक और उत्साहवृद्धन करने वाले हैं। भट्ट ने कहा कि 2022 में संपन्न हुए अंतिम चुनावों के मुकाबले इस बार के लोकसभा चुनाव में हम कुल 60 विधानसभा में आगे रहे हैं। जो पिछली 47 सीटों के मुकाबले 13 अधिक है। वहीं दो लोकसभा पौड़ी एवं अल्मोड़ा की सभी 14 विधानसभा में हम आगे रहे है। नैनीताल लोकसभा क्षेत्र में मात्र 1 विधानसभा में हम पीछे रहे। टिहरी लोकसभा सीट पर 11 विधानसभा में हमने जीत दर्ज की है।

मंत्री जोशी ने पुरुकुल-किमाड़ी मोटर मार्ग का लिया जायजा

देहरादून, 6 जून (देशबन्धु)। ग्राम्य विकास मंत्री गणेश जोशी ने गुरूवार को देहरादून के पुरुकुल-किमाड़ी मोटर मार्ग का निरीक्षण किया। ग्रामीणों की कई शिकायतों के बाद मंत्री ने अधिकारियों को फटकार लगाई और मौके पर उपस्थित अधीक्षण अभियंता को साईट इंचार्ज कनिष्ठ अभियंता से स्पष्टीकरण तलब करने के निर्देश दिये। ग्राम्य विकास मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का संकल्प है कि 250 निवासी संख्या तक की बसावटों को मुख्य सड़क से जोड़ा जाए ताकि ग्रामीणों को इसका लाभ मिला। उन्होंने केन्द्र सरकार का आभार प्रकट करते हुए कहा कि हमें केन्द्र से विशेष सहयोग प्रदान किया है। हमें पिछले दो वर्षो में 112 सड़कों के लिए लगभग दो हजार करोड़ की धनराशि उपलब्ध हुई है। निरीक्षण के दौरान ग्राम्य विकास मंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सड़क कटान के दौरान जहां पर सुरक्षात्मक कार्य एवं तारजाल लगाना आवश्यक हो, ऐसे स्थान पर आवश्यक रुप

प्रधानमंत्री मोदी का संकल्प है कि 250 निवासी संख्या तक की बसावटों को मुख्य सड़क से जोड़ा जाए : ग्राम्य विकास मंत्री

से सुरक्षात्मक कार्य एवं तारजाल जाए। उन्होंने कहा कि खेतों में मिट्टी न डाले और सड़क निर्माण के दौरान क्षतिग्रस्त पेयजल लाईनों को तत्काल दुरुस्त करने के निर्देश दिये। मंत्री ने बताया कि लगभग 14 करोड़ की लागत से मोटर मार्ग एवं 2.85 करोड़ की लागत से पुल बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि एससीपी के माध्यम से भी भितरली गांव में कई कार्य हुए हैं।

युवकों को विदेश में बंधक बनाकर कराया जा रहा साइबर फ्राड

देहरादून, 6 जून (देशबन्धु)। एजेंट व उसके साथियों ने बैंकॉक से युवकों को अगवा कर बॉर्डर पार कराकर उत्तराखण्ड व अन्य प्रदेश के भारतीय युवको को म्यांमार में बंधक बनाकर साइबर फ्रॉड कराये जाने के प्रकरण को एसएसपी अजय सिंह ने गंभीरता लिया है। एसएसपी देहरादून भारतीय विदेश मंत्रालय,आसूचना ब्यूरो सहित अन्य मुख्य ऐजेन्सियो से सम्पर्क कर युवको को छुडाने हर संभव प्रयास कर रहे हैं।रायवाला के एक युवक को उसके अन्य भारतीय साथियों के साथ विदेश (बैंकॉक) में नौकरी दिलाने के नाम पर उनको म्यांमार में किसी अज्ञात स्थान पर बंधक बनाने व उत्तराखण्ड के अन्य लोगो को भी बंधक बनाये जाने का प्रकरण सज्ञांन में आया है, जिसमें त्वरित कार्रवाई करते हुए थाना रायवाला में मुकदमा दर्ज कराया गया है। इस प्रकरण में विदेश मंत्रालय भारत सरकार ,आसूचना ब्यूरो तथा अन्य सम्बन्धित एजेन्सियो से लगातार समन्वय स्थापित करते हुए युवकों की वापसी के लिये हर सम्भव प्रयास किये जा रहे है। जिया गौतम पुत्री सीताराम गौतम ने वरिष्ठ पुलिस

■ एसएसपी अजय सिंह ने भारत सरकार की एजेन्सियों से किया सम्पर्क
■ परिजनों ने पुलिस ने सरकार से लगाई वापस लाने की गुहार

अधीक्षक देहरादून से मुलाकात कर एक शिकायती प्रार्थना पत्र दिया गया, जिसमें उनका भाई विधान गौतम, जो आईटी सेक्टर में काम करने के लिए माह मार्च 2024 मे दुबई गया था तथा वहाँ से अपने 7 अन्य भारतीय साथियों के साथ माह मई 2024 में घर वापस आ गया था। माह मई 24 में गुजरात निवासी एजेंट जय जोशी ने उनके भाई विधान गौतम को वीडियो कॉल किया तथा उनके भाई व उसके 7 साथियों को थाइलैण्ड मे बडी आईटी कंपनी में जॉब दिलाने व अच्छी सैलरी दिये जाने की बात कह कर वीडियो कॉल के माध्यम से सभी का स्क्रीनिंग टेस्ट लिया गया तथा सभी को बताया की उनका सलेक्शन बैंकॉक की आईटी कम्पनी में हो गया है और बताया कि इंडिया से बैंकॉक, थाइलैण्ड जाने का सारा खर्चा व सुविधाएं कंपनी देगी तथा गत 21 मई 2024 को एजेंट जय जोशी उनके भाई विधान और 7 अन्य साथियों को दिल्ली से लेकर बैंकाक, थाईलैंड पहुंचा। उसके उपरान्त उनका अपने भाई विधान से सम्पर्क नहीं हो पाया, जिसपर उन्होंने जय जोशी से संपर्क किया, तो जय जोशी ने उन्हें गुमराह कर बताया की विधान को अच्छी जॉब मिली है, और वह ज्यादा व्यस्त होने के कारण बात नहीं कर पा रहा है, उसके बाद जय जोशी से उनकी कोई बात नहीं हो पाई।

हरिद्वार में पीडब्ल्यूडी मंत्री ने अधिकारियों संग की बैठक

मॉनसून दस्तक से पहले तैयारी में जुटी सरकार: महाराज

■ 113 बाढ़ चौकियों को 15 जून से पहले सक्रिय करने के दिए निर्देश

हरिद्वार, 6 जून (देशबन्धु)। उत्तराखंड में जल्द ही मॉनसून दस्तक देने वाला है, जिसको लेकर सरकार ने अपनी तैयारियां शुरू कर दी है। सरकार का प्रयास है कि इस बार मॉनसून में जान-माल का कम से कम नुकसान हो। इसी क्रम में गुरुवार 6 जून को सूबे के सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण और हरिद्वार जिले के प्रभारी मंत्री सतपाल महाराज ने हरिद्वार में अधिकारियों के साथ बैठक की और मॉनसून की तैयारियों की समीक्षा की। दरअसल, उत्तराखंड में मॉनसून हर साल आफत बनकर बरसता

है, जिससे करोड़ों रुपए का नुकसान होता है। पिछले साल भी हरिद्वार जिले में मॉनसूनी बारिश ने जमकर कहर बरपाया था। यहीं कारण है कि पिछले हादसों से सबक लेते हुए सरकार इस बार समय से मॉनसून की तैयारियों में जुटी हुई है। गुरुवार को हरिद्वार के सीसीआर भवन में हुई बैठक में मंत्री सतपाल महाराज ने अधिकारियों को जरूरी दिशा-निर्देश भी दिए। मंत्री सतपाल महाराज ने अधिकारियों को मुख्य बाढ़ नियंत्रण कक्ष के साथ-साथ 113 बाढ़ चौकियां भी 15 जून से पहले सक्रिय करने के निर्देश दिए है। इसके अलावा समय से सभी नालों की सफाई जेसीबी कराने को कहा है, ताकि वाटर लॉगिंग न हो और पानी की निकासी आसानी से हो सके। बैठक के स्वास्थ्य सचिव आर राजेश, हरिद्वार जिलाधिकारी धीराज सिंह गर्ब्याल, नगर आयुक्त वरुण चौधरी समेत तमाम विभागों के अधिकारीगण मौजूद रहे। मंत्री सतपाल महाराज ने कहा कि बहुत ही महत्वपूर्ण बैठक हुई है। बैठक में हरिद्वार के भगत सिंह चौक के लिए योजना बनाई गई है। हड़वा नाले के प्रोजेक्ट पर भी चर्चा हुई है, जिस पर प्रमुखता से काम किया जाएगा। ताकि वॉटर लॉगिंग न हो। इसके साथ-साथ बाढ़ नियंत्रण कक्ष 15 जून 2024 तक बना दिए जाएंगे, जो सातों दिन 24 घंटे सक्रिय रहेंगे। इसके अलावा 15 जून से पहले 113 बाढ़ चौकियां भी स्थापित कर ली जाएगी। देहरादून में स्थापित बाढ़ नियंत्रण कक्ष का नंबर 9259144882 भी जारी कर दिया गया है।

हरिद्वार में भगत सिंह चौकी से पानी को डाइवर्ट करना है : डीएम

हरिद्वार, 6 जून (एजेंसियां)। बैठक के बाद हरिद्वार जिलाधिकारी धीरज सिंह गर्ब्याल ने भी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि हरिद्वार में भगत सिंह चौकी से पानी को डाइवर्ट करना है, उसके लिए सिंचाई विभाग ने योजना बना ली है, जिसके शासन को भेज भी दिया गया है। शासन में भी इस पर मीटिंग हो चुकी है। शासन की तरफ से कुछ सुझाव दिए गए है, उन पर दोबारा से विचार करके रिपोर्ट जल्द ही शासन को भेजी जाएगी। हरिद्वार जिलाधिकारी ने उम्मीद जताई है कि जल्द ही शासन ने 115 लाख की इस योजना को स्वीकृति मिलेगी। वहीं उन्होंने बताया कि बीते साल देहात क्षेत्र में जिस तरह की परेशानी आई थी, उसको ध्यान में रखाकर इस बार काम किया जा रहा है। जिन जगहों पर नहरों की सफाई सालों से नहीं हुई है, उनको देखा जा रहा है। वहीं शहरी क्षेत्रों में भी नगर पालिका और नगर निगम के माध्यम से नहरों और नालों की सफाई कराई जा रही है, ताकी जल भराव की समस्या न के बराबर हो।

प्रादेशिकी

महिला एवं बाल अपराधों के अभियुक्तों को शीघ्र सजा दिलवाने के निर्देश

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यानाथ ने प्रभावी पैरवी कर महिला एवं बाल अपराधों में अभियुक्तों को शीघ्र सजा दिलवाने के निर्देश दिये है। अपर पुलिस महानिदेशक, अभियोजन दिपेश जुनेजा ने गुरुवार को बताया कि अभियोजन निदेशालय ने वीडियो कान्फ्रेंन्सिंग की सुविधा का उपयोग करते हुए साक्षियों का बयान दर्ज करने के लिये प्रयास शुरू किये है। इस सिलसिले में पिछले महीने के दूसरे पखवाड़े मे 275 साक्षियों का साक्ष्य विभिन्न जिलों में वीडियों कान्फ्रेंन्सिंग के जरिये करवाया गया है। उन्होने बताया कि वीडियों कान्फ्रेंन्सिंग के माध्यम से साक्षियों का बयान दर्ज करने पर जन सामान्य की कठिनाईयां दूर होगी। न्यायालय के समय के साथ साथ साक्षियों के समय एवं शासकीय धन की भी बचत होगी, रिटायर्ड सरकारी कर्मियों की गवाही का प्रतिशत और अधिक बढ़ेगा एवं उन्हे अन्य जिलों में गवाही के लिये परेशान नही होना पड़ेगा।

2027 में भाजपा विपक्ष में बैठने लायक भी नहीं बचेगी : अवधेश प्रसाद

लखनऊ, 6 जून (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी से फैजाबाद से लोकसभा चुनाव जीतने वाले अवधेश प्रसाद ने भाजपा पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव में भाजपा ने सारे हथकंडे अपनाए, लेकिन कुछ कर नहीं पाए। उन्होंने दावा किया कि 2027 में भाजपा विपक्ष में बैठने के लायक भी नहीं बचेगी। भाजपा के पतन की शुरुआत अयोध्या से हो गई है। सपा के नवनिर्वाचित नेता अवधेश प्रसाद ने गुरुवार को पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि जो राम को लाए हैं, हम उनको लायेंगे। यह नारा पूरी तरह फेल हो गया। राम इस दुनिया में पहले से हैं और हर जगह हैं। राम सबके दिल में पहले से हैं। भाजपा के अहंकार को जनता ने खत्म कर दिया है। 2027 में सपा एक बड़ी जीत दर्ज करेगी। भाजपा विपक्ष में बैठने लायक भी नहीं बचेगी। उन्होंने कहा कि हमारे नेता अखिलेश यादव का विश्वास जनता के बीच बढ़ गया है। हमारी पार्टी देश की तीसरी सबसे बड़ी पार्टी बन गई है। भाजपा ने चुनाव जीतने में सारे हथियार का इस्तेमाल किया। लेकिन, जनता ने सब कुछ नकार दिया। सपा के रामभक्तों पर गोलियां चलाने के आरोप को लेकर अवधेश प्रसाद ने कहा कि यह मुद्दा बहुत पहले राख हो चुका है। उसके बाद चार

बार हमारी सरकार बनी। 2027 में सरकार ऐसी बनेगी कि भाजपा एक तिहाई सीट भी नहीं जीत पाएगी। भाजपा विपक्ष में बैठने लायक भी सीट नहीं पा सकेगी। इनका 2027 में सफाया हो जायेगा। सपा की ताकत बढ़ रही है। भाजपा के पतन की शुरुआत अयोध्या से हुई है। अब वो दिन दूर नहीं, जब सारे देश से यह पार्टी साफ हो जाएगी। बता दें कि रामनगरी में भाजपा बड़ी जीत की उम्मीद लगाए बैठी थी। मगर, इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी और सपा नेता अवधेश प्रसाद कड़े मुकाबले में 50,000 से ज्यादा मतों से जीत गए। भाजपा न सिर्फ अयोध्या हारी, बल्कि अयोध्या मंडल की सभी सीटों से पार्टी का सफाया हो गया। समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी अवधेश प्रसाद को 5,54,289 वोट मिले तो भाजपा प्रत्याशी लल्लू सिंह को 4,99,722 वोट मिले। तीसरे नंबर पर बसपा प्रत्याशी सच्चिदानंद पांडे रहे। उन्हें 46,407 वोट मिले।

राम को लाने वाली भाजपा नहीं है, ये राम के नाम पर व्यापार करने वाले लोग हैं

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की फैजाबाद लोकसभा सीट से नवनिर्वाचित सपा सांसद अवधेश प्रसाद ने जीत के बाद खास बातचीत की। उन्होंने कहा कि राम को लाने वाली भाजपा नहीं है, राम अनादि काल से हैं। उन्होंने भाजपा को राम के नाम पर व्यापार करने वाला बताया। 'हमने राम मंदिर बनाया है और प्रदेश की सभी 80 सीटों पर जीत दर्ज करेंगे, भाजपा के इस दावे पर उन्होंने कहा कि उनका दावा खोखला था, बेबुनियाद था, असलियत से कोसों दूर था, सच्चाई सामने आ गई है। देश की जनता में अब किसी एक व्यक्ति के 'मन की बात' नहीं चलेगी, यह तय हो गया है। इस देश में करोड़ों लोगों (जनता) के 'मन की बात' चलेगी। उन्होंने कहा कि भाजपा के लोग कहते थे कि हमने मंदिर बनाया है। दरअसल, उन लोगों ने मंदिर नहीं बनाया, बल्कि मंदिर कोर्ट के आदेश पर बनाया गया है। राम को लाने की बात करना बहुत ही हास्यास्पद है, राम को लाने वाली बीजेपी नहीं है, राम अनादि काल से हैं, राम सबके हैं, वह सबके रोम-रोम में हैं, ये राम के नाम पर व्यापार करने वाले, राम के नाम पर भ्रम फैलाने वाले लोग हैं। ये राम के नाम पर देश को बर्बाद-तबाह करने, देश को बेचने वाले लोग हैं। इनकी पोल खुल गई है। अब कुछ बचा नहीं है। उन्होंने कहा कि अयोध्या से भाजपा के पतन की शुरुआत हुई है। अयोध्या में मर्यादा पुरुषोत्तम राम की मर्यादा चली है। लेकिन, भाजपा ने उनकी मर्यादा को विखंडित करने का काम किया है। हमारी जीत और उनकी हार के कई कारण हैं। मतदाताओं का हम पर भरोसा और विश्वास था। पिछले दस साल के दौरान भाजपा के सांसद ने कोई काम नहीं किया। जनता के विकास और भलाई के लिए कोई काम नहीं किया गया। लोगों की भावनाओं और आकांक्षाओं पर खरा उतरने का हमारा प्रयास ही नहीं, बल्कि संकल्प है।

अयोध्या में भाजपा की हार पर साधु-संतों की सलाह, 'आत्ममंथन और चिंतन की जरुरत'

नई दिल्ली, 6 जून (एजेंसियां)। 500 सालों के बाद राम भक्तों का इंतजार 22 जनवरी 2024 को खत्म हुआ। अयोध्या में भगवान रामलला प्राण प्रतिष्ठा के बाद भव्य मंदिर में विराजमान हुए। पीएम नरेंद्र मोदी ने रामलला की प्राण प्रतिष्ठा की थी। ऐसे में भाजपा पूरी तरह से आश्वस्त थी कि यहां से पार्टी को लोकसभा चुनाव में बड़ी जीत हासिल होगी। लेकिन, नतीजों में

■ अयोध्या के साधु-संतों समेत जनता में नाराजगी देखने को मिल रही है

भाजपा को समाजवादी पार्टी के हाथों हार का सामना करना पड़ा। हर कोई हैरान है कि आखिर रामनगरी अयोध्या की फैजाबाद लोकसभा सीट पर भारतीय जनता पार्टी को क्यों शिकस्त मिली। चुनाव में भाजपा को हार मिलने के बाद सोशल मीडिया पर यूजर्स अयोध्यावासियों को जमकर कोस रहे हैं। इतना ही नहीं इस हार के लिए यूजर्स फैजाबाद संसदीय क्षेत्र के मतदाताओं को जिम्मेदार ठहरा रहे हैं। इसे लेकर अब अयोध्या के साधु-संतों समेत जनता में नाराजगी देखने को मिल रही है। संत समाज का कहना है कि भाजपा प्रत्याशी लल्लू सिंह को अयोध्या की विधानसभा से तो जीत हासिल हुई है। लेकिन, फैजाबाद लोकसभा में चार अन्य विधानसभा भी हैं, जहां से वह हारे। ऐसे में भाजपा के वरिष्ठ नेताओं को आत्ममंथन और चिंतन करने की जरूरत है। जगतगुरु राम दिनेशचार्य ने कहा कि अयोध्या से भाजपा का हारना बहुत दुखद है, हम सब जानते हैं कि यहां भव्य राम मंदिर बना, एयरपोर्ट बना और विकास के नए आयाम गढ़े गए। लेकिन, कुछ न कुछ कमी रह गई होगी। जिसकी वजह अयोध्या से भाजपा की हार हुई है। मुझे लगता है कि इस पर पार्टी को चिंतन करने की जरूरत है। उन्होंने आगे कहा कि

अयोध्यावासियों की जिस वजह से लोग आलोचना कर रहे हैं। साढ़े चार लाख वोट भाजपा को मिले हैं। अयोध्या विधानसभा से तो वह (भाजपा प्रत्याशी) जीते ही हैं। लेकिन, फैजाबाद की अन्य विधानसभा से वह क्यों हारे, इसके लिए आत्ममंथन और चिंतन करना जरूरी है। अयोध्या में बड़ा भक्तमाल मंदिर के महंत अवधेश दास का कहना है कि यह बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है। अयोध्या की जनता ने पूरा प्रयास किया है। फिर भी कहीं न कहीं कोई कमी रही है। जिसकी वजह से अयोध्यावासियों को कई प्रकार के ताने सुनने पड़ रहे हैं। सोशल मीडिया, फेसबुक और यूट्यूब पर लोग अपनी-अपनी भड़ास निकाल रहे हैं। स्वाभाविक है, अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण हुआ है। लेकिन, कहां कमी रह गई, इस पर राजनीतिक दलों को मंथन करना चाहिए।

अयोध्या से भाजपा का हारना बहुत दुखद है, हम सब जानते हैं कि यहां भव्य राम मंदिर बना, एयरपोर्ट बना और विकास के नए आयाम गढ़े गए। लेकिन, कुछ न कुछ कमी रह गई होगी : जगतगुरु राम दिनेशचार्य

सार संक्षेप

समर कैंप में बच्चों ने सीखे स्केटिंग के गुर

मवाना। बाल भारती पब्लिक स्कूल मवाना में सात दिवसीय समर कैंप में तृतीय दिवस गुरुवार को विद्यार्थियों के साथ विभिन्न स्कूलों से आए बच्चों ने कोच मयंक से स्केटिंग के हुनर सीखे। सर्वप्रथम बच्चों ने धीरे-धीरे चलते हुए अपना बैलेंस बनाया तथा सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए स्केटिंग के लिए जरूरी सारे इक्विपमेंट्स तथा हेलमेट आदि पहन रखे थे। कोच ने स्केटिंग के लाभ बताते

हुए कहा कि स्केटिंग एक बेहतरीन एरोबिक व्यायाम है जो आपके स्वास्थ्य और फिटनेस को बढ़ाने में मदद कर सकता है. इसके विभिन्न स्वास्थ्य लाभों में हृदय स्वास्थ्य को मजबूत करना, मांसपेशियों की ताकत बढ़ाना, वजन घटाने में मदद करना, हड्डियों के स्वास्थ्य में सुधार और मानसिक स्वास्थ्य में सुधार शामिल है। विद्यार्थियों की सुविधाओं को देखते हुए विद्यालय प्रबंधन की ओर से जंबो कूलरों तथा टेंट का इंतजाम किया गया ताकि बच्चों को किसी प्रकार की गर्मी का सामना न करना पड़े। समर कैंप मे निहाल, दिव्यांशी, अनिका मित्तल,अथर्व दुबलिश , इशिका, निशिका, शांवि आदि बच्चों ने भाग लिया।

वैंक्टेश्वरा में पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन

मेरठ। दिल्ली रुडकी बाईपास स्थित वैंक्टेश्वरा संस्थान के फार्मेसी विभाग में विश्व पर्यावराण दिवस के अवसर पर पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुशरम्भ वी.जी.आई समूह के चेयरमैन डॉ. सुधीर गिरी, प्रति कुलाधिपति डॉ.. राजीव त्यागी, परिसर निदेशक डॉ. प्रताप सिंह आदि ने मॉ सरस्वती की प्रतिमा के सम्मुख

दीप प्रज्जवलित कर किया। प्रतियोगिता मे डी फार्मा एव बी फार्मा के छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। प्रतियोगिता में सबसे सुन्दर पेंटिग बनाने वाले छात्र मयंक, उदित सिंह, सागर को प्रथम, इसहर, मानसी को द्वितीय एवं तमन्ना व संगम को तृतीय पुरस्कार मिला। सभी छात्रों को संस्थान के अधिकारियों द्वारा सम्मानित किया गया। इस अवसर पर परिसर निदशक डा प्रताप सिंह, डा सुन्दर सिहं, निधी सिंह, रितु वर्मा, अनुपमा पटेल, सोनाली रस्तोगी, धीरज कटारिया, गौरव, पंकज, अकुर एवं रवि कुमार उपस्थित रहे।

इटावा में चर्चा में है देशी दारु का चलता फिरता ठेका

इटावा। उत्तर प्रदेश के इटावा जिले में देशी दारु का चलता फिरता ठेका चर्चा का विषय बना हुआ है। दरअसल, लवेदी इलाके में देसी शराब ठेका संचालक दुकान ना मिल पाने के कारण कार से से खुले में बैनर लगा कर शराब बेच रहा है। शराब संचालक का कहना है कि गांव में उसे ठेका खोलने के लिए कोई भी अपनी दुकान किराए पर नहीं दे रहा है।

संबंधित कॉलेजों के प्राचार्य शिक्षक कुलसचिव के साथ कुलपति ने की बैठक

सीसीएसयू से संबंधित कॉलेजों के छात्र- छात्राएं लेंगे योग की शपथ

मेरठ, 6 जून (देशबन्धु)। कुलाधिपति और उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के निर्देशन में चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय

■ राज्यपाल निर्देशन में सभी अपने परिवार के साथ योग करने की लेंगे शपथ

गिनीज बुक वर्ल्ड रिकॉर्ड में नाम दर्ज करने में सहभागी बनेगा। 21 जून को योग दिवस के उपलक्ष में चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय से संबंधित महाविद्यालय के छात्र एवं छात्राएं योग करने की एक साथ शपथ लेंगे। केवल 21 जून को ही नहीं अपितु पूरे वर्ष छात्र-छात्राएं को योग करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा।

चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय कुलपति कार्यालय के भूतल स्थित

कमेटी हॉल में गुरुवार को चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय मेरठ की कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला ने चैधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय से संबंधित कॉलेजों के प्राचार्य शिक्षक कुलसचिव के साथ बैठक की। बैठक के दौरान चैधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय की कुलपति प्रोफेसर संगीता शुक्ला ने कहा कि कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल के निर्देशन में विश्व योग दिवस के उपलक्ष में पूरे प्रदेश में छात्र एवं छात्राओं शिक्षक कर्मचारी व अन्य अधिकारी पूरे परिवार के साथ योग करने की शपथ लेंगे। योग विज्ञान विभाग के समन्वयक प्रोफेसर राकेश शर्मा ने बताया कि 12 जून से 19 जून तक यह रिकॉर्ड बनाया जाएगा ऑनलाइन माध्यम से कॉलेज के छात्र एवं छात्राओं को योग कराया जाएगा इसीलिए सभी कॉलेज इन एक सप्ताह में योग करने के लिए व शपथ लेने के लिए छात्र एवं छात्राओं को सूचित कर दें। साथ ही सभी कॉलेज योगा करने की शपथ लेने के जियो टैग फोटो भी खींच ले उन फोटो को विश्वविद्यालय को भेज दे जिससे डाटा एकत्र किया जा सके।

ए.सी. नहीं पेड़ लगाने से संरक्षण होगा पर्यावरण: डॉ. ओमपाल

मेरठ। वंकरखेड़ा स्थित तक्षशिला पब्लिक स्कूल में आज दिनॉक 05.06.2024 दिन बुधवार को स्कूल के चेयरमैन डॉ. ओमपाल सिंह व प्रधानाचार्य डा0 प्रवीन कुमार पथरा ने पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में स्कूल में पेड़ लगाए। तत्पश्चात वृक्षों की उपयोगिता बताते हुए विद्यालय के चेयरमैन डा0 ओमपाल सिंह ने संदेश दिया और कहा कि हमें अपने जन्मदिवस व अन्य अवसरों पर पेड़ लगाने पर विशेष बल देना चाहिए तथा ग्लोबल वार्मिंग के चलते सभी को ए.सी ना खरीदकर पेड़ लगाने पर विशेष ध्यान देना चाहिए।

स्कूल के प्रधानाचार्य डॉ. प्रवीन कुमार पथरा ने सभी को पर्यावरण दिवस की शुभकामनाएँ दीं।

अरशद की हत्या करने वाला मुख्य आरोपी मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार

मेरठ, 6 जून (देशबन्धु)। मंगलवार रात मासूम बच्चों के सामने पिता की गोली मारकर हत्या करने वाला मुख्य आरोपी गुरुवार दोपहर मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया गया। बदमाश के पैर में गोली लगी है, जिसे हिरासत में लेकर उपचा के लिए अस्पताल ले जाया गया।

■ स्वीमिंगपूल में पिता को मासूम बच्चों के सामने मारी थी गोली
■ आरोपियों ने रैकी कर हत्या को दिया था अंजाम

गिरफ्तार बदमाश के ऊपर 8 से ज्यादा हत्या और लूट के मामले दर्ज हैं। आरोपी पहले भी जेल भेजा जा चुका है। मामला मंगलवार की रात लोहियानगर थाना के भड़ाना स्वीमिंग पूल का है। अरशद अपने

बच्चों के साथ स्विमिंग पूल में नहाने गया था। इसी दौरान उसकी कुछ लोगों से कहासुनी हो गई, तभी एक युवक ने पिस्टल निकाली और अरशद की कनपटी पर सटाकर गोली मार दी। अरशद जमीन पर गिरा और उसकी मौत हो गई। वारदात की सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। इसमें युवकों की भीड़ दिख रही है। इसी बीच नीली जींस और टी-शर्ट में अरशद वहां पहुंचता है। कुछ देर ठहरने के बाद लौटने लगता है। तभी बदमाश बिलाल अपने कई साथियों संग वहां पहुंचता है। सीसीटीवी के अनुसार अरशद की उससे कुछ कहासुनी होती है। कहासुनी के बीच ही बिलाल ने पिस्टल निकाली और अरशद को गोली मार दी। अरशद को गोली लगते ही वहां अफरा-तफरी मच गई। लोग स्विमिंग पूल से बाहर भागने लगे। इस बीच उसकी 2 बेटियां रोते-बिलखते उसके पास पहुंचती हैं। 8 साल की बेटी दौड़कर अरशद के पास आती है। उसे उठाने की कोशिश करती है। 4 साल की बेटी चेहरे पर हाथ फेरकर आंखें खोलती है। 12 साल का बेटा भी वहां आ जाता है और तीनों चिल्लाने बिलखने लगते हैं।

ईख के खेत में अज्ञात महिला का शव मिलने से मचा हड़कंप

मवाना, 6 जून (देशबन्धु)। मिल बाईपास रोड स्थित अज्ञात महिला का शव हत्या कर ईख के खेत में फेंक दिया। सूचना पर मौके पर पहुंची थाना पुलिस ने शव की

■ थाना पुलिस और विधि विज्ञान प्रयोगशाला की टीम जांच में जुटी
■ जलनशील पदार्थ डालकर चेहरा छुपाने का किया प्रयास

शिनाख्त करने का प्रयास किया लेकिन शव की शिनाख्त नहीं हो सकी। पुलिस ने शव को पीएम के लिए भेज दिया।

गुरुवार को लगभग एक बजे पुलिस को मिल रोड बाइपास पर

इस्लाम के खेत में महिला का शव पड़ा होने की सूचना पड़ोसी खेत स्वामी से मिली। सूचना मिलने पर सीओ सौरभ सिंह थाना प्रभारी सुभाष सिंह समेत फोर्स के साथ पहुंचे। शव से बदबू उठ रही थी। पुलिस ने शव की पहचान कराने का प्रयास किया, लेकिन शव दो-तीन दिन पुराना होने के कारण सड़ी-गली अवस्था में था। पहचान मिटाने के लिए हत्यारों ने मृतक के चेहरे पर ज्वलनशील पदार्थ डाला हुआ था और पैर जानवरों द्वारा खाए हुए थे। फोरेंसिक टीम भी मौके पर पहुंची और साक्ष्य जुटाए। पुलिए ने शव को मोर्चरी के लिए भेज दिया है। थाना प्रभारी सुभाष सिंह ने बताया कि मृतका की उम्र 30 से 35 वर्ष के बीच है। जांच पड़ताल की जा रही है। शव पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए मर्चरी भेज दिया।

आयोजित *चिड़ियों को पिंजरे से आजाद कर सुभारती में मनाया विश्व पर्यावरण दिवस*

प्लास्टिक मुक्त समाज बनाकर पर्यावरण को करें संरक्षित: डॉ. शल्या राज

मेरठ, 6 जून (देशबन्धु)। स्वामी विवेकानन्द सुभारती विश्वविद्यालय में विश्व पर्यावरण दिवस पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सुभारती विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ.जी.के.थपलियाल, मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ.शल्या राज, प्रतिकुलपति डॉ. हिमांशु ऐरन, पर्यावरण समिति के अध्यक्ष डॉ. मुकेश रूहेला सहित पर्यावरण समिति के सभी सदस्यों व विश्वविद्यालय के विभिन्न पदाधिकारियों ने चिड़ियों को पिंजरे से आजाद कर प्रकृति को संरक्षित करने का संदेश दिया।

इस अवसर पर सभी ने पौधे रोपित भी किए। कार्यक्रम के प्रथम सत्र में प्रात सुबह 8 बजे चिड़ियों को पिंजरे से आजाद किया गया। द्वितीय सत्र में सुभारती फाइन आर्ट कॉलेज स्थित सत्यजीत रे प्रेक्षागृह में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित हुआ। पर्यावरण कमेटी के अध्यक्ष डॉ. मुकेश रूहेला ने स्वागत भाषण में सभी को विश्व पर्यावरण दिवस की बधाई दी। उन्होंने पर्यावरण दिवस के इतिहास पर चर्चा करते हुए सुभारती विश्वविद्यालय द्वारा पर्यावरण को संरक्षित करने की दिशा में किये जा रहे विभिन्न कार्यों से सभी को रूबरू कराया। उन्होंने बताया कि प्रकृति के संरक्षण से ही मानव सभ्यता का संरक्षण किया जा सकता है। सुभारती विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. जी.के.थपलियाल ने सभी को विश्व पर्यावरण दिवस की बधाई दी। उन्होंने कहा कि पर्यावरण का संरक्षण करना हमारा नैतिक कर्तव्य है। उन्होंने बताया कि सुभारती विश्वविद्यालय भारत का ऐसा विश्वविद्यालय है, जो पर्यावरण संरक्षण के लिए विशेष कार्यक्रम संचालित करता है और विश्वविद्यालय के कैम्पस एवं हॉस्टल में प्लास्टिक के प्रयोग पर प्रतिबंध है। उन्होंने बताया कि सुभारती विश्वविद्यालय के समस्त कॉलेज एवं विभाग में होने वाले अंतरराष्ट्रीय/राष्ट्रीय सेमिनार, संगोष्ठी एवं कार्यशाला आदि में अतिथियों का स्वागत सुभारती पर्यावरण संरक्षण जागरूकता अधिनियम के तहत पौधा देकर किया जाता है। इसके अलावा प्रदूषण रोकने के लिए सप्ताह में दो दिन विश्वविद्यालय में कार का प्रयोग नहीं किया जाता है।

गर्मी में राहगीरों को शीतल शर्बत पिलाया, पौधे लगाए

मवाना। एएस(पीजी) कालेज, मवाना में गुरुवार को महाविद्यालय प्राचार्य प्रो. अरूण कुमार के नेतृत्व में महाविद्यालय के मुख्य द्वार पर शिक्षकों व कर्मचारियों ने स्टाल लगाकर मीठा शर्बत का वितरण आने-जाने वाले राहगीरों व छात्रध्छात्राओं को किया। इसके उपरान्त राष्ट्रीय सेवा योजना के अन्तर्गत पर्यावरण संरक्षण के लिए

महाविद्यालय प्राचार्य एवं शिक्षकों ने परिसर में पौधारोपण किया। छात्रध्छात्राओं को पर्यावरण संरक्षण के लिए जागरूक किया गया। कार्यक्रम के दौरान महाविद्यालय के शिक्षकगण प्रो. सचिन कुमार, संजीव कुमार, डा. कुलदीप मलिक, डा. मो. नसीम सिद्दीकी व शिक्षणेत्तर कर्मचारी नवीन कुमार, विष्णु गुप्ता, सोमे, अजीत सिंह, गुलाब, संजू कुमार, पीतम सिंह, निखिल व बबीता आदि का सहयोग रहा।

अब तक सर्वाधिक महिला राजनेत्री को संसद तक पहुंचाने वाला संसदीय क्षेत्र वैशाली व शिवहर

छह बार महिला राजनेत्री संसद पहुंचने में सफल

पटना, 6 जून (एजेंसियां)। बिहार के वैशाली संसदीय सीट से वीणा देवी और शिवहर से लवली आनंद के जीतने के साथ ही वैशाली और शिवहर बिहार में अबतक सर्वाधिक महिला राजनेत्री को संसद तक पहुंचाने वाला संसदीय क्षेत्र बन गया है।

आजादी के बाद वर्ष 2019 तक हुए लोकसभा चुनाव में सर्वाधिक पांच बार महिला प्रत्याशी ने शिवहर, बांका, वैशाली और धनबाद संसदीय सीट से जीत हासिल कर आधी आबादी की आवाज को संसद में बुलंद किया था। इस बार के चुनाव में वैशाली संसदीय सीट से लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) प्रत्याशी वीणा देवी और शिवहर संसदीय सीट से लवली आनंद ने जीत का परचम लहराया है। इसके साथ हीं वैशाली और शिवजर से सर्वाधिक छह बार महिला राजनेत्री संसद पहुंचने में सफल हो गई हैं। लोकतंत्र का उद्गम स्थल माने जाने वाले वैशाली लोकसभा सीट से वर्ष 1980

■ **वैशाली लोस सीट से वर्ष 1980 व वर्ष 1984 में किशोरी सिन्हा सांसद बनी**

और वर्ष 1984 में पूर्व मुख्यमंत्री सत्येन्द्र नारायण सिंह की पत्नी किशोरी सिन्हा सांसद निर्वाचित हुई। वर्ष 1989 में उषा सिन्हा सांसद बनीं। उषा सिन्हा केन्द्रीय मंत्री भी रही हैं। वहीं 1994 उपचुनाव में पूर्व सांसद आनंद मोहन सिंह की पत्नी लवली आनंद सांसद बनीं। लवली आनंद ने किशोरी सिन्हा को पराजित किया था और वह पहली बार सांसद बनीं। वर्ष 2019 में वीणा देवी सांसद बनीं। इस तरह वर्ष 2019 तक के आम चुनाव वैशाली जिले से पांच महिला प्रतिनिधि संसद पहुंची थी। इस बार के चुनाव में लोजपा (रामविलास) प्रत्याशी वीणा देवी ने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रत्याशी पूर्व विधायक विजय शुक्ला उर्फ मुन्ना शुक्ला को 89 हजार 634 मतों के अंतर से पराजित किया।

शिवहर संसदीय सीट से वर्ष 1980 और वर्ष 1984 में रामदुलारी सिन्हा और वर्ष 2009, 2014 और 2019 में लगातार तीन बार पूर्व मंत्री बृज बिहारी प्रसाद की पत्नी रमा देवी ने जीत हासिल की है।

पप्पू यादव ने सर्वाधिक तीन बार निर्दलीय प्रत्याशी सांसद बनने का बनाया रिकार्ड

पटना। कांग्रेस के बागी नेता राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव ने न सिर्फ पूर्णिया संसदीय सीट पर 'सियासी हवा' का रुख बदलकर सांसद बनें ,साथ ही बिहार में अबतक हुये चुनाव मे सर्वाधिक तीन बार निर्दलीय प्रत्याशी सांसद बनने का रिकार्ड भी बना दिया। बिहार में वर्ष 1952 से 2019 तक हुए लोकसभा चुनाव में तीन निर्दलीय प्रत्याशी में सर्वाधिक दो-दो बार डुमरांव महाराज कमल सिंह, वामपंथी नेता ए.के.राय और राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव शामिल थे। पूर्णिया संसदीय सीट से जीत दर्ज करने के साथ हीं पप्पू यादव ने बिहार में सर्वाधिक तीन बार निर्दलीय प्रत्याशी सांसद बनने का रिकार्ड भी बना दिया। बिहार में पप्पू यादव इस बार निर्दलीय प्रत्याशी लोकसभा का चुनाव जीतने वाले एकमात्र राजनेता बने। पप्पू यादव ने बिहार में 14 साल के बाद निर्दलीय प्रत्याशी को जीत दिलायी है। इससे पूर्व वर्ष 2010 में बांका उपचुनाव में पूर्व केन्द्रीय मंत्री दिग्विजय सिंह की पत्नी पुतुल कुमारी निर्दलीय प्रत्याशी के तौर पर जीत दर्ज की थी। इसके बाद वर्ष 2014 और वर्ष 2019 में बिहार से कोई निर्दलीय प्रत्याशी संसद नहीं पहुंचा।

बिहार की हाइप्रोफाइल सीट में शामिल पूर्णिया संसदीय सीट से निर्दलीय प्रत्याशी राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव ने रोमांचक मुकाबले में जनता दल यूनाईटेड (जदयू) प्रत्याशी संतोष कुमार को 23 हजार 847 मतों के अंतर से शिकस्त दी और वह पूर्णिया से निर्दलीय प्रत्याशी के तौर पर तीसरी बार चुनाव जीतने में सफल रहे।

मप्र से मोदी की टीम के लिए कई दावेदार

भोपाल, 6 जून (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव संपन्न हो चुके हैं और एक बार फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एनडीए की बहुमत वाली सरकार बननी तय दिख रही है। मोदी की संभावित टीम में मध्य प्रदेश के किन नेताओं को जगह मिलेगी, इस पर कयासबाजी जोरों पर है क्योंकि दावेदारों की सूची बहुत लंबी है। राज्य की जनता ने लोकसभा चुनाव में भाजपा का पूरा साथ दिया। यही कारण है कि सभी 29 सीटों पर पार्टी के उम्मीदवारों को जीत मिली है। इस बार सांसद बनने वालों में करीब आधा दर्जन ऐसे नेता हैं जो मंत्री पद का दावा ठोकते नजर आ रहे हैं।

सबसे बड़ा दावा पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान का बनता है। वह छठी बार सांसद बने हैं। इससे पहले तीन बार राज्य के मुख्यमंत्री भी रह चुके हैं। संगठन में भी वह बड़ी जिम्मेदारी का निर्वहन कर चुके हैं।

दूसरे बड़े दावेदार गुना से सांसद ज्योतिरादित्य सिंधिया हैं। वह भाजपा से पहली बार लोकसभा के सांसद निर्वाचित हुए हैं। वैसे लोकसभा उम्मीदवार के तौर पर यह उनकी पांचवीं जीत है। वर्ष 2019 में वह कांग्रेस उम्मीदवार के तौर पर चुनाव हार गये थे।

राज्य में भाजपा को मिली बड़ी सफलता का श्रेय संगठन को जाता है और प्रदेश अध्यक्ष विष्णु दत्त शर्मा दूसरी बार बड़े अंतर से खजुराहो से निर्वाचित हुए हैं। उनका अध्यक्ष का कार्यकाल पहले ही खत्म हो चुका है। वह एक्सटेंशन पर हैं। इस आधार पर मोदी टीम में शर्मा को भी जगह मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

इसके अलावा अनुसूचित जनजाति वर्ग से बड़ा दावा फग्गन सिंह कुलस्ते का है जो सातवीं बार मंडला से निर्वाचित हुए हैं।

वहीं अनुसूचित जाति वर्ग से डॉ. वीरेंद्र कुमार दावेदारी ठोक रहे हैं। वह आठवीं बार निर्वाचित हुए हैं।

राज्य से इस बार लोकसभा चुनाव में छह महिलाएं निर्वाचित हुई हैं। इनमें तीन आरक्षित वर्ग से आती हैं। वहीं, राज्यसभा में भी दो महिला सांसद राज्य से हैं। कुल मिलाकर महिला सांसदों की संख्या आठ है। राज्य से कम से कम एक महिला को मंत्रिमंडल में जगह मिलने की उम्मीद हर किसी को है।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इस बार मध्य प्रदेश से ज्यादा प्रतिनिधित्व मिले इसको लेकर संशय है। इसकी वजह यह है कि केंद्र में सरकार सहयोगी दलों के समर्थन से बन रही है और उन दलों को संतुष्ट करना पार्टी की पहली प्राथमिकता होगी। इससे पहले राज्य से छह केंद्रीय मंत्री तक रहे हैं, मगर इस बार ऐसा होने की संभावना कम है।

■ **राज्य की जनता ने लोकसभा चुनाव में भाजपा का पूरा दिया साथ**

■ **29 सीटों पर पार्टी के उम्मीदवारों को जीत मिली**

हार से निराश नहीं झारखंड की एकमात्र ट्रांसजेंडर प्रत्याशी सुनैना, बोली- प्यार भरपूर मिला

रांची, 6 जून (एजेंसियां)। झारखंड में लोकसभा चुनाव में ट्रांसजेंडर कम्युनिटी की एकमात्र प्रत्याशी सुनैना किन्नर को अपनी हार का कोई रंज नहीं है। वह धनबाद सीट से चुनाव लड़ रह थीं और उन्हें कुल 3,462 वोट मिले। इस सीट पर कुल 25 प्रत्याशी मैदान में थे। इनमें सुनैना दसवें नंबर पर रही। यहां खड़े 15 प्रत्याशियों को सुनैना की तुलना में कम वोट मिले।

34 वर्षीय सुनैना चुनाव में अपने प्रदर्शन से खुश हैं। उन्होंने कहा कि मुझे वोट भले ही कम मिले हों, लेकिन लोगों का प्यार भरपूर मिला है। मैं चुनाव में इस उद्देश्य के साथ उतरी थी कि लोगों का बता सकूं कि हम उस समुदाय का हिस्सा हैं जो पूरे राज्य, देश, समाज का भला चाहते हैं। हमारे समुदाय को भी सम्मान की नजर से देखा जाए। चुनाव में चाहे जो भी जीते, उन्हें पूरे समाज के हक के लिए काम करना चाहिए।

सुनैना धनबाद के पीके राय मेमोरियल कॉलेज से साइंस ग्रेजुएट हैं। चुनाव के लिए जिस दिन उन्होंने पर्चा भरा, उस समय उनके पास मात्र 20 हजार रुपए नगद और उनके अकाउंट में दो हजार रुपए थे। वह कहती हैं, हमें बहुत पैसे की जरूरत नहीं है। चुनाव प्रचार के लिए मैं जहां भी गई, लोगों ने मुझे गौर से सुना। मैंने देखा कि लोगों की कई बुनियादी समस्याएं हैं। कोयला क्षेत्र में लोगों की जिंदगी से जुड़ी कई मुश्किलें हैं। उनका समाधान किया जाना चाहिए।

सुनैना बताती हैं कि चुनाव के लिए पर्चा दाखिल करने पर उन्हें धमकियां मिलीं। उनसे कहा गया कि चुनाव मैदान से हट जाएं। उनका काम बधाई मांगना है और बेहतर होगा कि वे यही काम करें। लेकिन, उन्होंने किसी की परवाह नहीं की।

बता दें कि चुनाव आयोग ने पहली बार 2014 में ट्रांसजेंडर कम्युनिटी को थर्ड जेंडर का दर्जा दिया था और अपने तमाम प्रपत्रों में इसका उल्लेख करने की व्यवस्था की थी। इस लोकसभा चुनाव में पूरे देश में धनबाद की सुनैना सहित कुल तीन ट्रांसजेंडर प्रत्याशी मैदान में उतरी थीं।

हिमाचल में 72 प्रतिशत प्रत्याशी को नोटा से कम वोट मिले

78 प्रतिशत की जमानत जब्त

शिमला, 6 जून (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश में लोकसभा चुनाव 2024 के नतीजों के आंकड़े बेहद दिलचस्प रहे हैं। जहां चुनाव मैदान में उतरे 72 प्रतिशत प्रत्याशियों को नोटा से भी कम वोट मिले और 78 प्रतिशत प्रत्याशियों की जमानत जब्त हो गई हैं।

राज्य में लोकसभा चुनाव में भाजपा और कांग्रेस के बीच सीधी टक्कर थी और चारों सीटों पर भाजपा ने जीत दर्ज करते हुए लगातार तीसरी बार क्लीन स्वीप किया। लोकसभा चुनाव में भाजपा और कांग्रेस प्रत्याशियों को छोड़कर अन्य कोई भी जमानत नहीं बचा पाया। चुनाव आयोग की ओर से उपलब्ध अंतिम आंकड़ों के मुताबिक राज्य की चारों सीटों पर कुल 37 प्रत्याशियों ने किस्मत आजमाई और इनमें 29 प्रत्याशियों की जमानत जब्त हो गई। इस तरह 78 प्रतिशत प्रत्याशी अपनी जमानत बचाने में नाकाम रहे। कुल 37 प्रत्याशियों में से 27 को नोटा की तुलना में कम वोट मिले हैं।

राज्य की कई सीटों पर कुल 23,125 लोगों ने नोटा का बटन दबाया। कांगड़ा लोकसभा सीट पर सबसे ज्यादा और हमीरपुर सीट पर सबसे कम लोगों ने नोटा का इस्तेमाल किया। दो सीटों पर बहुजन समाज पार्टी के प्रत्याशी नोटा से ज्यादा वोट लेने में कामयाब रहे। कांगड़ा लोकसभा सीट पर 6,372 लोगों ने नोटा का विकल्प चुना। इस सीट पर किस्मत आजमा रहे 10 प्रत्याशियों में से सात प्रत्याशियों को नोटा से भी कम वोट पड़े। सबसे कम 545 मत निर्दलीय प्रत्याशी को मिले। भाजपा के राजीव भारद्वाज ने यह सीट अपने निकटतम प्रतिद्वंदी कांग्रेस के आनंद शर्मा से 2.82 लाख के अंतर से जीती। मंडी लोकसभा सीट पर भी 10 प्रत्याशियों ने चुनाव लड़ा और इनमें से आठ प्रत्याशियों को नोटा से कम वोट पड़े। इस सीट पर 5,645 लोगों ने नोटा दबाया। निर्दलीय प्रत्याशी आशुतोष को सबसे कम 286 मत पड़े। इस सीट पर भाजपा प्रत्याशी कंगना रनौत 74 हज़ार मतों से विजयी रही। उन्होंने कांग्रेस के विक्रमादित्य सिंह को हराया। हमीरपुर लोस सीट पर 5178 लोगों ने नोटा को चुना। इस सीट पर भाजपा और कांग्रेस को छोड़कर अन्य कोई भी प्रत्याशी नोटा से ज्यादा वोट नहीं ले पाया। यहां 12 प्रत्याशियों ने चुनाव लड़ा और 10 प्रत्याशियों को नोटा से कम वोट पड़े। निर्दलीय प्रत्याशी गोपीचंद को सबसे कम 202 वोट मिले। भाजपा के दिग्गज नेता अनुराग ठाकुर ने कांग्रेस के सतपाल रायजादा को 1.84 लाख से हराकर लगातार पांचवीं जीत हासिल की। शिमला लोकसभा सीट पर 5,930 लोगों ने नोटा का विकल्प चुना। इस सीट पर पांच प्रत्याशियों ने चुनाव लड़ा और दो प्रत्याशियों को नोटा से कम वोट मिले। अखिल भारतीय परिवार पार्टी के मदन लाल को सबसे कम 4,686 वोट पड़े। भाजपा के सुरेश कश्यप ने दूसरी बार यह सीट अपने नाम की। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी कांग्रेस के विनोद सुल्तानपुरी को 91 हज़ार मतों से मात दी। हिमाचल में 40.55 लाख से ज्यादा मतदाताओं ने मताधिकार का इस्तेमाल किया। इनमें से 23,125 मतदाताओं ने किसी भी प्रत्याशी को वोट देने की बजाय नोटा का बटन दबाना पसंद किया। हालांकि यह संख्या पिछले लोकसभा चुनाव से कम है। वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में 33 हज़ार लोगों ने नोटा का विकल्प चुना था

बॉलीवुड-टॉलीवुड हस्तियों के लिए चुनाव का स्वाद रहा खट्टा-मीठा

नई दिल्ली, 6 जून (एजेंसियां)। किसी के हिस्से में प्यास आयी, किसी के हिस्से में जाम आया। पुरानी फिल्म के गीत की पंक्ति 2024 के लोकसभा चुनाव में किस्मत आजमाने वाले बॉलीवुड और टॉलीवुड की हस्तियों के लिए सटीक बैठती है, जिनमें किसी को जीत मिली है तो किसी को हार। ड्रीमगर्ल के नाम से मशहूर हेमामालिनी के नसीब ने इस बार भी उनका साथ दिया और उत्तर प्रदेश के मथुरा सीट से जबरदस्त जीत की हैट्रिक जमायी। उन्होंने कांग्रेस के मुकेश धनगर को 2,93,407 वोटों से हराकर सीट पर कब्जा बरकरार रखा।

बॉलीवुड की दुनिया से राजनीति के पायदान में कदम रखने वाली कंगना रनौत ने पहली बार हिमाचल प्रदेश की मंडी लोकसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार के रूप में चुनाव मैदान में उतरी और कांग्रेस के विक्रमादित्य को 74,755 मतों से पराजित का पहले-पहल जीत का स्वाद चखा।

'शॉटगन' के नाम से मशहूर अभिनेता से नेता बने शत्रुघ्न सिन्हा दो बार सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री रह चुके हैं और इस बार उन्होंने तृणमूल कांग्रेस की ओर से पश्चिम बंगाल के आसनसोल से चुनाव लड़ा। उन्होंने काफी उलटफेर के बीच यहां से भाजपा के एसएस अहलूवालिया को 59564 मतों से हराया।

तीन बार सांसद रहे बॉलीवुड अभिनेता राज बब्बर इस दफा गुड़गांव लोकसभा सीट से कांग्रेस की ओर से चुनाव मैदान पर थे लेकिन वह कामयाब नहीं रहे और भाजपा के राव इंद्रजीत सिंह के हाथों से 75,079 वोट से चुनाव हार गए।

टेलीविजन की सेलिब्रिटी रही स्मृति ईरानी अमेठी से फिर से चुनाव मैदान में थी लेकिन अपनी जीत के सिलसिला कायम नही रख सकी। उनके समक्ष इस बार कांग्रेस के राहुल गांधी नहीं बल्कि गांधी परिवार के करीबी किशोरीलाल शर्मा चुनाव मैदान में थे। किस्मत ने ईरानी का साथ नहीं दिया और शर्मा ने उन्हें 1,67,196 वोटों से पराजित कर दिया।

टीवी के राम के तौर पर मशहूर अरूण गोविल को भाजपा ने मेरट सीट से अपना उम्मीदवार बनाया। अपनी तमाम लोकप्रियता के बावजूद वह अपेक्षित प्रदर्शन तो नहीं कर पाये लेकिन किसी तरह यह सीट बचा ली। उन्होंने समाजवादी पार्टी की सुनीता वर्मा को महज 10,585 मतों से पराजित किया।

भोजपुरी फिल्मों के सुपरस्टार माने जाने वाले रविकिशन ने गोरखपुर सीट से भाजपा की टिकट पर चुनाव लड़ा और सपा की काजल निषाद को 1,03,526 वोटों से हराया। भोजपुरी फिल्मों के ही एक और जाने-माने अभिनेता मनोज तिवारी उत्तर पूर्वी दिल्ली से भाजपा उम्मीदवार के रूप में चुनाव मैदान में थे। उन्होंने कांग्रेस की ओर से पहली बार चुनाव लड़ने वाले जेएनयू छात्र नेता के रूप में मशहूर कन्हैया कुमार को 1,38,778 मतों से पराजित किया।

भोजपुरी फिल्मों के एक और अभिनेता दिनेश यादव निरहुआ को भाजपा ने आजमगढ़ से चुनाव लड़ाया लेकिन वह सपा के धर्मेंद्र यादव से 1,61035 वोटों से हार गये।

दक्षिण भारतीय फिल्मों के गायक सुरेश गोपी ने केरल के त्रिशूर से भाजपा की ओर से चुनाव में खड़े हुए और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के वीएस सुनील कुमार को 74686 मतों से हराया।

देश की आधी आबादी और टॉलीवुड अभिनेता-अभिनेत्रियों को तरजीह देने में अव्वल तृणमूल कांग्रेस ने 2024 के लोकसभा चुनाव में पांच हस्तियों को चुनाव मैदान में उतारा और पांचों ने ही जबरदस्त परफार्मेंस करते हुए राजनीति के चुनावी मैदान पर भाजपा प्रतिद्वंद्वियों को पटखनी दी। तृणमूल कांग्रेस की ओर से चुनाव मैदान में उतरी रचना बनर्जी से हुगली से की लॉकेट चटर्जी, बीरभूम से शताब्दी रॉय ने देवंतु भट्टाचार्य, जादवपुर से सयानी घोष ने अनिरबन गांगुली, जून मालिया ने अग्निमित्रा पॉल और दीपक अधिकारी ने घाटौल से डॉ हिरणन्मय चटर्जी को पराजित किया।

'लाल सलाम', 35 साल बाद लहराया 'लाल झंडा' : सुदामा प्रसाद

आरा। दलित-गरीबों और किसानों की राजनीतिक दावेदारी के अग्रणी योद्धा सुदामा प्रसाद ने आरा संसदीय सीट पर तत्कालीन केन्द्रीय मंत्री राजकुमार सिंह (आर.के.सिंह) के न सिर्फ हैट्रिक लगाने के सपने को चूर किया साथ ही 35 साल के लंबे इंतजार के बाद इस सीट पर अपनी पार्टी के 'लाल झंडे' को भी बुलंद किया। बिहार में आरा संसदीय संसदीय सीट से भारत की कम्युनिस्ट पार्टी मार्क्सवादी-लेनिनवादी (भाकपा-माले) उम्मीदवार सुदामा प्रसाद ने भाजपा प्रत्याशी केन्द्रीय मंत्री आर.के.सिंह को 59 हजार 808 मतों के अंतर से पराजित किया। चुनाव आयोग के अनुसार, भाकपा माले उम्मीदवार सुदामा प्रसाद को 529382 मत मिले जबकि उनके प्रतिद्धंदी भाजपा के सिंह को 469574 मत मिले। सुदामा प्रसाद न सिर्फ पहली बार सांसद बनें, वहीं वह आरा संसदीय सीट पर 35 साल बाद अपनी पार्टी के लाल झंडा को बुलंद करने में भी कामयाब हुए। इससे पूर्व वर्ष 1989 के लोकसभा चुनाव में इंडियन पीपुल्स फ्रंट (आईपीएफ) के बैनर तले आरा संसदीय सीट से रामेश्वर प्रसाद चुनाव जीते थे। भाकपा माले पहले आईपीएफ के बैनर तले चुनाव लड़ते रहा है। इस चुनाव में आईपीएफ ने 10 प्रत्याशी उतारे लेकिन उसे केवल आरा सीट पर जीत मिली। आरा संसदीय सीट पर रामेश्वर प्रसाद ने जनता दल के तुलसी सिंह को पराजित किया था। कांग्रेस के दिग्गज बलिराम भगत तीसरे नंबर पर रहे थे। बिहार के भोजपुर जिले के अगिआंव प्रखंड के पवना में मिठाई की एक छोटी सी दुकान चलाने वाले स्व. गंगादयाल साह के घर दो फरवरी 1961 को जन्में सुदामा प्रसाद भोजपुर में भूमिहीन-गरीब-बटाईदार किसानों के संघर्षो, गरीबों-वंचितों की राजनीतिक दावेदारी और सामाजिक बदलाव की लड़ाई के चर्चित योद्धा हैं। बचपन में ही मिठाई की दुकान पर कभी-कभार बैठने के क्रम में उन्हें सामंती और पुलिस जुल्म का सामना करना पड़ा, जिसने उस छोटे से बालक को भीतर से बेचैन कर दिया और वे भाकपा-माले के नेतृत्व में भोजपुर में चल रहे बदलाव की लड़ाई में खींचे चले आए। वर्ष 1978 में सुदामा प्रसाद ने हर प्रसाद दास जैन स्कूल, आरा से मैट्रिक की परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद जैन कॉलेज आरा में नामांकन कराया, लेकिन 1982 में पढ़ाई बीच में ही छोड़कर वह भाकपा-माले के पूर्णकालिक कार्यकर्ता बन गए और सांस्कृतिक मोर्चे पर काम की शुरूआत की। युवा नीति के निर्देशन में उन्होंने सरकारी सांढ़, पत्ताखोर, कामधेनु, सिंहासन खाली करो जैसे नाटकों में जबरदस्त अभिनय किया। पुलिस एवं सामंती ताकतों से दो-दो हाथ करते हुए सुदामा प्रसाद ने भोजपुर में क्रांतिकारी सांस्कृतिक राजनीति को एक नई धार देने का काम किया।

इंजीनियर राशिद के चुनाव जीतने के बाद उनके भविष्य पर उठ रहे हैं कई सवाल

शपथ समारोह के 60 दिनों के भीतर संसद में शामिल होने में विफल रहने पर सीट खाली हो जाएगी

■ सुरेश एस डुग्गर

जम्मू, 6 जून (देशबन्धु)। जेल में बंद नेता अब्दुल राशीद शेख, जिन्हें इंजीनियर राशीद के नाम से भी जाना जाता है, की 2024 के लोकसभा चुनावों में बारामुल्ला संसदीय क्षेत्र से 2 लाख से ज्यादा वोटों के महत्वपूर्ण अंतर से जीत के बाद, सवाल उठता है कि जेल से उनकी रिहाई के बारे में क्या निहितार्थ और अगले कदम हो सकते हैं। इस पर कश्मीर के कई वकीलों के मुताबिक, चुनाव जीतने का उनकी रिहाई पर कोई सीधा कानूनी असर नहीं है। हालाँकि, शपथ समारोह में शामिल होने के लिए उन्हें ट्रायल कोर्ट से अंतरिम ज़मानत की जरूरत होगी। भारत के सर्वोच्च न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता एडवोकेट सुनील फ़र्नांडिस के बकौल, इंजीनियर राशीद विशेष अदालत का रुख़ कर सकते हैं, इस मामले में एनआईए अदालत उन्हें विचाराधीन कैदी के लिए अंतरिम ज़मानत दे सकती है।

वे कहते थे कि वह शपथ समारोह में शामिल होने के लिए उस कानूनी उपाय का लाभ उठा सकते हैं और बाद में वे नियमित

ज़मानत के लिए आवेदन कर सकते हैं। दोनों मामलों में, यह धन शोधन निवारण अधिनियम के अनुसार अदालत के समक्ष एनआईए द्वारा अपनाए जाने वाले रुख पर निर्भर करता है। एडवोकेट फर्नांडीस ने कहा कि एनआईए अदालत द्वारा नियमित जमानत तभी दी जा सकती है जब याचिकाकर्ता न्यायाधीश को यह संतुष्टि दे सके कि प्रथम दृष्टया उसने अपराध की आय नहीं ली है, जिसे साबित करना याचिकाकर्ता के लिए इस समय बहुत मुश्किल लगता है। जम्मू-कश्मीर उच्च न्यायालय सीनियर एडवोकेट सैयद फासिल कादरी इस मामले वा अपना रूख रचाते हुए कहते थे कि इंजीनियर राशिद जमानत के लिए एनआईए अदालत का दरवाजा खटखटा सकते हैं। अगर जमानत मिल जाती है, तो उन्हें शपथ समारोह के लिए संसद में उपस्थित होने की अनुमति दी जाएगी। स्थानीय अदालत के एक अन्य वकील एडवोकेट समीर ने कहा कि इंजीनियर राशिद की कैद उनकी चुनावी जीत से अलग मामला है। संसद में उपस्थित होने से पहले उन्हें आवश्यक कानूनी औपचारिकताएं पूरी करनी चाहिए। जब तक एनआईए अदालत द्वारा जमानत नहीं दी जाती है, या दोषी साबित नहीं किया जाता है, तब तक उन्हें रिहा नहीं किया जा सकता है।

समीर ने यह भी कहा कि अगर इंजीनियर राशिद अपनी कैद के कारण शपथ समारोह के 60 दिनों के भीतर संसद में शामिल होने में विफल रहते हैं, तो उनकी सीट खाली हो जाएगी। इसके अलावा, अगर वह दो साल तक जेल में रहता है, तो उसे अयोग्य ठहराया जा सकता है। जानकारी के लिए इंजीनियर राशिद 9 अगस्त, 2019 से तिहाड़ जेल में आतंकवाद के वित्तपोषण के आरोप में कैद है। और संसद में उपस्थित होने के लिए, जेल में बंद सांसद को शपथ ग्रहण समारोह में ले जाने के लिए अधिकारियों से अनुमति लेनी होगी। शपथ लेने के बाद, उसे जेल वापस लौटना होगा। इसके बाद, उसे सदन की कार्यवाही में शामिल होने में अपनी असमर्थता के बारे में अध्यक्ष को सूचित करना होगा। इसके बाद अध्यक्ष सदन की अनुपस्थिति संबंधी समिति से परामर्श करेंगे। समिति यह सिफारिश करेगी कि सांसद को संसदीय सत्रों से छुट्टी दी जानी चाहिए या नहीं। इसके बाद अध्यक्ष इस सिफारिश पर मतदान करेंगे। गौरतलब है कि केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर में 5 अगस्त, 2019 को अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के बाद पहली बार आम चुनाव हुए। इंजीनियर राशिद ने कुल 472,481 वोट हासिल किए और जेकेएनसी के उमर अब्दुल्ला, जेकेपीसी के सज्जाद गनी लोन और पीडीपी के मीर फैयाज जैसे राजनीतिक दिग्गजों को 204,142 वोटों के बड़े अंतर से हराया।

[अर्थ जगत]

सर्वाधिक बढ़ने वाले शेयर

टेक महिंद्रा	4.07 प्रतिशत
एचसीएल टेक	4.04 प्रतिशत
एसबीआई	3.46 प्रतिशत
इंफ़ोसिस	2.95 प्रतिशत
एनटीपीसी	2.65 प्रतिशत

सर्वाधिक घटने वाले शेयर

हिंदुस्तान यूनिलीवर	2.04 प्रतिशत
एशियन पेंट	1.88 प्रतिशत
महिंद्रा एंड महिंद्रा	1.57 प्रतिशत
नेस्ले इंडिया	1.36 प्रतिशत
इंडसइंड बैंक	1.25 प्रतिशत

सर्राफा

सोना (प्रति दस ग्राम)स्टैंडर्ड	74,220
बिटुर	47,320
गिन्नी (प्रति आठ ग्राम)	39,795
चांदी (प्रति किलो) टंच हाजिर	74400
वायदा	70,857
चांदी सिक्का लिवाली	900
बिकवाली	880

मुद्रा विनिमय

मुद्रा	क्रय	विक्रय
अमेरिकी डॉलर	67.77	78.57
पौड स्टर्लिंग	90.94	105.45
यूरो	76.54	88.78
चीन युआन	08.24	13.38

अनाज

देसी गेहूँ एमपी	2400-3000
गेहूं दड़ा	2600-2700
आटा	2800-2900
मैदा	2900-2950
चोकर	2000-2100

मोटा आनाज

बाजरा	1300-1305
मक्का	1350-1500
ज्वार	3100-3200
जौ	1430-1440
काबुली चना	3500-4000

शुगर

चीनी एस	3740-3840
चीनी एम	4000-4100
मिल डिलीवरी	3620-3720
गुड़	4400-4500

दाल-दलहन

चना	6100-6200
दाल चना	7100-7200
मसूर काली	7550-7650
उड़द दाल	10600-10700
मूंग दाल	9850-9950
अरहर दाल	11700-11800

पेट्रोल और डीजल की कीमतें अपरिवर्तित

नई दिल्ली। अंतराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेजी जारी रहने के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम अपरिवर्तित रहे, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपए प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपए प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपए प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपए प्रति लीटर पर रहा।

रेपो रेट में बदलाव की संभावना नहीं

मुंबई, 6 जून (एजेंसियां)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की शुक्रवार को समाप्त हो रही तीन दिवसीय मौद्रिक नीति समीक्षा बैठक में रेपो दर तथा अन्य नीतिगत दरों में बदलाव की संभावना नहीं है क्योंकि केंद्रीय बैंक आर्थिक विकास और मुद्रास्फीति के बीच संतुलन बनाए रखने का प्रयास रहा है।

आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक बुधवार को शुरू हुई थी और शुक्रवार को समाप्त होगी। इसमें देश की आर्थिक स्थिति, मुद्रास्फीति, मानसून की स्थिति, वैश्विक कारकों आदि के आधार पर नीतिगत दरों पर फैसले लिए जाएंगे। संभावना है कि समिति रेपो दर को 6.5 प्रतिशत पर स्थिर रखने का फैसला कर सकती है। रेपो दर वह दर है जिस पर केंद्रीय बैंक वाणिज्यिक बैंकों को अल्पावधि उधार देता है ताकि वे तरलता की अपनी तात्कालिक जरूरतें पूरी कर सकें। इसका असर बैंकों द्वारा कॉर्पोरेट तथा आम ग्राहकों को दिए जाने वाले ऋण की ब्याज दरों पर पड़ता है। ब्याज दर घटने से निवेश तथा उपभोग लागत में कमी आती है, हालांकि उपभोग बढ़ने से मुद्रास्फीति (महंगाई दर) बढ़ने का खतरा रहता है। आरबीआई के गवर्नर शक्तिकांता दास ने कहा है कि केंद्रीय बैंक मुद्रास्फीति कम करने की नीति जारी रखेगा ताकि आर्थिक विकास में स्थिरता बनी रहे। उन्होंने कहा कि खाने-पीने के सामान की महंगाई दर ज्यादा होने से मुद्रास्फीति का दबाव बना हुआ है।

- एमपीसी की बैठक बुधवार को शुरू हुई थी और आज समाप्त होगी
- रेपो दर को 6.5 प्रतिशत पर स्थिर रखने के फैसले की संभावना

आरबीआई ने पिछली बार फरवरी 2023 में नीतिगत दरों में बदलाव किया था। उसने मई 2022 से फरवरी 2023 के बीच रेपो दर में कुल 2.5 प्रतिशत की वृद्धि की थी। फरवरी 2023 के बाद से रेपो दर 6.5 प्रतिशत पर स्थिर है। खुदरा महंगाई की दर इस साल अप्रैल में घटकर 4.83 प्रतिशत पर आ गई थी। हालांकि यह अब भी आरबीआई के चार प्रतिशत के मध्यावधि लक्ष्य से ऊपर है। वित्त वर्ष 2023-24 में देश की आर्थिक विकास दर बढ़कर 8.2 प्रतिशत पर पहुंच गई। इससे आरबीआई के पास अभी ब्याज दरों में कटौती को टालने के विकल्प है।

भारतीय निजी बैंकों का आधार मजबूत : गोल्डमैन सैश

मुंबई। अमेरिकी निवेश फर्म गोल्डमैन सैश ने कहा है कि इस हफ्ते निजी बैंक शेयरों में जबरदस्त तेजी देखी गई है। इसने निवेशकों को खरीदारी करने का अवसर दिया। वैश्विक निवेश फर्म की ओर से कहा गया कि आधार किसी भी प्रकार के नैरेटिव से ज्यादा जरूरी होता है। इस कारण से हम पीएसयू बैंकों की अपेक्षा निजी बैंकों को चुन रहे हैं। बैंकिंग शेयरों में बुधवार के कारोबारी सत्र में जबरदस्त तेजी देखने को मिली थी और इस कारण बैंक निफ्टी अपने 200 दिन के मूविंग एवरेज को छूकर तेजी से ऊपर निकल गया था।

एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, एक्सिस बैंक, इंडसइंड बैंक और फेडरल बैंक में पिछले दो दिनों में 8 प्रतिशत तक की बढ़त हुई है। बुधवार के कारोबारी सत्र में बैंक निफ्टी 2,126 अंक या 4.53 प्रतिशत फिसलकर 49,054 अंक पर बंद हुआ था। गुरुवार को बैंक निफ्टी 49,080 के आसपास कारोबार कर रहा है। एलकेपी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ टेक्निकल एनालिस्ट, रूपके डे की ओर से कहा गया कि हम बैंक निफ्टी में 47,500 के स्टॉप लॉस के साथ गिरावट पर खरीदारी की राय दे रहे हैं। बैंक निफ्ट में 47,800 का सपोर्ट लेवल है और 49,500 का एक बड़ा रुकावट का स्तर है। सेंसेक्स और निफ्टी में गुरुवार को सकारात्मक कारोबार हुआ है। मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स दोनों में ही सकारात्मक कारोबार हो रहा है। सेक्टर के हिसाब से देखें तो आईटी, कैपिटल गुड्स, मेटल, ऑयल और गैस, पावर और रियल्टी में भी तेजी है।

घरेलू हवाई यात्रियों की संख्या मई में 5.1 प्रतिशत बढ़ी

नई दिल्ली, 6 जून (एजेंसियां)। घरेलू हवाई यात्रियों की संख्या मई में सालाना आधार पर 5.1 प्रतिशत बढ़कर 13.89 करोड़ रही। कोविड महामारी से पहले के स्तर से यह लगभग 14 प्रतिशत अधिक है। एक रिपोर्ट में यह कहा गया।

इक्रा ने गुरुवार को अपनी रिपोर्ट में यह भी कहा कि स्थिर लागत परिवेश के बीच घरेलू और अंतरराष्ट्रीय हवाई यातायात में निरंतर सुधार के बीच भारतीय विमानन उद्योग का दृष्टिकोण स्थिर है। चालू वित्त वर्ष (2024-25) में भी यह रुझान जारी रहने की संभावना है। रिपोर्ट में कहा गया कि पिछले महीने एयरलाइन की क्षमता सालाना आधार पर छह प्रतिशत बढ़ी और अप्रैल, 2024 की तुलना में लगभग दो प्रतिशत अधिक रही।

रेटिंग एजेंसी के अनुसार, पिछले वित्त वर्ष में घरेलू हवाई यात्री यातायात लगभग 13 प्रतिशत की वृद्धि के साथ करीब 15.4 करोड़ था। रेटिंग एजेंसी ने कहा कि इस प्रकार यह वित्त वर्ष 2019-20 में लगभग 14.2 करोड़ के कोविड-19 से पहले के स्तर को पार कर गया। एजेंसी ने कहा कि भारतीय विमानन कंपनियों के लिए अंतरराष्ट्रीय यात्री यातायात पिछले वित्त वर्ष में लगभग 24 प्रतिशत बढ़कर लगभग 2.96 करोड़ था। इक्रा ने कहा कि इसके अलावा, उद्योग ने बेहतर मूल्य निर्धारण शक्ति देखी, जो उच्च रिटर्न (कोविड-पूर्व स्तर की तुलना में) में परिलक्षित हुई। एजेंसी ने कहा कि वित्त वर्ष 2023-24 में हवाई यात्रियों की आवाजाही में जो तेजी देखी गई, उसके चालू वित्त वर्ष में भी जारी रहने की उम्मीद है।

भारत का आर्थिक परिदृश्य मजबूत : विशेषज्ञ

नई दिल्ली, 6 जून (एजेंसियां)। देश की दिग्गज ब्रोकरेज फर्मस और बाजार के विश्लेषकों ने गुरुवार को कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था काफी मजबूत है। देश की विकास दर, चालू खाते की स्थिति और महंगाई के आंकड़े सभी उत्साह पैदा करने वाले हैं। जानकारों ने कहा कि भारत के साथ कई सारे सकारात्मक फैक्टर हैं। पिछला डेटा इशारा करता है कि चुनाव के 6 से 12 महीने के बीच बाजार अच्छा प्रदर्शन करता है। यस सिक्योरिटीज की ओर से कहा गया कि भारतीय कंपनियों की बैलेंस शीट, बैंकिंग सेक्टर और प्रॉपर्टी मार्केट में बुलबुले जैसी कोई स्थिति नहीं है। सूचीबद्ध कंपनियों में कर्ज कम हो गया है। पूंजी पर्याप्त मात्रा होने के कारण बैंकों की स्थिति मजबूत है और मजबूत मांग के कारण रियल एस्टेट की कीमतें बढ़ रही हैं।

जानकारों का कहना है कि भारतीय घरेलू निवेशकों की ओर से शेयर बाजार में लगातार भरोसा जताया जा रहा है। रिटेल निवेशकों द्वारा म्यूचुअल फंड में किया जाने वाला निवेश रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है। साथ ही कहा कि एफआईआई अभी तक पैसा निकाल रहे हैं।

एनवीडिया बनी दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी कंपनी

मुंबई, 6 जून (एजेंसियां)। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) चिप बनाने वाली कंपनी एनवीडिया का मार्केट कैप 3 ट्रिलियन डॉलर को पार कर गया है। इस कारण एप्पल को पछाड़कर एनवीडिया दुनिया की दूसरी सबसे वैल्यूएबल कंपनी बन गई है।

आखिरी कारोबारी सत्र में एनवीडिया के शेयर में 5.16 प्रतिशत की तेजी आई और कंपनी का मार्केट कैप 3.01 ट्रिलियन डॉलर पहुंच गया। एप्पल के शेयर में 0.78 प्रतिशत की बढ़त हुई है और उसका मार्केट कैप 3 ट्रिलियन डॉलर पर है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) चिप की मांग बढ़ने के कारण एनवीडिया के शेयर में लगातार तेजी बनी हुई है। पिछले एक साल में यह 200 प्रतिशत से अधिक का रिटर्न दे चुका है।

सॉफ्टवेयर दिग्गज माइक्रोसॉफ्ट 3.15 ट्रिलियन डॉलर के मार्केट कैप के साथ दुनिया की सबसे बड़ी कंपनी है। यह पहला मौका नहीं है, जब एनवीडिया की मार्केट कैप एप्पल से ज्यादा है। इससे पहले 2002 में भी ऐसा हो चुका है। उस समय दोनों कंपनियों की वैल्यूएशन 10 बिलियन डॉलर से कम थी।

- मार्केट कैप 3 ट्रिलियन डॉलर के पार
- दुनिया की सबसे बड़ी कंपनी है माइक्रोसॉफ्ट

एनवीडिया के शेयर में तेजी की वजह एआई के इस्तेमाल में बढ़त होना है। इससे कंपनी द्वारा बनाई जाने वाली चिप की मांग पूरी दुनिया में बढ़ गई है। हाल ही में कंपनी ने हर साल नई एआई चिप डिजाइन करने का फैसला किया था।

कंपनी के सीईओ जेन्सेन हुआंग जनरेटिव एआई को नई औद्योगिक क्रांति बता चुके हैं। उन्होंने बताया कि एनवीडिया एआई से आने वाले बदलाव में बड़ी भूमिका निभाएगी। एप्पल को इस साल की शुरुआत से कई मुश्किलों का सामना करना पड़ा रहा है। चीन में आईफोन की बिक्री घट रही है और वहीं, यूरोपीय यूनियन में मांग में ज्यादा सुधार नहीं है। इसके कारण कंपनी के शेयर की कीमत में भी उछाल नहीं देखने को मिला है।

सार संक्षेप

10 जून को खुलेगा ले ट्रैवेन्यूज टेक्नोलॉजी का आईपीओ

अहमदाबाद। ले ट्रैवेन्यूज टेक्नोलॉजी लिमिटेड (आईएक्सआईजीओ) का आईपीओ 10 जून को खुलेगा। कंपनी की ओर से गुरुवार को यहां जारी बयान में कहा है कि ले ट्रैवेन्यूज़ टेक्नोलॉजी लिमिटेड (इक्सिगो) का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए 10 जून को खुलेगा और 12 जून को बंद होगा। एंकर निवेशक बोली की तारीख सात जून शुक्रवार है। प्राइस बैंड 88 प्रति इक्विटी शेयर से 93 रुपये प्रति इक्विटी शेयर तय किया गया है। न्यूनतम 161 इक्विटी शेयरों के लिये और उसके बाद 161 इक्विटी शेयरों के गुणकों में बोलियां लगाई जा सकती हैं। कुल ऑफर साइज़ में एक रुपया मूल्य के इक्विटी शेयरों का नया निर्गम शामिल है, जो कुल 120 करोड़ रुपए तक है। इसमें विक्रय शेयरधारकों द्वारा एक रुपया अंकित मूल्य के 66,677,674 इक्विटी शेयरों की बिक्री के लिए ऑफर फॉर सेल भी शामिल है।

अमेजन ने एमएक्स प्लेयर के कुछ एसेट्स का किया अधिग्रहण

नई दिल्ली। दिग्गज टेक्नोलॉजी कंपनी अमेजन की ओर से गुरुवार को टाइम्स इंटरनेट के स्वामित्व वाले वीडियो स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म एमएक्स प्लेयर के कुछ एसेट्स को खरीद लिया गया है। इस डील को लेकर अमेजन के प्रवक्ता की ओर से दिए गए बयान में कहा गया कि हम हमेशा अपने ग्राहकों के लिए नए प्रोडक्ट्स की तलाश करते हैं, जिससे कि उनकी जिंदगी आसान हो। अमेजन प्राइम वीडियो और मिनी टीवी पर मौजूद लोकल और एक्सक्लूसिव कंटेंट से पूरे भारत का मनोरंजन करके हमें खुशी हो रही है। कंपनी की ओर से डील के साइज के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई है। हालांकि, कुछ रिपोर्ट्स में बताया गया है कि डील 100 मिलियन डॉलर से कम की है। बता दें कि एमएक्स प्लेयर ने 2019 में 500 मिलियन डॉलर की वैल्यूएशन पर 111 मिलियन डॉलर जुटाए थे। तब से कंपनी की वैल्यूएशन में बड़ी गिरावट आ चुकी है। अमेजन की ओर से ऐड के समर्थन वाली मिनी टीवी स्ट्रीमिंग सर्विस को चलाया जाता है।

ईपैक प्रीफ़ैब ने वेस्टटूवर्थ अभियान का किया अनावरण

नई दिल्ली। भारत के अग्रणी पीईबी और प्रीफैब कंपनियों में से एक, ईपैक प्रीफैब ने पर्यावरण दिवस के अवसर पर एक महत्वाकंक्षी अभियान वेस्टटूवर्थ के लॉन्च की घोषणा की है। एक सप्ताह तक चलने वाले इस प्रभावशाली अभियान का उद्देश्य कचरे के पुनर्चक्रण के महत्व को रेखांकित करना और भारत में चक्रीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देना है। अभियान की मुख्य विशेषताओं में से एक ईपैक के पीईबी विनिर्माण संयंत्र के स्टील कचरे से बनी बेंचों को स्कूलों को दान करना है। यह न केवल अपने कचरे के पुनर्चक्रण के प्रति ईपैक प्रीफैब की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करेगा, बल्कि एक चक्रीय अर्थव्यवस्था की व्यापक अवधारणा को भी उजागर करेगा, जहां अपशिष्ट पदार्थों को मूल्यवान उत्पादों में परिवर्तित किया जाता है।

राजनीतिक स्थिरता की उम्मीद में बाजार गुलजार

मुंबई, 6 जून (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव के बाद देश में बनने वाली नई साझा सरकार में स्थिरता और पहले से चल रही बाजार समर्थित नीतियों की निरंतरता आगे भी कायम रहने की उम्मीद में हुई चौतरफा लिवाली की बदौलत शेयर बाजार आज लगातार दूसरे दिन भी गुलजार रहा।

बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 692.27 अंक अर्थात 0.93 प्रतिशत की छलांग लगाकर 75 हजार अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर के पार 75,074.51 अंक पर पहुंच गया। साथ ही नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 201.05 अंक यानी 0.89 प्रतिशत उछलकर 22,821.40 अंक पर बंद हुआ। दिग्गज कंपनियों के मुकाबले मझौली और छोटी कंपनियों में लिवाली अधिक हुई, जिससे बीएसई का मिडकैप 2.28 प्रतिशत की तेजी के साथ 43,555.73 अंक और स्मॉलकैप 3.06 प्रतिशत मजबूत होकर 47,693.81 अंक हो गया।

इस दौरान बीएसई में कुल 3945 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से 3012 में तेजी जबकि 831 में गिरावट रही वहीं 102 में कोई बदलाव नहीं हुआ। इसी तरह निफ्टी की 38 कंपनियां हरे जबकि शेष 12 लाल पर रही। बीएसई के सभी 20 समूह में लिवाली हुई। इससे रियल्टी 4.85, इंडस्ट्रियल्स 3.69, कैपिटल गुड्स 3.42, कमोडिटीज 1.45, सीडी 1.13, ऊर्जा 2.34, एफएमसीजी 0.01, वित्तीय सेवाएं 1.19, हेल्थकेयर 0.38, आईटी 2.86, दूरसंचार 2.23, यूटिलिटीज 2.52, ऑटो 0.41, बैंकिंग 0.59, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 0.75, धातु 1.44, तेल एवं गैस 2.68, पावर 2.87, टेक 2.62 और सर्विसेज समूह के शेयर 1.45 प्रतिशत चढ़ गए।

- सेंसेक्स 0.93 प्रतिशत की छलांग लगाकर 75,074.51 अंक पर
- निफ्टी 0.89 प्रतिशत उछलकर 22,821.40 अंक पर बंद

यूरोपीय केंद्रीय बैंक के पिछले पांच साल में पहली बार ब्याज दर में कटौती करने की उम्मीद में विश्व बाजार में तेजी रही। इससे भी घरेलू बाजार को समर्थन रहा। इस दौरान ब्रिटेन का एफ़टीएसई 0.33, जर्मनी का डैक्स 0.62, जापान का निक्केई 0.55 और हांगकांग का हैंगसेंग 0.28 प्रतिशत मजबूत रहा। हालांकि चीन के शंघाई कम्पोजिट में 0.54 प्रतिशत की गिरावट रही।

शुरूआती कारोबार में सेंसेक्स 696 अंक की तेजी के साथ 75,078.70 अंक पर खुला और दमदार लिवाली की बदौलत दोपहर से पहले 75,297.73 अंक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। वहीं, बिकवाली होने से दोपहर बाद यह 74,474.94 अंक के निचले स्तर तक टूट गया। अंत में पिछले दिवस के 74,382.24 अंक के मुकाबले 0.93 प्रतिशत चढ़कर 75,074.51 अंक हो गया। इस दौरान सेंसेक्स की तेजी पर रही कंपनियों में टेक महिंद्रा 4.07, एचसीएल टेक 4.04, एसबीआई 3.46, इंफ़ोसिस 2.95, एनटीपीसी 2.65, एलटी 2.24, टीसीएस 2.24, विप्रो 2.09, भारती एयरटेल 2.03, टाटा स्टील 1.65, मारुति 1.47, जेएसडब्ल्यू स्टील 1.29, आईटीसी 1.28, बजाज फाइनेंस 1.22, पावरग्रिड 1.09, कोटक बैंक 0.95, टाटा मोटर्स 0.89, रिलायंस 0.76, बजाज फिनसर्व 0.58, एचडीएफसी बैंक 0.53, अल्ट्रासिमको 0.48, टाइटन 0.20 और आईसीआईसीआई बैंक 0.18 प्रतिशत शामिल रही।

वहीं, हिंदुस्तान यूनिलीवर 2.04, एशियन पेंट 1.88, महिंद्रा एंड महिंद्रा 1.57, नेस्ले इंडिया 1.36, इंडसइंड बैंक 1.25, एक्सिस बैंक 1.10 और सन फ़ार्मा के शेयर 0.97 प्रतिशत कमजोर रहे।

ट्राई ने किसी तीसरे पक्ष को कॉल कर कनेक्शन काटने के लिए अधिकृत नहीं किया

नई दिल्ली, 6 जून (एजेंसियां)। भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने आज कहा कि किसी भी उपभोक्ता के मोबाइल कलेक्शन काटने या सेवा समाप्त करने का संदेश देने के लिए उसने किसी भी तीसरे पक्ष की एजेंसी को ग्राहकों से संपर्क करने के लिए अधिकृत नहीं किया है।

ट्राई ने यहां जारी बयान में कहा कि ट्राई से होने का दावा कर इस तरह के कॉल करने और मोबाइल नंबर डिस्कनेक्शन की धमकी देने वाले किसी भी प्रकार के संचार (कॉल, संदेश या नोटिस) को संभावित धोखाधड़ी का प्रयास माना जाना चाहिए।

उसने कहा कि उसके संज्ञान में लाया गया है कि नागरिकों को धोखाधड़ी वाले व्हाट्सएप संदेश, एसएमएस और वॉयस कॉल किए जा रहे हैं, जिसमें दावा किया जा रहा है कि वे भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण से हैं। अपराधी जाली नोटिस का उपयोग कर रहे हैं, जो भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण (ट्राई) के वरिष्ठ अधिकारियों के आधिकारिक संचार जैसा दिखता है। इन नोटिसों में प्राप्तकर्ता के मोबाइल नंबर से जुड़ी अवैध गतिविधि का झूठा आरोप लगाया जाता है और उन्हें कानून प्रवर्तन से संपर्क करने या सेवा समाप्ति का सामना करने के लिए दबाव डाला जाता है। नागरिकों को यह भी धमकी दी जाती है कि अगर वे जवाब नहीं देते हैं तो उनके मोबाइल नंबर काट दिए जाएंगे। कई बार, दुर्भावनापूर्ण अभिनेता व्यक्तियों को मैलवेयर इंस्टॉल करने या फ़िशिंग लिंक पर क्लिक करने के लिए धोखा देने का प्रयास कर सकते हैं। ट्राई मोबाइल नंबर डिस्कनेक्शन के बारे में संदेशों या आधिकारिक नोटिस के माध्यम से संचार शुरू नहीं करता है।

खाद्य तेल सहित सभी जिंसों में रहा टिकाव

नई दिल्ली, 6 जून (एजेंसियां)। विदेशी बाजारों में तेजी के बावजूद स्थानीय स्तर पर उठाव सुस्त रहने से आज दिल्ली थोक जिंस बाजार में खाद्य तेल समेत सभी जिंसों में टिकाव रहा। **तेल-तिलहन :** वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में जून का पाम ऑयल वायदा 80 रिंगिट उबलकर 3948 रिंगिट प्रति टन हो गया। इसी तरह जून का अमेरिकी सोया तेल वायदा 0.65 सेंट की बढ़त के साथ 43.77 सेंट प्रति पौंड बोला गया। इस दौरान घरेलू बाजार में खाद्य तेलों में टिकाव रहा।

सरसों तेल, मूंगफली तेल, सूरजमुखी तेल, सोया रिफाइंड, पाम ऑयल और वनस्पति तेल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ। गुड़-चीनी : मीठे के बाजार में स्थिरता रही। इस दौरान चीनी और गुड़ के भाव पड़े रहे। दाल-दलहन : दाल-दलहन बाजार में टिकाव रहा। इस दौरान चना, दाल चना, मसूर दाल, मूंग दाल, उड़द दाल और अरहर दाल में कोई बदलाव नहीं हुआ और वे पिछले स्तर पर पड़ी रही। अनाज : अनाज मंडी में भाव स्थिर रहे। इस दौरान चावल और गेहूं के दाम में कोई बदलाव नहीं हुआ। **दाल-दलहन :** चना 6800-6900, दाल चना 7800-7900, मसूर काली 7800-7900, मूंग दाल 10600-10700, उड़द दाल 12800-12900, अरहर दाल 11500-11600 रुपए प्रति क्विंटल रहे।

गिरनार एलीवेट समिट 2024 में हुई कंपनियों को सशक्त बनाने पर चर्चा

नई दिल्ली, 6 जून (एजेंसियां)। कारदेखो ग्रुप ने शार्क टैंक इंडिया और दूसरे माध्यमों से किए गए निवेश वाली 30 से ज्यादा कंपनियों को सशक्त बनाने पर गिरनार एलीवेट समिट 2024 में चर्चा की।

कंपनी ने जारी बयान में कहा कि ग्रुप के सीईओ एवं सह संस्थापक अमित जैन की अगुवाई में गिरनार एलीवेट समिट 2024 का आयोजन किया। इस समित का यह दूसरा संस्करण था। दो दिन के इस आयोजन का उद्देश्य उन 30 से ज्यादा कंपनियों को सशक्त करना था, जिनमें श्री जैन ने शार्क टैंक इंडिया और दूसरे माध्यमों से निवेश किया है। समिट में विभिन्न कार्यक्षेत्रों पर अलग-अलग सत्रों का संचालन किया गया। इनमें भारत 2.0 के निर्माण के लिए संस्थापकों से निजी तौर पर जुड़ने और उनका मार्गदर्शन करने के लिए श्री जैन की प्रतिबद्धता नजर आई। निवेश के बाद मार्गदर्शन और मेंटॉरशिप की महत्वपूर्ण भूमिका होती है, जिसके साथ कंपनियां तरक्की और सफलता का ब्लूप्रिंट बनाती हैं। गिरनार एलीवेट समिट एक बेहतरीन फोरम है, जो इन कंपनियों को जानकारी बढ़ाने और सफल उपक्रमों के निर्माण की रणनीतियां बेहतर बनाने के लिए सशक्त करता है।

- समिट में विभिन्न कार्यक्षेत्रों पर अलग-अलग सत्रों का संचालन किया
- 30 से ज्यादा कंपनियों को सशक्त करना था आयोजन का उद्देश्य

कंपनी ने कहा कि इसके पहले दिन की शुरूआत अलग अलग सत्रों से हुई, जिससे उद्यमियों को व्यवसाय तैयार करने और उसे बढ़ाने के बारे में अहम जानकारियां मिलीं। इस कार्यक्रम की शुरुआत के अवसर पर श्री जैन व्यवसाय बढ़ाने पर जानकारियां प्रदान कीं। उनहोंने सही मौके पहचानने, असरदार प्लेबुक बनाने और व्यवसाय की वृद्धि के लिये उन्नत टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करने के महत्व पर जोर दिया।

इसका मकसद ब्राण्डों को सशक्त करना और ऐसी संस्थाएं बनने में उनकी मदद करना था, जो भारत में उद्यमिता के परितंत्र पर एक विरासत का निर्माण करें। दूसरे दिन बड़े पैमाने की संस्था बनाने के पहलूओं पर विचार किया गया। इसमें कानून, वित्त, अनुपालन तथा एचआर से जुड़े सत्र थे।

श्री जैन ने कहा कि मेरी सोच सिर्फ पैसों के निवेश तक सीमित नहीं है। मैं भारत में बढ़ रही उद्यमिता की प्रतिभा को बढ़ावा और मार्गदर्शन देने और टेक्नोलॉजी को सबसे ऊपर रखकर नए भारत के निर्माण को प्रेरित करने के लिए प्रतिबद्ध हूं। मेरा मानना है कि संस्थापकों के साथ निजी तौर पर जुड़ाव बनाने से उद्यमियों की बाधाओं को पहचानने और दूर करने में मदद मिलती है और वे विशेषज्ञों तथा समकक्षों से सीख पाते हैं।

खेल जगत

दक्षिण अफ्रीका चैंपियंस का नेतृत्व करेंगे जैक्स कैलिस

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका चैंपियंस ने इंग्लैंड के एजबस्टन और नॉर्थम्पटनशायर स्टेडियम में 3 से 13 जुलाई तक होने वाली वर्ल्ड चैंपियंसशिप ऑफ लीजेंड्स के लिए अपनी 15 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। टीम का नेतृत्व महान आलराउंडर जैक्स कैलिस करेंगे जिसमें इमरान ताहिर, हर्शल गिब्स, डेल स्टेन और जेपी डुमिनी जैसे पूर्व दिग्गज खिलाड़ी शामिल हैं। वर्ल्ड चैंपियंसशिप ऑफ लीजेंड्स में छह क्रिकेट ताकतों दक्षिण अफ्रीका, भारत, पाकिस्तान, इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया और वेस्ट इंडीज से छह टीमें उतरेंगी। इस टी20 टूर्नामेंट को इंग्लैंड एन्ड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) से मान्यता प्राप्त है जिसमें रिटायर्ड और गैर अनुबंधित खिलाड़ी उतरेंगे। जैक्स कैलिस (कप्तान), इमरान ताहिर, हर्शल गिब्स (विकेटकीपर), मखाया एंटिनी, डेल स्टेन, एश्वेल प्रिंस, नील मैकेंजी, ryan मैकलॉरेन, जस्टिन ओनटोंग, रोरी क्लेनवेल्ट, जेपी डुमिनी, रिचर्ड लेवी, डेन विलास, वेर्नोन फिलेंडर, चार्ल लैंगवेल्ट।

मुश्किल परिस्थितियों में पाक के खिलाफ बल्लेबाजी के लिए तैयार भारत : रोहित

पाक के खिलाफ जीत में हमारे एकादश के हर खिलाड़ी को योगदान करना होगा

नई दिल्ली, 6 जून (देशबन्धु)। कप्तान रोहित शर्मा अपने अर्द्धशतक और उपकप्तान हार्दिक पांडया सहित अपने तेज गेंदबाजों की चौकड़ी की रफ्तार व धार की बदौलत न्यूयॉर्क के नसउ काउंटी स्टेडियम में बल्लेबाजों के लिए मुश्किल स्थितियों में आईसीसी टी-20 क्रिकेट विश्व कप में ग्रुप ए के

■ भारत की आयरलैंड पर आठ विकेट पर जीत से खासे खुश नजर आए रोहित

अपने पहले मैच में बुधवार रात भारत की आयरलैंड पर आठ विकेट पर जीत से खासे खुश नजर आए। भारत के कप्तान रोहित ने अपनी टीम की आयरलैंड पर जीत के बाद कहा कि भारत अब खुद को रविवार को चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ न्यूयॉर्क में बल्लेबाजी के लिए मुश्किल परिस्थितियों के लिए तैयार कर रहा है। सच कहूं मुझे नहीं मालूम, पिच से क्या आस लगाउं लेकिन हम खुद को इसके मिजाज के मुताबिक तैयार करेंगे। चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ 9 जून रविवार को खेले जाने वाले मैच में जीत के लिए हमारी एकादश के हर खिलाड़ी को योगदान करना होगा।'

भारत ने अमेरिका और वेस्टइंडीज की संयुक्त मेजबानी में होने वाले इस टी-20 विश्व कप के लिए अपनी 15 सदस्यीय टीम में तीन बाएं हाथ के स्पिनरों-रवींद्र जडेजा, अक्षर पटेल व कुलदीप

यादव के साथ कलाई के लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल के रूप में चार स्पिनरों को शामिल किया है। भारत ने न्यूयॉर्क की पिच की असमतल उछाल के मद्देनजर आयरलैंड के खिलाफ बुधवार के मैच के लिए जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह और मोहम्मद सिराज के रूप के रूप तीन खालिस तेज गेंदबाजों के साथ तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या व शिवम दुबे के रूप में कुल पांच तेज गेंदबाजों और रवींद्र जडेजा और अक्षर पटेल के रूप में दो स्पिन ऑलराउंडरों को शामिल किया था। स्पिन गेंदबाजी को इस टी-20 विश्व कप से पूर्व भारत की ताकत बताया गया था। इस बाबत भारत के कप्तान रोहित शर्मा ने हंसते हुए कहा कि मैं नहीं सोचता कि हम चार स्पिनरों को यहां न्यूयॉर्क में एकादश में एक साथ खिला सकते हैं।

जब हमने इस टी-20 विश्व कप के लिए टीम चुनी थी तो तब हम एक संतुलित टीम चाहते थे। यदि स्थितियां सीमर्स के लिए मुफीद हैं तो हम

मैं नहीं सोचता कि हम चार स्पिनरों को एकादश में एक साथ खिला सकते हैं। जब हमने इस टी-20 विश्व कप के लिए टीम चुनी थी तो तब हम एक संतुलित टीम चाहते थे : रोहित शर्मा

इसका लाभ उठाना चाहते हैं। जब हम आगे इस टी-20 विश्व कप में वेस्टइंडीज में खेलेंगे तो तब स्पिन गेंदबाजी की भूमिका खासी अहम रहने वाली है। पिच और स्थितियों को देखते हुए हमें उसी के मुताबिक एकादश में बदलाव करने से कोई गुरेज नहीं है। बुधवार को न्यूयॉर्क की पिच के मिजाज के मुताबिक हमें एकादश में चार तेज गेंदबाजों की जरूरत थी लेकिन बावजूद इसके हमने दो ऐसे स्पिनरों को एकादश में जगह दी जो ऑलराउंडर हैं। इससे हम आयरलैंड के खिलाफ मैच में संतुलित एकादश के साथ उतरे।

टी-20 में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बने वॉर्नर

ब्रिजटाउन (बारबाडोस), 6 जून ((एजेंसियां)। सलामी बल्लेबाज डेविड वॉर्नर पूर्व कप्तान आरोन फिंच को पीछे छोड़ते हुए टी20 में ऑस्ट्रेलिया के लिए सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। वॉर्नर, जो अपना अंतिम टी20 विश्व कप खेल रहे हैं, ने गुरुवार को केंसिंग्टन ओवल में ओमान के खिलाफ़ अपने पहले मैच में यह उपलब्धि हासिल की। उन्होंने 51 गेंदों पर छह चौकों और एक छक्के की मदद से 56 रनों की पारी खेली और अपने पूर्व बल्लेबाजी साथी को पीछे छोड़ दिया। ऑस्ट्रेलिया के लिए 104 मैचों में वॉर्नर ने 33.92 की औसत से 3,155 रन बनाए हैं। उन्होंने टी20 में अब तक 27 अर्धशतक और एक शतक भी लगाया है। दूसरी ओर, फिंच ने 103 मैचों में 19 अर्द्धशतक और दो शतकों की मदद से 3120 रन बनाए हैं। ओमान के खिलाफ अपनी शानदार पारी में उन्होंने मार्कस स्टोइनिस के साथ 102 रनों की साझेदारी भी की, जिन्होंने 36 गेंदों पर छह छक्कों और दो चौकों की मदद से नाबाद 67 रनों की तेज पारी खेली और टीम को 20 ओवरों में 164/5 तक पहुंचाया। स्टोइनिस के क्रीज पर आने से पहले ऑस्ट्रेलिया लगातार गेंदों पर कप्तान मिचेल मार्श (14) और ग्लेन मैक्सवेल (0) के विकेट गंवाने के बाद 8.3 ओवरों में 50/3 पर लड़खड़ा रहा था। ऑलराउंडर मैक्सवेल ऑस्ट्रेलिया के लिए 107 मैचों में 2,468 टी20 रन बनाकर तीसरे स्थान पर हैं, जबकि कप्तान मार्श 55 मैचों में 1,446 रन बनाकर पूर्व ऑलराउंडर शेन वॉटसन के 1,462 रनों के बाद पांचवें स्थान पर हैं।जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत करने के बाद ऑस्ट्रेलिया अब 8 जून को उसी

मैदान पर मौजूदा चैंपियन इंग्लैंड से भिड़ेगा। आस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर मौजूदा टी20 विश्व कप के बाद अपने अंतर्राष्ट्रीय करियर को अलविदा कह देंगे। वॉर्नर, वनडे और टेस्ट से पहले ही दूरी बना चुके हैं। उसके बाद उन्होंने यह भी साफ कर दिया था कि वह टी20 विश्व कप के बाद इस फॉर्मेट से भी संन्यास ले लेंगे। ऑस्ट्रेलिया का टी20 विश्व कप अभियान समाप्त होने के साथ वॉर्नर ऑस्ट्रेलिया राष्ट्रीय टीम के लिए हर फॉर्मेट से रिटायर हो जाएंगे।

एंड्रीवा 27 वर्षों में सबसे युवा ग्रैंड स्लैम सेमीफाइनलिस्ट बनीं

न्यूयॉर्क, 6 जून (एजेंसियां)। टी20 विश्व कप में लगातार दूसरी बार न्यूयॉर्क में लो स्कोरिंग मुकाबला खेला गया। इस पिच पर दक्षिण अफ्रीका द्वारा श्रीलंका को 77 रनों पर आउट करने के बाद, भारत के गेंदबाजों ने आयरलैंड को 96 रनों पर समेट दिया। ध्न्यूयॉर्क की ड्रॉप इन पिच एक बार फिर चर्चा का विषय बन गई। यहां गेंद में अधिक बाउंस, वेरिएशन और मोमेंट है। बेशक, भारत ने आयरलैंड के खिलाफ मुकाबला जीत लिया हो लेकिन यहां बल्लेबाजी करना भारतीय

बल्लेबाजों के लिए भी लोहे के चने चबाना जैसा था। दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली और सूर्यकुमार यादव भी इस पिच पर फ्लॉप रहे। हालांकि, रोहित शर्मा और ऋषभ पंत ने यहां रन जरूर बनाए लेकिन हिटमैन को भी शुरुआत में काफी संघर्ष करना पड़ा।

भारत के बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौर ने स्वीकार किया कि ग्रुप ए के पहले मैच के लिए न्यूयॉर्क की पिच बल्लेबाजों के लिए चुनौतीपूर्ण थी, लेकिन उनका मानना है कि टीम इन कठिन परिस्थितियों से निपटने के लिए तैयार है। साथ ही कुछ ऐसी चुनौतियां भी है, जिन्हें 9 जून को इसी मैदान पर पाकिस्तान के खिलाफ होने वाले अगले मैच से पहले सुलझाना होगा। भारतीय टीम के बल्लेबाजी कोच ने कहां कि जहां तक बल्लेबाजी का सवाल है, यह एक चुनौतीपूर्ण विकेट है लेकिन हमें यहीं खेलना है इसलिए हमें इससे निपटने के तरीके खोजने होंगे। जैसा कि मैंने पहले कहा, हमारे पास बल्लेबाजी समूह में पर्याप्त कौशल और अनुभव है। हमारे पास कई ऐसे बल्लेबाज हैं जो किसी भी तरह की सतह पर अच्छी बल्लेबाजी कर सकते हैं। मुझे लगता है कि इस सतह पर आपको वास्तव में अच्छी तरह से ढलने और इसका सामना करने की ज़रूरत है। इसके बारे में बहुत ज़्यादा चिंता करने की ज़रूरत नहीं है। मैच खत्म होने के बाद रोहित ने कहा कि मुझे नहीं पता कि पाकिस्तान के खिलाफ क्या उम्मीद करनी चाहिए। हम परिस्थितियों के हिसाब से तैयारी करेंगे। यह ऐसा मैच होगा जिसमें पूरी टीम एक साथ आएगी और अपना योगदान देगी। उम्मीद है कि हम फिर से इसी तरह का प्रदर्शन कर पाएंगे। नया मैदान, नया वेन्यू और हम देखना चाहते थे कि यहां खेलकर कैसा लगता है। मुझे लगता है कि पिच अभी जमी नहीं है और तेज गेंदबाजों को काफी मदद दे रही है।

■ एंड्रीवा ने क्वार्टरफाइनल में पहला सेट हारने के बाद शानदार वापसी करते हुए 6-7(5), 6-4, 6-4 से जीत हासिल की

डीएसए ए डिवीजन लीग गढ़वाल और नॉर्दन यूनाइटेड की करीबी जीत

नई दिल्ली। मिलिंद नेगी के दर्शनीय गोल से नॉर्दन यूनाइटेड एफसी ने फ्रंटियर फुटबाल क्लब को एक गोल से हरा कर पूरे अंक अर्जित किए। मिलिंद को प्लेयर ऑफ द मैच आंका गया। नेहरू स्टेडियम पर खेले गए डीएसए ए डिवीजन मुकाबले के एक अन्य मैच में गढ़वाल यूनाइटेड एफसी ने पश्चिम हीरोज पर 3-1 की जीत दर्ज की। विजेता के लिए प्लेयर ऑफ द मैच सिद्धार्थ खीची ने दो गोल जमाए। पराजित टीम का गोल सोहंगपाम हंग्शी ने किया। गढ़वाल की जीत में पुकाल दुलग के आत्मघाती गोल का भी योगदान रहा। नॉर्दन यूनाइटेड की जीत का आकर्षण हेमंत के क्रॉस पर स्थानापन्न खिलाड़ी मिलिंद द्वारा जमाया गया गोल था। इस जीत के साथ विजेता टीम ने पूल बी में चार मैचों में 6 अंक जुटा लिए हैं। पराजित फ्रंटियर भी अंकों के आंकड़े में विजेता की बराबरी पर है। उतार चढ़ाव वाले मुकाबले में दोनों टीमों ने गोल के कई आसान मौके बेकार किए। इस पूल में एमिटी इंडियन नेशनल एकमात्र अजेय टीम है जिसने चार जीत और एक ड्रॉ से 13 अंक बनाए हैं। पश्चिम हीरोज चारों मैच हार गई है । नतीजन अंक खाता नहीं खोल पाई है। गढ़वाल डायमंड ने पांच मैचों में चार अंक बनाए हैं।

न्यूयॉर्क से टी-20 विश्व कप मैचों को बाहर शिफ्ट करने की कोई योजना नहीं : रिपोर्ट

न्यूयॉर्क, 6 जून (एजेंसियां)। टी20 विश्व कप के लिए न्यूयॉर्क में पिच को लेकर हो रहे बवाल के बावजूद नासाउ काउंटी इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम से शेष मैचों को शिफ्ट करने की कोई योजना नहीं है।

न्यूयॉर्क में बिना परखे हुए ड्रॉप-इन पिच, जो गेंदबाजों के लिए अत्यधिक अनुकूल हैं, श्रीलंका के दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 77 रन पर आउट होने और उसके बाद भारत द्वारा आयरलैंड को 96 रन पर समेटने के बाद कड़ी जांच के दायरे में आ गई है। भारत ने अपने बल्लेबाजों की सुरक्षा को लेकर चिंताओं के बीच असामान्य उछाल और पिचों की दो-तरफ़ा प्रकृति से निजी तौर पर अपनी नाखुशी व्यक्त की है। भारत को रविवार

को न्यूयॉर्क में अपने दूसरे ग्रुप ए मैच में पाकिस्तान से खेलना है।ऐसा माना जा रहा है कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) पहले खेले गए मैचों के डेटा का विश्लेषण कर रही है, ताकि यह तय किया जा सके कि अगर उसे कार्रवाई करने की जरूरत पड़े तो उसे कैसे प्रतिक्रिया देनी चाहिए। हालांकि, आईसीसी अधिकारियों ने कहा है कि न्यूयॉर्क के किसी भी मैच को फ्लोरिडा या टेक्सास के स्थानों पर स्थानांतरित करने की कोई योजना नहीं है। हैरी टेक्टर, लोरकन टकर, पॉल स्टर्लिंग, रोहित शर्मा और ऋषभ पंत जैसे खिलाड़ियों को चोटें आईं, जिसमें रोहित कंधे में चोट लगने के बाद 52 रन पर रिटायर्ड हर्ट हो गए। इसमें यह भी दावा किया गया है कि कैंटियाग पार्क में अभ्यास सुविधा में बनाए गए छह ड्रॉप-इन पिचों के बारे में भी चिंताएं जताई गई हैं, साथ ही कहा गया है कि दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाजों ने चोटों की चिंताओं के कारण अपने गेंदबाजों और स्थानीय नेट गेंदबाजों का सामना करने के बजाय थ्रो-डाउन का विकल्प चुना।

ऑस्ट्रेलिया ने ओमान को 39 रन से हराया

ब्रिजटाउन (बारबाडोस), 6 जून (एजेंसियां)। मार्कस स्टोइनिस के अर्द्धशतक और तीन विकेट के आलराउंड प्रदर्शन की बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने गुरुवार को केंसिंग्टन ओवल में टी-20 विश्व कप के अपने पहले मैच में ओमान को 39 रनों से हराया। गुरुवार को बारबाडोस के केंसिंग्टन ओवल में टॉस जीतकर ओमान ने पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। ऑस्ट्रेलिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 5 विकेट खोकर 164 रन बनाए, जवाब में ओमान 20 ओवर में 9 विकेट खोकर 125 रन बना सकी। पहले बल्लेबाजी करते उतरी ऑस्ट्रेलिया की शुरुआत धीमी रही। पावरप्ले के तीसरे ओवर में ट्रेविस हेड (12) अपना विकेट गंवा बैठे। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान मिचेल मार्श और डेविड वॉर्नर ने दूसरे विकेट के

लिए 37 रनों की साझेदारी की। इसके बाद मेहरान खान ने मिचेल मार्श को पवेलियन का रास्ता दिखाकर ऑस्ट्रेलिया को दूसरा झटका दिया। अगली ही गेंद पर मेहरान ने ग्लेन मैक्सवेल को गोल्डन डक पर आउट कर दिया। ओमान के कप्तान आकिब इलियास ने कवर पर मैक्सवेल का शानदार कैच लपका। ऑस्ट्रेलिया 8.3 ओवर में 50/3 पर लड़खड़ा रहा था। हालांकि, वॉर्नर दूसरे छोर पर डटे रहे और स्कोरबोर्ड को आगे बढ़ाते रहे। 5वें नंबर पर बल्लेबाजी करने आए स्टोइनिस ने वॉर्नर का साथ दिया और दोनों ने आक्रामक खेल दिखाते हुए स्कोर बोर्ड को आगे बढ़ाया। दाएं हाथ के बल्लेबाज ने ओमान के गेंदबाजों की धज्जियां उड़ाईं, जबकि वॉर्नर ने दूसरा छोर मजबूती से थामे रखा। 13वें ओवर में वार्नर ने लगातार दो चौके जड़कर अपनी लय बढ़ाई। फिर, स्टोइनिस ने 15वें ओवर में मेहरान की गेंद पर चार छक्के जड़कर पारी का रुख बदल दिया। उन्होंने महज 27 गेंदों पर 50 रन बनाए, जिसके बाद वॉर्नर ने अर्द्धशतक जड़ा। 19वें ओवर में वॉर्नर अर्द्धशतक जड़ने के तुरंत बाद 51 गेंदों पर 56 रन बनाकर आउट हो गए। स्टोइनिस 36 गेंदों पर 67 रन बनाकर नाबाद रहे, जिससे ऑस्ट्रेलिया ने 164/5 का स्कोर बनाया।

न्यूयॉर्क की चुनौतीपूर्ण पिच से निपटने के तरीके खोजने होंगे : विक्रम राठौर

न्यूयॉर्क, 6 जून (एजेंसियां)। टी20 विश्व कप में लगातार दूसरी बार न्यूयॉर्क में लो स्कोरिंग मुकाबला खेला गया। इस पिच पर दक्षिण अफ्रीका द्वारा श्रीलंका को 77 रनों पर आउट करने के बाद, भारत के गेंदबाजों ने आयरलैंड को 96 रनों पर समेट दिया। ध्न्यूयॉर्क की ड्रॉप इन पिच एक बार फिर चर्चा का विषय बन गई। यहां गेंद में अधिक बाउंस, वेरिएशन और मोमेंट है। बेशक, भारत ने आयरलैंड के खिलाफ मुकाबला जीत लिया हो लेकिन यहां बल्लेबाजी करना भारतीय बल्लेबाजों के लिए भी लोहे के चने चबाना जैसा था। दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली और सूर्यकुमार यादव भी इस पिच पर फ्लॉप रहे। हालांकि, रोहित शर्मा और ऋषभ पंत ने यहां रन जरूर बनाए लेकिन हिटमैन को भी शुरुआत में काफी संघर्ष करना पड़ा।

भारत के बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौर ने स्वीकार किया कि ग्रुप ए के पहले मैच के

लिए न्यूयॉर्क की पिच बल्लेबाजों के लिए चुनौतीपूर्ण थी, लेकिन उनका मानना है कि टीम इन कठिन परिस्थितियों से निपटने के लिए तैयार है। साथ ही कुछ ऐसी चुनौतियां भी है, जिन्हें 9 जून को इसी मैदान पर पाकिस्तान के खिलाफ होने वाले अगले मैच से पहले सुलझाना होगा। भारतीय टीम के बल्लेबाजी कोच ने कहां कि जहां तक बल्लेबाजी का सवाल है, यह एक चुनौतीपूर्ण विकेट है लेकिन

■ दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली और सूर्यकुमार यादव भी इस पिच पर फ्लॉप रहे

हमें यहीं खेलना है इसलिए हमें इससे निपटने के तरीके खोजने होंगे। जैसा कि मैंने पहले कहा, हमारे पास बल्लेबाजी समूह में पर्याप्त कौशल और अनुभव है। हमारे पास कई ऐसे बल्लेबाज हैं जो किसी भी तरह की सतह पर अच्छी बल्लेबाजी कर सकते हैं। मुझे लगता है कि यह कई सालों से हमारी ताकत रही है। मुझे लगता है कि हम अलग-अलग परिस्थितियों के हिसाब से खुद को बहुत अच्छी तरह ढाल सकते हैं, और मुझे लगता है कि इस सतह पर आपको वास्तव में अच्छी तरह से ढलने और इसका सामना करने की ज़रूरत है। इसके बारे में बहुत ज़्यादा चिंता करने की ज़रूरत नहीं है। मैच खत्म होने के बाद रोहित ने कहा कि मुझे नहीं पता कि पाकिस्तान के खिलाफ क्या उम्मीद करनी चाहिए। हम परिस्थितियों के हिसाब से तैयारी करेंगे। यह ऐसा मैच होगा जिसमें पूरी टीम एक साथ आएगी और अपना योगदान देगी। उम्मीद है कि हम फिर से इसी तरह का प्रदर्शन कर पाएंगे। नया मैदान, नया वेन्यू और हम देखना चाहते थे कि यहां खेलकर कैसा लगता है। मुझे लगता है कि पिच अभी जमी नहीं है और तेज गेंदबाजों को काफी मदद दे रही है।

न्यूयॉर्क की पिचें 'खतरनाक स्तर' पर हैं : एंडी फ्लावर

न्यूयॉर्क, 6 जून (एजेंसियां)। इंग्लैंड के पूर्व कोच एंडी फ्लावर ने कहा है कि मौजूदा टी 20 विश्व कप में नासाउ काउंटी इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में पिचें खतरनाक स्तर पर हैं। फ्लावर की यह प्रतिक्रिया भारत के आयरलैंड को आठ विकेट से हराने के बाद आयी है जिसमें पिच और धीमे ऑउटफील्ड पर सवाल उठाये गए हैं। पिच पर काफी स्विंग और असमान उछाल थी। भारत ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करते हुए आयरलैंड को 96 रन पर ढेर कर दिया था। लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय कप्तान रोहित शर्मा और ऋषभ पंत को अपने शरीर पर कुछ गेंदें झेलनी पड़ीं। इससे पहले सोमवार को श्रीलंका इस पिच पर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मात्र 77 रन पर ढेर हो गयी थी। फ्लावर ने कहा कि मुझे यह कहना होगा कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलने के लिए यह अच्छी सतह नहीं है। यह खतरनाक स्तर पर है।

सार संक्षेप

सरबजोत ने म्यूनिख में स्वर्ण पदक से खोला भारत का खाता

नई दिल्ली। सरबजोत सिंह ने जर्मनी के म्यूनिख में चल रहे आईएसएसएफ विश्व कप राइफल/पिस्टल में 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर भारत का खाता खोला। 22 वर्षीय भारतीय निशानेबाज ने आठ खिलाड़ियों के फ़ाइनल में 242.7 का स्कोर कर स्वर्ण जीता। उनके नजदीकी प्रतिद्वंद्वी चीन के बू शुआई हांग 0.2 अंक पीछे रहे। जर्मनी के रोबिन वाल्टर को कांस्य पदक मिला। इससे पहले सरबजोत ने 588 के शीर्ष स्कोर के साथ फ़ाइनल के लिए क्वालीफाई किया था। उन्होंने फ़ाइनल में भी अपनी फॉर्म कायम रखते हुए अपना दूसरा विश्व कप पदक जीता। उन्होंने पिछले वर्ष भोपाल में भी स्वर्ण जीता था। फ़ाइनल में बू और रॉबिन के अलावा मौजूदा चीनी विश्व चैंपियन बोवेन झांग और तुर्की के चार बार के ओलंपियन यूसुफ डिकेक भी शामिल थे। युवा भारतीय शुरुआत से सबसे मजबूत था। उसने शुरुआती बढ़त हासिल करने के लिए अपने पहले पांच एकल शॉट्स में तीन हाई 10 लगाए। उनकी लगातार शूटिंग जारी रही और उन्होंने तब तक बढ़त नहीं छोड़ी जब तक कि वाल्टर ने 14वें एकल शॉट के अंत में उन्हें पकड़ नहीं लिया।

युगांडा ने पापुआ न्यू गिनी को तीन विकेट से हराया

प्रॉविडेंस। गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के बाद रियाजत अली शाह (33) रनों की धैर्यपूर्ण पारी के दम पर युगांडा ने टी-20 विश्वकप के नौवें मुकाबले में पापुआ न्यू गिनी को तीन विकेट से हराकर टूर्नामेंट में अपनी पहली जीत दर्ज की है। गुयाना के प्रोविडेंस स्टेडियम में युगांडा ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया। युगांडा के गेंदबाजों ने कप्तान ब्रायन मसाबा के फैसले को सही साबित करते हुए पापुआ न्यू गिनी के किसी भी बल्लेबाज को टिकने नहीं दिया। पापुआ न्यू गिनी के बल्लेबाज एक के बाद एक लगातार अंतराल पर पवेलियन लौट गये। कप्तान असद वाला (एक), टोनी ऊरा (शून्य), सेसे बाऊ (5), लेगा सियाका (12), हिरी हिरी (15), चार्ल्स अमिनी (5), किप्लिन डोरिगा (12), चैड सोपर (4), नॉर्मन वानुआ (5) आलेई नाओ (5) रन बनाकर आउट हुये। पापुआ न्यू गिनी की पूरी टीम 19.1 ओवर में 77 के न्यूनतम स्कोर पर ढेर हो गई।

प्रियंका बाला संभालेंगी सिलीगुड़ी स्ट्राइकर्स की कमान

कोलकाता (पश्चिम बंगाल)। कोलकाता में 12 जून से शुरू हो रही बंगाल प्रो टी 20 लीग में प्रियंका बाला सर्वोटेक सिलीगुड़ी स्ट्राइकर्स की कप्तानी संभालेंगी जिसे लेकर वह काफी उत्साहित हैं। 11 से 28 जून तक चलने वाली इस रोमांचकारी लीग का महिला चरण 12 जून को साल्ट लेक के जादवपुर विश्वविद्यालय में शुरू होगा। कप्तानी को लेकर प्रियंका बाला कहती हैं, हालांकि मैं पहले भी टीमों की कप्तानी कर चुकी हूं पर बंगाल प्रो टी 20 लीग एक बड़ा मंच है और सर्वोटेक सिलीगुड़ी स्ट्राइकर्स की कप्तानी करना मेरे लिए एक बड़ी उपलब्धि है।